

Daily सच के हक में...

Is The Epitome...

Ranchi ● Monday, 01 April 2024 ● Year : 02 ● Issue : 73 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

: 73,635.48 : 22,326.90

6,435 चांदी

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)



सेहरी (मंगलवार): 04.26

OBRIEF NEWS कांग्रेस को १७४५ करोड का नया टैक्स नोटिस

NEW DELHI : कांग्रेस को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने नया नोटिस दिया है। इसमें 2014 से 2017 के लिए १७४५ करोड़ रुपए के टैक्स की डिमांड की गई है। इस नए नोटिस के साथ कांग्रेस पर टैक्स डिमांड बढ़कर 3567 करोड़ रुपए हो गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक 2014-15 के लिए 663 करोड़ रुपए, 2015-16 के लिए ६६४ करोड़ रुपए और २०१६-17 के लिए 417 करोड़ रुपए का टैक्स डिमांड नोटिस कांग्रेस को भेजा गया है। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का दावा है कि आईटी विभाग ने राजनीतिक दलों को मिलने वाली टैक्स रिबेट खत्म कर दी है और पूरे कलेक्शन के लिए पार्टी पर टैक्स लगा दिया है।

रांची से अयोध्या जा रही बस दुर्घनाग्रस्त, दो की मौत

NEW DELHI :रांची से अयोध्या जा रही तीर्थ यात्रियों से भरा बस हादसे का शिकार हो गया। यह हादसा बिहार के डेहरी में हुआ है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं कई लोग घायल हो गए हैं। इस घटना पर आजस् सुप्रीमो सुदेश महतो ने दुख प्रकट किया और सोशल मीडिया पर लिखा कि इस घटना की जानकारी मिलने के बाद मन बेचैन है और प्रभु राम मृतकों की आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। शोकाकुल परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति दें। इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ का कामना करता ह

कच्चतीवु द्वीप पर गरमाई राजनीति

NEW DELHI: भारत की ओर से कच्चतीवु द्वीप श्रीलंका को दिए जाने का मुद्दे ने लोकसभा चुनाव खासकर तमिलनाडु की राजनीति को गरमा दिया है। रामेश्वरम और श्रीलंका के बीच मौजूद इस द्वीप को इंदिरा गांधी सरकार ने श्रीलंका को दे दिया था। एक आरटीआई में इसकी जानकारी सामने आने के बाद मुद्दा फिर से सुर्खियों में है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस संबंध में एक समाचार साझा कर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस भरोसे के लायक नहीं है। प्रधानमंत्री ने एक समाचार साझा करते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि यह बात आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली है। नए तथ्यों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने लापरवाही करते हुए कच्चतीवु को छोड़ दिया।

मेरठ से पीएम का चुनावी शंखनाद, कहा- भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई जारी

हम तीसरी सबसे बड़ी

अर्थव्यवस्था बनेंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आप सभी को

याद दिलाना चाहता हूं कि जब भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

थी. तब भारत की गरीबी दर बढ़ रही थी।

जब भारत 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

बन गया, तो 25 करोड़ से अधिक लोग

सफलतापर्वक गरीबी से बाहर आ गए।

उन्होंने कहा कि मैं आपको गारंटी देता हं

जब हम तीसरी सबसे बडी अर्थलातस्था

पूरी दुनिया भारत को भरोसे के साथ देख रही, पांच साल का बना रहे रोडमैप

AGENCY MEERUT:

18वीं लोकसभा चनाव को लेकर मेरठ पहुंचे पीएम ने एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मेरठ की ये धरती क्रांति और क्रांति वीरों की धरती है। इस धरती पर बाबा औघड़ धाम का आशीर्वाद है। इस धरती ने चौधरी चरण सिंह जैसे महान सपृत देश को दिये हैं। हमारी सरकार को उन्हें भारत रत्न देने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल की तैयारी कर रही है। आज भारत की साख नई ऊंचाई पर है। पूरी दुनिया भारत को भरोसे के साथ • हमारी सरकार अपने तीसरे • हमारी सरकार ने परिवारजन की कार्यकाल की तैयारी कर रही आकांक्षाओं को नई उड़ान दी

हाथ उढाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

कि हम पांच साल का रोडमैप बना देशभर के मेरे परिवारजन की बीते 10 वर्ष में हमारी आकांक्षाओं को नई उड़ान दी है। सरकार ने अपने कामकाज से

बन जाएंगे, तो न केवल गरीबी खत्म हो जाएगी, बल्कि एक नया सशक्त मध्यम पूरी रिपोर्ट आपके सामने है। दूसरी

भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाएगा २०२४ का जनादेश : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जाट बहुल पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ से कहा कि २०२४ का जनादेश भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनायेगा। केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मैदान से एनडीए के घटक दलों राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (एस), निर्बल शोषित इंडियन हमारा आम दल (निषाद) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्षों के साथ मंच साझा करते हुए पीएम मोदी ने राज्य में लोकसभा चुनाव अभियान की शुरूआत की और सबका अभिवादन किया। मेरठ में

लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियाह्न पर हमला करते हुए कहा कि किसानों से नफरत करने वाले इंडी गढबंधन ने चौधरी चरण सिंह को उचित सम्मान तक नहीं दिया। संसद में चर्चा के दौरान इंडी गढबंधन ने संसद के अंदर क्या किया, ये पूरे देश ने देखा। पीएम मोदी ने कहा कि जब जयंत चौधरी भारत रत्न सम्मान के संबंध में संसद में बोलने खड़े हुए तो उन्हें रोकने की कोशिश की गई, उन्हें अपमानित करने की कोशिश की

मेरह से पुराना नाता

पीएम मोदी ने मेरठ से अपना अलग रिश्ता जोड़ते हुए कहा कि मेरठ की इस धरती के साथ मेरा कुछ अलग ही रिश्ता है। आपको याद होगा २०१४ में और 2019 में मैंने अपने चुनाव अभियान की शुरूआत यहीं मेरठ से की थी। अब 2024 के चुनाव की पहली रैली मेरढ में ही हो रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कौन सांसद बने, कौन न बने, इसका चुनाव नहीं है। २०२४ का चुनाव विकसित भारत बनाने के लिए है। 2024 का जनादेश भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनायेगा।

दिल्ली में इंडी की महारैली, गटबंधन ने रखीं पांच मांगें

चुनाव से पहले मैच फिक्सिंग की कोशिश कर रहे मोदी : राहुल

AGENCY NEW DELHI:

दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार 31 मार्च को इंडी ब्लॉक की लोकतंत्र बचाओ महारैली हुई। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन की ये पहली बड़ी रैली है। इसमें सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, सीताराम येचरी, महबबा मुफ्ती, फारूक अब्दुल्ला के अलावा अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता और हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना पहुंचीं। इसके अलावा गठबंधन के अन्य नेता भी इसमें शामिल हए। यह रैली 3 घंटे तक चली, जिसमें गठबंधन के 21 नेताओं ने जनसभा को संबोधित किया। राहल गांधी ने कहा- नरेंद्र मोदी जी इस चनाव से पहले मैच फिक्सिंग की हमारी टीम से दो खिलाड़ियों को

मेरे पति को ज्यादा दिन तक ये जेल में

केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने रैली को संबोधित करते हुए कहा-मोदी जी ने मेरे पति को जेल में डाल दिया. क्या उन्होंने ठीक किया? आपके केजरीवाल को ज्यादा दिन तक ये जेल में नहीं रख पाएंगे। आपके केजरीवाल शेर हैं। करोड़ों लोगों के मन में बसते हैं। सुनीता केजरीवाल ने अरविंद का जेल से भेजा गया मैसेज भी पढा।

कोशिश कर रहे है। उन्होंने अरेस्ट करके अंदर कर दिया।

नहीं रख पाएंगे : सुनीता केजरीवाल उन्होंने केजरीवाल की 6 गारंटियां पढीं। पहला– पूरे देश में 24 घंटे बिजली। दूसरा– गरीबों को बिजली फ्री। तीसरी–

हर गांव– मोहल्ले में शानदार सरकारी स्कूल। चौथा- हर गांव और मोहल्ले में क्लिनिक जिले में मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल। पांचवीं– किसानों को एमएसपी और छठी- दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा

मल्लिकार्जन खडगे ने बीजेपी-

भाजपा-आरएसएस जहर जैसे : खडगे

मिल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आप लोकतंत्र चाहते हैं या तानाशाही, ये आपको तय करना है। जो तानाशाही चाहते हैं, उनको देश से निकालना होगा। बीजेपी और आरएसएस जहर के जैसे हैं। अगर आए चाहते हैं कि दसको भी देख लेंगे, विष को चाट कर देखेंगे या पीकर देखेंगे, दोनों स्थितियों में जिंदा नहीं रहेंगे। अनेकता में एकता. विविधता में एकता दशार्ने के लिए यह सभा आयोजित हुई है।

• भारत के चुनाव आयोग के

ये हैं 5 मांगें

- इलेक्शन में सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने चाहिए। • चुनाव आयोग को विपक्षी दलों के खिलाफ ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की कार्रवाई को रोकना चाहिए।
- हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल की तत्काल रिहाई
- विपक्षी पार्टियों को वित्तीय रूप से कमजोर करने की कोशिशें बंद हों।
- भाजपा को इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए जो फंड मिला है, उसकी एसआईटी जांच होनी चाहिए।

रैली में शामिल हुए सीएम व कल्पना सोरेन

लोकतंत्र बचाने के लिए लड्ना होगा : कल्पना

PHOTON NEWS RANCHI: लोकसभा चुनाव 2024 से पहले

दिल्ली के रामलीला मैदान में पीएम मोदी के खिलाफ बने देशव्यापी इंडियन डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की महारैली में झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की नेता महुआ माजी शामिल हुईं। जमीन घोटाला मामले में रांची के होटवार जेल में बंद हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि हम अपने देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए यह सब कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों को यह बताना चाहते हैं कि अगर आप अपने देश में लोकतंत्र चाहते हैं, लोकतंत्र को जीवित रखना चाहते हैं, तो आपको आगे आना होगा। अपने लोकतंत्र के लिए लड़ना होगा। लोकतंत्र को खत्म करने के लिए तानाशाह शासकों ने जिस तरह से कदम बढ़ाया है, उसे रोकने के लिए आप सभी लोग यहां आए हैं। बाबा साहब भीमराव 🏻 किया जा रहा है। महंगाई चरम पर



भाजपा की तानाशाही की विचारधारा को पनपने नहीं देंगे : चम्पार्ड

मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा- जिस जमीन की वजह बताकर हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया, उसका किसी भी किताब में जिक्र नहीं है। हेमंत सोरेन ने झारखंड के दलित, पिछडा वर्ग को ऊपर उटाने का काम शुरू किया तो भाजपा के पेट में दर्द हो गया। हमारे पूर्वजों ने भी इसी तरह झारखंड में लड़ाई लड़ी। आज यहां से परे भारत में संदेश जाएगा कि हम सब एक हैं। भारतीय जनता पार्टी की तानाशाही की विचारधारा हम कहीं भी पनपने नहीं देंगे।

उन्हें खत्म किया जा रहा है। हमारे संवैधानिक ढांचे को तहस-नहस

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम का एलान

पार्टी ने नहीं उतारा तो निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने एलान किया है कि वे हर हाल में राजमहल से चनाव लडेंगे। पार्टी ने उतारा तो भी नहीं उतारा तो भी। नहीं उतारा तो निर्दलीय मैदान में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि राजमहल में मौजूदा सांसद विजय हांसदा के प्रति नाराजगी है। यदि उनको टिकट मिला तो पार्टी को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि वह बीते एक सप्ताह से राजमहल लोकसभा क्षेत्र



में घूम रहे हैं। वह राजमहल के विभिन्न इलाकों में लोगों से मिलकर उनकी राय ले रहे हैं। उनका कहना है कि इस बार राजमहल की जनता उन्हें उम्मीदवार के रूप में देखना

में बदला : जस्टिस नागरता

RANCHI : सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरता ने नोटबंदी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने हैदराबाद में नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में कोट्स एंड द कॉन्स्टिट्यूशन सम्मेलन में शनिवार को कहा– नोटबंदी से काला धन सफेद में बदला। हम सब जानते हैं कि 8 नवंबर 2016 को क्या हुआ था। तब चलन में 86 प्रतिशत करेंसी ५०० और १००० रुपए की थी। उन्होंने कहा– उस मजदूर की कल्पना कीजिए जिसे रोजमर्रा की जरूरतों के लिए नोटों को बदलना पड़ा। इसके बाद 98 प्रतिशत करेंसी वापस आ गई, तो कालेधन का खात्मा कहां हुआ? यह कालेधन को सफेद बनाने का एक अच्छा तरीका था, जिससे बेनामी नकदी सिस्टम में शामिल हो रही थी।

नोटबंदी से काला धन सफेद

विधायक सरय राय ने कहा है कि

आरएसएस की तुलना जहर से इंडी गठबंधन की तरफ से 5

इंडी समर्थन दे तो धनबाद से लडूंगा : सरयू राय

ढुल्लू को हराने के लिए मुझे या कोई और प्रत्याशी उतारे विपक्षी गठबंधन ढुल्लू चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य

अगर इंडी गठबंधन समर्थन करे तो वे धनबाद से लोकसभा का चुनाव लड़ सकते हैं। कहा कि भाजपा ने धनबाद में संगीन अपराधों के आरोपी ढुल्लू महतो को अपना उम्मीदवार बनाया है। ढुल्लू को हराने के लिए उन्हें चुनाव लड़ने से परहेज नहीं है। सरयू ने कहा कि इसे लेकर वे कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम समेत कई नेताओं से बातचीत कर चुके हैं। उन्हें कहा है कि आप धनबाद हर बार उम्मीदवार खड़ा करते हैं



और वह हार जाता है। अगर दुल्लू जैसे दुर्दांत व्यक्ति को संसद पहुंचने से रोकना है तो मझे समर्थन दीजिए या फिर किसी ऐसे नेता को खड़ा करिए जो चुनाव जीत सके। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा जबाव दे कि आखिर इतने संगीन

मामलों के आरोपी ढल्ल को लोकसभा का टिकट क्यों और किस आधार पल दिया गया। सरय राय ने इशारे-इशारों में ओडिशा के

राज्यपाल और पूर्व सीएम रघुवर

दास पर भी हमला किया। कहा

धनबाद में अभी जिस तरह की

सरयू ने कहा कि ढुल्लू महतो संगीन मामलों के मुकदमों का अर्धशतक पूरा कर चुके हैं। शुक्रवार तक उनपर ४९ संगीन अपराधों के मुकदमे दर्ज थे। शनिवार को कृष्णा अग्रवाल ने उनपर मुकदमा किया है। सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के तहत देखें तो ढुल्लू चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं।

स्थिति पैदा हुई है वह उन्हीं लोगों की शह पर हुई है जिन्होंने जमशेदपुर में उनके खिलाफ साजिश रची थी। सरय राय रांची के डोरंडा स्थिति अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे।

विस्तृत खबर पेज 04 पर पढ़ें।

पांच शख्सियतों का भारत रत के लिए हुआ था चयन

राष्ट्रपति ने आडवाणी को आवास पर जाकर दिया भारत रत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को उनके आवास पर जाकर भारत रत्न से सम्मानित किया। इस अवसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति कार्यालय से सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी गई। इसके अनुसार राष्ट्रपति ने लालकृष्ण आडवाणी को उनके आवास पर जाकर

भारत रत्न प्रदान किया। इस

अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप

धनखड़, प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा

मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री

अमित शाह और आडवाणी के

परिवार के सदस्य उपस्थित थे।



शनिवार को ४ शख्सियतों को मिला था मरणोपरांत भारत रब

राष्ट्रपति ने 30 मार्च को राष्ट्रपति भवन में 4 शख्सियतों को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया था। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूरी ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन शामिल हैं। चारों

शख्सियतों के परिजनों ने राष्ट्रपति भवन में यह सम्मान हासिल किया। नरसिम्हा राव के बेटे पीवी प्रभाकर राव, चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी, कपूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर और एमएस स्वामीनाथन की बेटी नित्या राव ने राष्ट्रपति से यह सम्मान लिया।

भारत रत्न के बारे में चार प्वाडंट

- भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह राष्ट्रीय सेवा जैसे कला, साहित्य, विज्ञान, सार्वजनिक सेवा और खेल के लिए दिया जाता है। भारत रत्न देने की शुरूआत 2 जनवरी, 1954 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने की थी।
- पहले ये सम्मान केवल जीवित रहते दिया जाता था, लेकिन 1955 में मरणोपरांत भी भारत रत्न दिये जाने लगा। देश के प्रधानमंत्री भारत रत्न के लिए किसी व्यक्ति के नाम की सिफारिश राष्ट्रपति पुरस्कार पाने वाले को एक मेडल और सर्टिफिकेट दिया जाता है,

जिसपर राष्ट्रपति का साइन होता है। मेडल में तांबे के बने पीपल

किनारा भी प्लैटिनम का होता है। मेडल के नीचे चांदी से हिंदी में भारत रत्न लिखा होता है। पीछे की तरफ अशोक स्तंभ के नीचे हिंदी में सत्यमेव जयते लिखा होता है। इस सम्मान के साथ कोई धनराशि नहीं दी जाती है। 2020 से 2023

के बीच किसी को भी भारत रत्न पुरस्कार नहीं दिया गया है।

के पत्ते पर प्लैटिनम का चमकता सूर्य बना हुआ है। पत्ते का

सांसद निशिकांत दुबे सहित ९ पर प्राथमिकी

DEOGHAR : देवघर जिले के जसीडीह स्थित परित्राण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को साजिश के तहत हड़पने के आरोप में गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, उनकी पत्नी अनामिका गौतम, देवता कुमार पांडे, वीर कुमार अग्रवाल, बीमल कुमार अग्रवाल, राजवीर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक पुनीत कमार अग्रवाल और अन्य पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। जसीडीह थाना में शिवदत्त शर्मा के आवेदन पर आईपीसी की धारा 406, 409, 467, 468, 471, 120 बी, 34 के तहत यह प्राथमिकी 28 मार्च को दर्ज की गई है। प्राथमिकी में बताया गया है कि वर्ष 2009 में मेरे संस्थान परित्राण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के लिए 93 करोड़ रुपये की ऋण बैंको में संस्था की जमीन गिरवी रख ली गई थी। हालांकि एससीआई से अनुमोदन प्राप्त नहीं होने के वजह से परित्राण मेडिकल कॉलेज चालू नहीं हो सका।

देश के 4 राज्यों में बारिश व तूफान से भारी तबाही

पश्चिम बंगाल में चार की मौत, 100 घायल

देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल,

असम, मिजोरम और मणिपुर में रविवार को अचानक आए तुफान और बारिश से काफी तबाही मची। वेस्ट बंगाल के जलपाईगुड़ी में चार लोगों की मौत हो गई। 100 लोग घायल हैं। असम के गुवाहाटी में गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तेज बारिश से काफी नुकसान हुआ। एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा गिर गया। फ्लाइट की आवाजाही को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। वहीं छह फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ा। मिजोरम के चम्फाई जिले के



लुंगटन गांव में एक चर्च की इमारत ढह गई। वहीं आइजोल जिले के सियालसुक में एक और चर्च की इमारत को नुकसान पहुंचा। इसके अलावा कुछ घर भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। उधर मणिपुर के थौबल और खोंगजोम इलाके में भी कई पेड़ उखड़ गए और घरों की टीन की छतें उड़ गईं।

O BRIEF NEWS

रामगढ़ पुलिस ने 880 किलो जावा महुआ किया नष्ट

RAMGARH : एसपी डॉक्टर बिमल कुमार के निर्देश पर रविवार को सभी थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर 880 किलोग्राम जावा महुआ को नष्ट किया गया है। गोला थाना क्षेत्र में 200 किलो जावा महुआ, बासल थाना क्षेत्र में 200 किलो जावा महुआ, कुज्ज ओपी में 400 किलो जावा महआ, भदानीनगर ओपी में 40 किलो जावा महआ. बरकाकाना ओपी में 40 किलो जावा महुआ एवं अवैध शराब के निर्माण के लिए संचालित विभिन्न सामग्री को नष्ट किया गया।

सोना फिटनेस जोन ने लगाया रक्तदान शिविर



RANCHI: सोना फिटनेस जोन की ओर से सोना फिटनेस जोन कृष्णा नगर कॉलोनी रातू रोड में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। युग मिधा का कहना है कि संस्था रक्तदान के क्षेत्र में काम कर रही है। इस कार्यक्रम में युग मिधा, सुर्याश् श्रीवास्तव, सूरज झंडई, चैतन्य स्वानी, अमन घई, संजय मिढ़ा, वंश उपस्थित थे।

खुंटी में चला सघन वाहन जांच अभियान



KHUNTI: लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के निर्देश पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार कों खूंटी, मुरहू, तोरपा, अड़की, जरियागढ़, रनिया तपकारा सहित सभी थाना क्षेत्रों में प्रतिनियुक्त उड़न दस्ता दल (एफएसटी) सभी छोटे-बड़े वाहनों की तलाशी ली। लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने को लेकर एफएसटी द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान दो पहिया-चार पहिया और छोटे-बड़े वाहनों की भी तलाशी ली जा रही है। वाहनों से संबंधित दस्तावेज की भी जांच की जा रही है, ताकि वाहनों के माध्यम से अवैध सामानों पर पूर्ण

रूप से रोक लगाई जा सके। शिब सोरेन ने कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा को जीत का दिया आशीवाद

KHUNTI : खूंटी(सु) संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव में महागठबंधन प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष दिशोम गुरु शिबू सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात की। दिशोम गुरु ने कालीचरण मुंडा को जीत का आशीर्वाद दिया। कालीचरण मुंडा ने बताया कि मुलाकात के दौरान संगठन और लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। दिशोम गुरु ने चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चो द्वारा हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया और जीत के लिए शुभकामनाएं दी। दिशोम गुरु ने कहा कि झामुमों के सभी कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव में पूरी मेहनत और लगन के साथ मदद करेगा।

पलामू : सड़क दुर्घटना में सेना के जवान की मौत

PALAMU : पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के ढाब कला गांव के समीप एनएच-98 पर रविवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से आर्मी के जवान की मौत हो गयी। उसकी पहचान नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के नवाटांड गांव निवासी 31 वर्षीय वरुण कुमार यादव के रूप में हुई है। जवान नासिक के देवलाली में तैनात था। मृत जवान के भाई बिमल यादव ने कहा कि होली की छुट्टी में घर आया था। छुट्टी खत्म होने के बाद वह बाइक से भाई के साथ अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने जाने के लिए ऑटो पकड़ रहा था। इस बीच पीछे से अज्ञात वाहन ने जवान को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भेज दिया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन का पता लगा

रही है।

टीपीसी को हथियार सप्लाई करने के दो आरोपी गिरफ्तार

भारी मात्रा में कार्बाइन, एसएलआर मैगजीन व गोलियां बरामद

PHOTON NEWS PALAMU:

उग्रवादी संगठन ततीय प्रस्तति कमेटी को हथियार सप्लाई करने वाले दो आरोपितों को पुलिस ने हरिहरगंज से गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक लोकल मेड कार्बाइन, 8 एसएलआर का पुराना मैगजीन, 3 एलएमजी का पारदर्शी मैगजीन, तीन जिंदा गोली बरामद की गई है। गिरफ्तार सप्लायरों में हरिहरगंज थाना क्षेत्र के कटैया कुरहत के रहने वाले 28 वर्षीय गोविंद कुमार एवं औरंगाबाद जिला अंतर्गत टंडवा थाना क्षेत्र के लहंगकर्मा बरईखाप उपाध्याय बिगहा के 48 वर्षीय घनश्याम चौबे

जिले की एसपी रिष्मा रमेशन ने रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में पत्रकारों को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि उग्रवादी संगठन ततीय प्रस्तित कमेटी को हथियार सप्लाई देने के लिए गोविंद कुमार अपने घर में हथियार, मैगजीन रखे हुए हैं



गिरफ्तार आरोपी व जानकारी देतीं एसपी रिष्मा रमेशन । 🛭 फोटोन न्यूज

और अपने सहयोगियों से अन्य कई तरह के हथियार, गोली, मैगजीन मंगाने वाला है। छतरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नौशाद आलम के नेतृत्व में टीम बनाई गई और त्वरित कार्रवाई की गई। ग्राम कुरहत में गोविंद के घर पर छापेमारी की गई। यहां से मोबाइल फोन, एसएलआर का पुराना दो मैगजीन और दो जिंदा गोली बरामद की गई। उसकी निशानदेही पर उसके सहयोगी टीएसपीसी के सदस्य घनश्याम चौबे को हरिहरगंज से ही गिरफ्तार

किया गया। बाद में घनश्याम चौबे की निशानदेही पर मोबाइल फोन, लोकल मेड कार्बाइन हथियार, 6 एसएलआर का पुराना मैगजीन, एलएमजी का पारदर्शी मैगजीन 3, एक गोली बरामद की गई। जानकारी मिली है कि पिछले 10 साल से दोनों उग्रवादी संगठन टीपीसी को अवैध हथियार एवं मैगजीन सप्लाई करते थे। कभी नाम सामने नहीं आने के कारण इनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं हुआ था। छानबीन में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपित

20 वर्षों से फरार नक्सली को पुलिस ने दबोचा

पुलिस ने 20 वर्षों से फरार एक कुँख्यात नक्सली को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वह नक्सली रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र में एक बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए एक घर में छुपा हुआ था। वहीं से वह अपनी योजना बना रहा था। इसकी पुष्टि करते हुए एसपी डॉक्टर विमल कुमार ने रविवार को बताया कि कुख्यात नंक्सली डेगलाल महतो बोकारों जिला का रहने वाला है। उसने हत्या की वारदातों को भी अंजाम दिया है। उसके खिलाफ 17 सीएलए एक्ट भी लगा हुआ है। डेगलाल महतो के खिलाफ वर्ष 2004 में भी धारा 302 के तहत कांड संख्या 96/04 दर्ज किया गया था। एसपी ने बताया कि रविवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बोकारों जिले

सिर्फ उग्रवादियों को ही हथियार की आपूर्ति करते थे।

करवाई टीम में छतरपुर के अनमंडल पलिस पदाधिकारी के अलावा हरिहरगंज के थाना प्रभारी



के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत खरन गांव निवासी डेगलाल महतो पिता-बुधन महतो घर में रहकर किसी जघन्य अपराध को अंजाम देने के फिराक में है। तत्काल एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद के नेतत्व में एक छापेमारी टीम का गढन किया गया। छापेमारी टीम ने चतरोचट्टी पलिस के सहयोग से 20 वर्षों से फरार चल रहे अभियुक्त डेगलाल महतो को गिरफ्तार किया।

इंस्पेक्टर चंदन कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक लाल बहादुर हरिजन, सहायक अवर निरीक्षक संजय कुमार सिंह, मनोज दास सहित

गांजा कारोबारी के घर छापेमारी, ढाई किलो गांजा सहित दो लाख रुपए जब्त

एसडीपीओ ने बताया कि आरोपित पिता पुत्र धनेश्वर साह् और उसके बेटे घर से नशीला पदार्थ गांजा का अवैध कारोबार किया करते थे। इसकी सूचना जब एसपी को मिलाने के बाद एसपी ने एसडीपीओ और थाना प्रभारी को आरोपी पिता पुत्र के घर में छापेमारी का निर्देश दिया। बताया कि घर से ढाई किलो गांजा के साथ दो लाख नगद राशि जब्त किया गया। जब्त गांजे का बाजार

तीन पिकअप वैन पर लदे १६ पशु जब्त, तीन तस्कर धराए

PHOTON NEWS GIRIDIH:

तिसरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना

के आधार पर रविवार को थाना

इलाके के कलवा नदी के समीप

मादक पदार्थ के धन्देबाज धनेश्वर

साहू के घर पर छापेमारी कर बड़े

पैमाने पर मादक पदार्थ करीब ढाई

किलो गांजा और दो लाख नगद

राशि जब्त की है। छापेमारी की

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने

धनेश्वर साह और उसके बेटे को

गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान

एसडीपीओ नीरज सिंह समेत

पुलिस जवान भी कार्रवाई में

जिले के बगोदर थाना पुलिस ने रविवार को गोवंश लोड तीन पिकअप वैन को जब्त कर तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। जब्त वैन में करीब 16 गोवंश लोड थे। पूछताछ में तीनों तस्कर ने बताया कि सारे गोवंश उन्हें पश्चिम बंगाल के किसी कसाई खाना भेजने की तैयारी थी. जहां प्रतिबंधित मांस का कारोबार होता था। लेकिन बंगाल में कहा पहंचाना था, इसकी जानकारी तीनों पिकअप वैन के चालक को

बंगाल की सीमा में प्रवेश करने के बाद दिया जाता। लेकिन इसे पहले ही एसपी दीपक कुमार शर्मा को मिले गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ धनंजय राम और बगोदर थाना प्रभारी सुख सागर सिंह ने थाना इलाके के जीटी रोड स्थित औरां इलाके में छापेमारी कर गोवंश लोड गाड़ियों को जब्त किया। जब्त गोवंश को मधुबन गोशाला भेजा गया है। इनमें से कई बीमार गोवंश का पशु चिकित्सक द्वारा इलाज किया जा रहा है।

चार शातिरों को पुलिस ने दबोचा डकैती की घटना को अंजाम देने में थे शामिल

PHOTON NEWS GIRIDIH:

गिरिडीह जिले के ताराटांड़ थाना इलाके के नवादा गांव में पिछले दिन खस्सी कारोबारी हेमलाल मंडल के घर डकैती की घटना को अंजाम देने में शामिल चार शातिरों को गिरिडीह पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस घटना में शामिल कई अन्य अपराधी अब

घटना के बाद कारोबारी और गृह स्वामी हेमलाल मंडल की पत्नी सविता देवी ने थाना में मामला दर्ज कराया था। इसके बाद एसपी दीपक कुमार शर्मा के

रवानी के नेतृत्व में थाना प्रभारी मुकेश कुमार और पूरी टीम ने डकैती में शामिल एक पूर्व नक्सली और गांडेय थाना क्षेत्र के निवासी मिथलेश मंडल समेत चार अपराधियों को दबोचा है। इनमें ताराटांड़ थाना इलाके के चौरा गांव निवासी मुन्ना प्रसाद वर्मा, पांडेडीह निवासी सब्बीर अंसारी और गांधी नगर गांव निवासी किशोर साव शामिल हैं। इनके पास से एक लाख तीन हजार नकदी बरामद की है।

एसपी दीपक कुमार शर्मा ने

निर्देश पर एसडीपीओ बिनोद रविवार को बताया कि घटना को पूर्व नक्सली मिथलेश मंडल के नेतृत्व में अपराधियों ने अंजाम दिया था। प्लानिंग भी मिथलेश मंडल ने बनाई थी। मिथलेश मंडल के खिलाफ सुंदर पहाड़ी में दो और पीरटांड़ थाना में 17 सीएलए एक्ट समेत अन्य थानों में भी केस दर्ज हैं। मुन्ना प्रसाद वर्मा के खिलाफ भी गिरिडीह के अहिल्यापुर, गांडेय और बेंगाबाद में आपराधिक केस दर्ज हैं। किशोर साव के खिलाफ भी चाईबासा, गोलमुरी और सरिया में

अवैध गांजा बेचने वाला यवक गिरफ्तार

LOHARDAGA: सदर थाना पलिस ने अवैध गांजा बेचने वाले सौरभ साहू को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर रत्नेश मोहन ठाकुर ने रविवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा को गुप्त सूचना मिली थी कि शहरी क्षेत्र के बाजार समिति के निकट अवैध रूप से गांजा बेचा जा रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर एसपी हरीश बिन जमा ने गांजा बेचने वाले युवक की गिरफ्तारी के लिए सदर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर रत्नेश मोहन टाकुर के नेतृत्व में छापामारी दल का गढन किया। छापामारी दल द्वारा पान दुकान में छापेमारी कर गांजा विक्रेता सौरभ साहू को 1 किलो गांजा तथा 40 पीस गांजा भरा सिगरेट के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार युवक के विरुद्ध लोहरदगा थाना में एनडीपीएस के

धनबाद के पुराना बाजार में लगी आग, कई दुकानें जलकर राख

PHOTON NEWS DHANBAD: शहर के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र स्थित पुराना बाजार जामा मस्जिद के समीप रविवार की अहले सुबह आग लग गई। आग इतनी तेज थी की देखते ही देखते इसने कई दुकानों को जद में ले लिया। दुकानदारों और स्थानीय लोगों की सूचना पर जब तक अग्निशमन विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचती तब तक कई दुकानें राख हो गईं। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू



एयर जावेद आजम ने बताया कि इस अगलगी में करीब डेढ़ दर्जन दुकानें जलकर राख हो गई है। साथ ही रमजान का महीना चल रहा है, जिसकी वजह से दुकानों

किया गया था। वो भी जलकर नष्ट हो गए। दुकानदारों की माने तो इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। फिलहाल आग लगने के कारण पता नहीं चल सका है।

बेटिकट १६३ यात्रियों से वसूला एक लाख १८ हजार जुर्माना



डालटनगंज स्टेशन से नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन के बीच विभिन्न एक्सप्रेस ट्रेनों में बेटिकट यात्रियों को लेकर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 163 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करने के जुर्म में पकड़ा गया और उनसे 01 लाख 18 हजार 480 रुपये बतौर जुमार्ना वसूला गया।

सीआईटी बीएम पांडेय ने रविवार को बताया कि अहमदाबाद एक्सप्रेस, टाटा-जम्मूतवी, शक्तिपुंज, पलामू एक्सप्रेस गाड़ियों में वित्तीय वर्ष को बताया कि 2023-24 वित्तीय वर्ष में सीआईसी सेक्शन डालटनगंज स्क्वाड टीम ने टिकट चेकिंग में करोड़ों रुपये राजस्व की प्राप्ति कर

स्टाफ ने विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया। अभियान में 163 बेटिकट यात्रियों को अनाधिकृत रूप से यात्रा करने के जुर्म में पकड़ा गया। पकड़े गए यात्रियों से 01 लाख 18 हजार 480 रुपये बतौर जुमार्ना वसूला गया। रेलवे के अधिकारियों ने

रेलवे को सौंपा है।

रामगढ़ छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सरदार अनमोल सिंह भाजपा में शामिल

भाजपा के नीति और सिद्धांतों से प्रभावित होकर समर्थकों के साथ छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सरदार अनमोल सिंह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। रविवार को शहर के झंडा चौक स्थित गणक मैरिज हॉल में भाजपा के द्वारा कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता व संचालन वरिष्ठ भाजपा नेता रंजीत पांडेय ने किया।

समारोह के दौरान सरदार अनमोल सिंह के नेतृत्व में सुनील मालाकार, रतन कुमार, रविंद्र तिवारी, चंद्रहंस मित्तल, प्रसाद अग्रवाल, प्रदीप कुमार शर्मा, रवि



संतोष कुमार, सुरेन्द्र प्रसाद, कुनाल नायक, अभिषेक गुप्ता राजीव कुमार साह, संजीव कुमार, राजेश प्रसाद गुप्ता, लखेंदर पासवान, अमर दीप सिंह सैनी, पापिनदर सिंह सहित कई महिलाओं ने भी

प्रसाद, सुनील शाह, शंभू साह सदस्यता ग्रहण की।

समारोह में मुख्य रूप से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी मनीष जायसवाल, राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के चुनाव प्रभारी शशि भूषण भगत सहित अन्य मौजूद रहे।

खून की कमी को दूर करने के लिए आगे आये युवा वर्ग : मृत्युंजय कुमार

PHOTON NEWS KHUNTI:

खून की कमी से हर दिन कितने लोगों की जान चली जाती है। यदि हम सभी लोग खासकर यवा वर्ग रक्तदान के लिए आगे आये और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, तो हम हजारों लोगों को असमय काल कल्वित होने से बचा सकते हैं। उक्त बातें सीआरपीएफ 94 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी मृत्युंजय कुमार सिंह ने कही।

रिम्स प्रशासन द्वारा अस्पताल में

रक्तदान का उद्देश लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ कें अधिकारी और जमवान वैसे भी स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, सीआरपीएफ के स्थापना दिवस सहित अन्य मौकों पर रक्दान करते रहे हैं। सीआरपीएफ के अधिकारी ने कहा कि एक अप्रैल सोमवार को सीआरपीएफ का स्थापना दिवस है। उस दिन सदर अस्पताल खुंटी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में आकर रक्तदान करें। उन्होंने

कहा कि खूंटी जिले में थैलेसिमिया

रोगियों की संख्या काफी है। इसके

लिए सदर अस्पताल में हर समय खन

की जरूरत पड़ती है

खून की कमी को देखते हुए सीआरपीएफ सहित अन्य संगठनों से स्वैच्छिक रक्तदान की अपील पर सीआरपीएफ के इस अधिकारी ने रविवार को हटिया में आयोजित शिविर में रक्तदान किया। द्वितीय कमन अधिकारी ने कहा कि उनके

से पाठ पढ़े थे। बिशप विनय कंडुलना ने

ईस्टर मृत्यु पर विजय और आशा का त्योहार : बिशप विनय कंडुलना

PHOTON NEWS KHUNTI:

प्रभु यीशु मसीह की मृत्यु के उपरांत उनके जी उठने की खुशी में रविवार सुबह आरसी चर्च में मसीही समुदायों द्वारा ईस्टर पर्व श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। बिशप विनय कंडुलना ने चर्च में विशेष मिस्सा अनुष्ठान कराया। मौके पर बिशप ने अपना संदेश सुनाया, जिसका सार था पुनरुत्थान हमारे विश्वास और जीवन का आधार है। इसी से हमें आशा और शक्ति मिलती है। उन्होंने कहा



कि ईस्टर मृत्यु पर विजय और आशा का त्योहार है। यह पर्व लोगों के लिए खुशियां लाता है। लोगों में प्रभु यीशु मसीह के प्रति विश्वास पैदा करता है। उन्होंने कहा कि

ईश्वर ने हम लोगों की रक्षा के लिए प्रभु यीशु मसीह को इस धरती पर भेजा। इससे पूर्व शनिवार की रात आरसी चर्च परिसर के मैदान में सैकड़ों विश्वासी पास्का जागरण

धर्म विधि के साक्षी बने। यह धर्म विधि ईस्टर (यीशु के पुनरूत्थान) को लेकर की जाती है। मुख्य अनुष्ठाता खूंटी धर्म प्रांत के बिशप विनय कंडुलना थे, उनका सहयोग फादर विशु बेंजामिन आईंद और फादर अमृत लकड़ा कर रहे थे। इस दौरान सबसे पहले आग एवं पास्का मोमबत्ती की आशीष की गई। पास्का मोमबत्ती से मैदान में मौजूद विश्वासियों ने अपनी मोमबत्तियों को जलाया। मौके पर नए एवं पुराने व्यवस्थान

पास्का जागरण का महत्व बताया। इधर छोटानागपुर डायसिस अंतर्गत उत्तर भारत की कलीसिया सीएनआई चर्च, संत अंद्रियास उपासना तपकारा पेरिश में पवित्र पुनरुत्थान पर्व हर्सोल्लास के साथ संपन्न हुआ पुरोहित रेव्ह मनु महेश हांसदा, तपकारा पेरिश केन्द्र के प्रचारक जोन तोपनो एवं विभिन्न मण्डियों से उपस्थित प्रचारकों ने सामूहिक आराधना में शामिल हुए।

में शिव शिष्य परिवार की शिव गुरू संगोष्टी आयोजित, मुख्य वक्ता दीदी बरखा आनंद ने कहा-

शिव केवल नाम के नहीं, अपितु काम के गुरु

PHOTON NEWS KODERMA:

शिव शिष्य परिवार ने रविवार को शिव वाटिका हॉल झुमरीतिलैया में शिव गुरु संगोष्ठी आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता दीदी बरखा आनंद ने कहा कि शिव केवल नाम के नहीं, अपितु काम के गुरु हैं। शिव के औघर दानी स्वरूप से धन-धान, संतान, संपदा आदि प्राप्त करने का व्यापक प्रचलन है, तो उनके गुरु स्वरूप से ज्ञान भी क्यों नहीं प्राप्त किया जाए।

बरखा आनंद ने कहा कि शिव जगत गुरु हैं। इसलिए हर व्यक्ति चाहे वह किसी धर्म,



जाति, संप्रदाय, लिंग का हो शिव को अपना गुरु बना सकता है। शिव का शिष्य होने के लिए किसी पारंपरिक औपचारिकता या दीक्षा की आवश्यकता नहीं है। केवल यह विचार कि शिव मेरे गुरु हैं, शिव की शिष्यता की

स्वामित्व शुरूआत करता है। इसी विचार का अस्थाई होना हमको आपको शिव का शिष्य

अर्चित आनंद ने कहा कि शिव का शिष्य होने में मात्र तीन सूत्र ही सहायक हैं। पहला सूत्र



अपने गुरु शिव से मन ही मन यह कहें कि ऐसी आप मेरे गुरु हैं और मैं आपका शिष्य हूं। मुझ शिष्य पर दया कर दीजिए। दूसरा सृत्र सबको सुनाना और समझना कि शिव गुरु हैं। तीसरा सूत्र गुरु शिव को मन ही मन प्रणाम

करना है। इन तीन सूत्रों के अलावा किसी भी अंधविश्वास का कोई स्थान बिल्कुल नहीं है। कार्यक्रम में वक्ता दिनेश कुमार ने संगोष्ठी का उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। अन्य लोगों ने भी विचार रखे।

मस्जिद जाफरिया से निकला हजरत अली की शहादत की याद में जुलूस

PHOTON NEWS RANCHI:

मस्जिदं जाफरिया परिसर से निकाला गया हजरत अली की शहादत कि याद में मातमी जुलूस। हजरत अली की शहादत के याद में तीन दिवसीय मजलिस के अंतिम दिन आज रात्रि 9:00 मस्जिद जाफरिया से अलम और ताबूत निकाल गया। जिसमें लोग अपने सीने को पीट रहे थे और रो रो कर हजरत अली को याद कर रहे थे। हजरत अली की शहादत 1400 वर्ष पूर्व रमजान की 21 तारीख को मस्जिदे कुफा में हुई थी। उसी याद में पूरी दुनिया के शिया मुसलमान हजरत अली को याद करते हैं, और उनकी शहादत को अंजाम देने वाले इब्ने मुलजिम पर लानत करते हैं। जुलूस से पूर्व मजलिस को हाजी मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने संबोधित करते हुए हजरत अली के जीवनी

को अपने परिवार को चलाने के लिए मेहनत से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। यह हजरत अली का संदेश है। हजरत अली इतने बड़े इंसान होने के बाद यहूदी के बाग मैं मैं मजदूरी करने से कभी पीछे नहीं हटे और उन्होंने फरमाया कि तुम्हारा दोस्त वही है जो तुम्हारी गलत बातों को तुम्हारे मुंह पर कह दे। जो तुम्हारी बुराइयां पीठ पीछे करता है वह तुम्हारा कभी सच्चा दोस्त नहीं हो सकता। ऐसे दोस्तों से हमें दूरी बनाकर रखना चाहिए। दोस्त अगर अच्छा होता है तो इसकी अजमत लोगों के बीच बढ़ जाती है। इंसान को दोस्ती हमेशा अच्छे लोगों से करनी चाहिए। हजरत अली का जीवन समाज को शिक्षित करने में गुजर और भाईचारगी को बढ़ावा देना एक सच्चे इंसान की पहचान है।

पर प्रकाश डालते हुए कहा के इंसान















अल्लेलूया के नारों से गूंजा लोयोला मैदान

इस अवसर पर आर्चिबशप विंसेंट

आइंद ने अपने प्रवचन में कहा कि

पास्का पर्व के पहले हमने 40 दिनों

तक (जिसे लेंट पर्व के रूप में मनाया

जाता है) खुद को तैयार किया। वहीं

चार दिनों का पवित्र सप्ताह ईसाई

समुदाय के लिए विशेष दिन रहा,

जिसमें हमने हमारे मुक्ति के रहस्यों में

भाग लिया और उस पर मनन चिंतन

किया। पवित्र शुक्रवार (गुड फ्राइडे)

के दिन हमने प्रभु के दुखभोग और

मृत्यु पर मनन चिंतन कर उनके दुखों

को समझने का प्रयास किया। अभी

का समय हमारे लिए प्रभु के

10 लाख लेवी नहीं मिलने पर क्रशर में की थी

आगजनी, घटना में शामिल उग्रवादी गिरफ्तार

अभी का समय प्रभु के पुनरुत्थान पर

विचार करने का क्षण : आर्चबिशप विंसेंट

है। आर्चिबशप विंसेंट ने कहा कि प्रभ

हमारे लिए मर गये, हमारे मुक्ति के

लिए अपने प्राण क्रूस पर न्यौछावर

उनके पुनरुत्थान की घोषणा करते हैं,

करते हैं, तो हमें यह बात समझने की

आवश्कता है कि मृत्यु और अंधकार

सिर्फ थोड़े समय के लिए होता है।

अंत में जीवन और सच्चाई की ही

जीत होती है और यह तथ्य प्रभु के

जीवन से साबित होती है। अंत में

पास्का महोत्सव की बधाई और

आर्चिबशप विंसेंट आइंद ने सभी को

कर दिया। लेकिन जब आज हम

उनके मृत्यु से जी उढने का प्रचार

O BRIEF NEWS सलीमा टेटे को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाडी का अवॉर्ड



RANCHI: हॉकी इंडिया के छठे वार्षिक पुरस्कार २०२३ का आयोजन रविवार को दिल्ली में किया गया। जिसमें झारखंड की सलीमा टेटे को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सलीमा को हॉकी इंडिया कि ओर से 25 लाख का चेक दिया गया। वहीं पुरूषों में हार्दिक सिंह को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाडी.के रूप में सम्मानित किया गया। इस वर्ष हॉकी इंडिया की ओर से आठ श्रेणियों कूल 32 खिलाड़ियों को वार्षिक पुरस्कारों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। जिनके बीच कुल 7 156 करोड़ की राशि दी गई। सलीमा टेटे के अलावा झारखंड की दीपिका सोरेंग को अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (अंडर–21 महिला) के लिए असंता लकडा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जिसके तहत हॉकी इंडिया की ओर से 10 लाख रुपए का चेक दिया गया।

आरपीएफ ने यात्री को एप्पल आई पैड लौटाया

RANCHI: रांची रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री को एप्पल आई पैड लौटाया। रविवार को आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 20840 नई दिल्ली रांची राजधानी एक्सप्रेस में यात्रा करके कोडरमा स्टेशन पर उत्तरे यात्री अमित अंबस्ट ने रेल मदद पर अपने एप्पल कंपनी के आई पैड मूल्य करीब २७ हजार रुपये के छूट जाने के सम्बंध में शिकायत दर्ज कराया। इसपर त्वरित कारवाई करते हुए आरपीएफ रांची ने आई पैड को ढूंढ निकाला और यात्री को आई पैड सौंपा।

नक्सली हिंसा में शहीद एसपी के बेटे की पढाई के लिए राशि आवंटित

RANCHI: नक्सली हिंसा में शहीद हुए एसपी अमरजीत बलिहार के बेटे जैकब बलिहार की पढ़ाई के लिए 1।५६ लाख रुपए की राशि आवंटित की गयी है। गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने यह राशि अलॉट किया है। बता दें कि दो जुलाई 2013 को एसपी अमरजीत बलिहार दुमका में डीआईजी की बैठक में शामिल होकर पाकुड लौट रहे थे। इसी बीच काठीकुंड थाना के जमनी मोड़ के समीप जैसे ही उनकी गाड़ी पहुंची, नक्सिलयों ने ताबडतोड फायरिंग शुरु कर दी थी। इस गोलीबारी में एसपी सहित अंगरक्षक चंदन थापा, वीरेंद्र श्रीवास्तव, मनोज हेम्ब्रम, राजीव कुमार शर्मा, संतोष मंडल शहीद हो गये थे।

जेपीएससी घेराव स्थगित नहीं मिली अनुमति

RANCHI: जेपीएससी कार्यालय घेराव को स्थगित कर दिया गया है। 1 अप्रैल को अभ्यर्थियों ने जेपीएससी कार्यालय घेरने का एलान किया था। रांची अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय ने घेराव करने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। उपरोक्त बातें झारखंड यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष इमाम सफी ने प्रेस वार्ता कर बताया। उन्होंने आगे कहा कि हमलोगों ने आवेदन में लिख कर दिया था कि किसी भी राजनीतिक पार्टी का इसमें किसी प्रकार का कोई दखल नहीं है और किसी को आने भी नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद भी अनुमति नहीं मिली। इससे आगे कहा कि हमारे मौलिक अधिकारों का हनन किया गया है। देश की राजधानी दिल्ली में राजनीतिक पार्टियों की रैली और जनसभा हो रही है। वहीं हमलोगों को अपने अधिकार की बात रखने के लिए अनुमति नहीं दी गयी।

178.26 करोड़ की लागत से बनेगा बंता-राहे-बुंडू रोड

RANCHI: झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकार जल्द ही रांची से सटे ग्रामीण इलाके बंता-राहे-बुंडू रोड को दो लेन करने का काम प्रारंभ करेगा। सरकार से इसके निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है। चुनाव के बाद इसका टेंडर जारी होगा। 30 140 किमी लंबे इसे रोड के चौड़ीकरण-मजबूतीकरण भू-अर्जन सहित अन्य कार्य १७८ वरोड़ की लागत से करने की स्वीकृति दी गयी है। हालांकि, इस रोड के बनने से बड़े पैमाने पर वृक्षों की कटाई भी होगी। बता दें कि यह पथ सिल्ली- बंता-हजाम-टीकर-रंगामाटी पथ एमडीआर-25 के सातवें किमी बंता से प्रारंभ होकर जमशेदपुर-रांची मार्ग एनएच 33 पर बुंडू बाजार में समाप्त होती है।













सभी गिरजाघरों में मना प्रभु यीशु के जी उटने का पर्व ईस्टर, हुई विशेष प्रार्थना

मसीही विश्वासियों ने अपने पूर्वजों के कब्र को फूलों से सजाया, मोमबत्तियां जलाईं

थे। उन्होंने कहा कि पुनरुत्थान पर्व

विश्वासी का यह प्रमाण है कि यीशु

जीवित है। यीशु ने मृत्यु पर विजय

पायी है। हम सभी विश्वासियों को

लोभ, लालच, निंनद जैसी संसारिक

चीजों से विजय प्राप्त करना है। यही

CRIME REPORTER RANCHI:

दस लाख रुपये की लेवी नहीं देने

पर कृष्णा यादव ने एक मार्च को

पिठोरिया के सांगा में क्रशर में

आगजनी की घटना को अंजाम

दिया था। इस घटना में शामिल

पीएलएफआई के सिक्रय उग्रवादी

सुरज महतो उर्फ सुरज गोप को

पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके

पास से एक पिस्टल दो लोडेड

मैगजीन, 10 गोलियां, दो मोबाइल

फोन, 10 उग्रवादी पर्चा, एक बैग,

वाहन रजिस्ट्रेशन कार्ड, पैन कार्ड

और आधार कार्ड बरामद हुआ है।

सूरज के अन्य तीन सहयोगी रात

तथा जंगली क्षेत्र होने का लाभ

उठाकर भाग गये। एसएसपी चंदन

कमार सिन्हा ने रविवार को

संवाददाता सम्मेलन में बताया कि

रंगदारी के लिए क्रशर में आगजनी

मामले का खलासा करते हुए एक

पीएलएफआई उग्रवादी को

गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने

बताया कि पिठोरिया थाना क्षेत्र में

पीएलएफआई उग्रवादियों के जरिये

घटना को अंजाम दिये जाने की

सूचना प्राप्त हुई। ग्रामीण एसपी के

नेतृत्व में क्युआरटी टीम को

शामिल करते हुए पिठोरिया थाना

के मुरैठा से उग्रवादी सूरज महतो

उर्फ सूरज गोप को गिरफ्तार किया

गया। वह रातु थाना चिलदाग का

खीस्तीय जीवन है।

सबसे बड़ा पर्व है। यीशु खीस्त

राख बुध (लेंट पर्व) से शुरू हुई चालीस दिनों की प्रार्थना व उपवास के पुनरुत्थान का सफर पास्का पर्व (ईस्टर संडे) के साथ संपन्न हुआ। सभी गिरजाघरों में पास्का पर्व (ईस्टर संडे) पर प्रभु यीशु के जी उठने का पर्व मनाया गया। इस पर्व पर हजारों की संख्या में विश्वासियों ने अपने पूर्वजों के कब्र को फुलों से सजाया और मोमबत्तियां जलायी। रांची कांटाटोली स्थित कब्रिस्तान और सिरमटोली स्थित जीइएल चर्च कब्रिस्तान में अहले सुबह पनरुत्थान पर्व पर विशेष आराधना की गयी। अहले सुबह चार बजे जीइएल चर्च विश्वासी कलीसिया प्रोसेशन (धार्मिक जुलूस) के साथ कब्रिस्तान पहुंची। धार्मिक जुलूस के मुख्य उपदेशक मोडरेटर जोहन डांग और संचालक बिशप सिमांत तिर्की थे।

यीशु का जी उठना निश्चित था : जोहन डांग ने अपने संदेश में कहा कि यीशु का जी उठना निश्चित था। बाइबल के अनुसार, क्रूस पर यीशु की मृत्यु के बाद जब यीशु का शरीर कब्र में था। यीशु के कब्र के पास मरिया मगदलिनी, चेलो पेतरूश और मगदलिनी ने क्रब का पत्थर खुला देखा। एक जोर की आवाज आयी, जो

CRIME REPORTER RANCHI:

🖠 फेक अकाउंट

साइबर अपराधियों के जरिये राज्य के

बनाकर लोगों से पैसों की मांग की जा

रही है। रांची उपायक्त राहल कमार

सिन्हा के नाम से व्हाट्सएप्प पर फेक

अकाउंट बनाने के बाद साइबर

अपराधियों ने उपायक्त लातेहार गरिमा

सिंह के नाम से भी फेक अकाउंट

कब्र में जलती मोमबत्तियां।

लोभ, लालच, निनद जैसी संसारिक चीजों से विजय प्राप्त करना, यही खीस्तीय जीवन : उपदेशक फादर

एनडब्लू जीइएल चर्च के अनुयायी रात ढाई बजे स्मारक पत्थर से प्रोसेशन (धार्मिक जुलूस) के साथ विश्वासी कलीसिया कब्र तक गये। इसके मुख्य संचालन रेव्ह यीशू नासरी मिंज और मुख्य उपदेशक आर्चबिशप राजीव सतीश टोप्पो थे। वहीं बहुबाजार स्थित संत पॉल चर्च के विश्वासी कलीसिया

स्वर्गदुते की थी। जीवितों को मरे हुए क्यों ढूंढते हो। वह जी उठा है। जैसा लिखा है देखो यीशु मेरा

बनाया है। साइबर अपराधी मोबाइल

नंबर 7874086569 से व्हाट्सएप्प

पर फेक अकाउंट बनाकर लोगों को

राहुल कुमार सिन्हा ने आमजनों से

अपील की है कि सोशल मीडिया पर

उनके नाम पर किसी तरह का मैसेज

आने और पैसों की मांग करने पर

ट्रांजैक्शन ना करें और तुरंत रिपोर्ट

आईएएस अधिकारियों के नाम से

फेक अकाउंट बना रहे साइबर टग

प्रोसेशन कर कब्रिस्तान तक गये और अपने पूर्वजों के कब्र पर मोमबत्तियां जलायी। मौके पर मुख्य संदेशशमूएल भुईया ने कलीसियां को दिया। रांची के संत मरिया गिरजाघर में प्रातः छह बजे ईस्टर की पहली मिस्सा की गयी। यीशु के जी उढने के पर्व का पहला उपदेशक फादर विपिन टोपनो

उद्धाकर्ता ठहरा हैं, मैं ना मरूंगा वरन जीवित रहुंगा। उन्होंने कहा

ने बनाया है। हम उस में आनंदित हो। निश्चय यीशु ने मृत्यु पर विजय कि आज वह दिन है, जो यहोवा

चांद, तो ११ को मनेगी ईद

को ईद का त्योहार मनाया जायेगा।

गसा। अंजुमन इस्लामिया की ओर से

मैसेज कर पैसों की मांग कर रहे हैं। के नजर आने की संभावना है। अगर इस साइबर अपराधियों के जरिये अलग-दिन चांद्र नजर आ जाता है. तो 11 अप्रैल अलग परिस्थिति का हवाला देकर पैसों की मांग की जा रही है। उपायुक्त रविवार की शाम से तीसरा अशरा शरू हो

रांची ईदगाह हरम् रोड में नमाज अदा की जायेगी। अंजुमन इस्लामिया के महासचिव डॉ तारिक हुसैन ने कहा कि यहां होनेवाले सभी कार्यों की सूची तैयार कर संबंधित लोगों को इसकी जिम्मेदारी दे दी गयी है।

१० अप्रैल को नजर आएगा

RANCHI : ईदगाहों और मस्जिदों में ईद की नमाज को लेकर तैयारी शुरू कर दी गयी है। ईद में अब 10 दिनों का ही वक्त बच गया है। ऐसे में तैयारी के लिए काफी कम वक्त मिल रहा है। १० अप्रैल को चांद

रांची पहाड़ी मंदिर में 40 फीट का झंडा लगा नाग देवता से की गई खुशहाली की प्रार्थना

PHOTON NEWS RANCHI:

केंद्रीय सरना समिति के तत्वावधान में रविवार को हजारों सरना धर्मावलंबी रांची के पहाड़ी मंदिर में विशाल सरना झंडा गढ़ी सह प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि संस्कृति धरोहर और धार्मिक स्थानों की संरक्षण जरुरी है, अपनी संस्कृति को जीवीत रखने के लिए सभी आदिवासियों को आगे आने की जरूरत है अपने धर्म के प्रति निर्वाह्य अवश्य करें। उन्होंने बताया कि आजादी की लड़ाई के समय अंग्रेजों के द्वारा रखी इस टोगरी में स्वतंत्रता सेनानीयों को फांस दिया जाता था। इसलिए इस



स्थान को फाँसी टोगरी के नाम से प्रचलित हुआ उसमें कई वर्ष पर्व पुरखों इस स्थान पर पुरानी राँची गौजा के इई धार्मिक अनुशान सम्पन्न करते आ रहे हैं, तथा पहाडी मंदिर की भव्यता से पहने बुधुवा पहान प्रत्येक वर्ष नागपंचमी में नाग देवता की पूजा करते थे। बुजुर्गों का कथन है कि जब तक बुधुवा महान

वहाँ पूजा करते थे तब तक कोई भी वहाँ पुजा करने नहीं जाते थे। समय के साथ फांसी टोंगरी का इतिहास

बदल कर पहाड़ी मंदिर में परिवर्तित हो गया। सरना समाज के धार्मि चेतना जागते हुए पिछले 5 वर्ष से पहाड़ी टोला निवासी अजय तिकी जो वर्तमान समय में केन्द्रीय सरना

सूरज के तीन सहयोगी रात व जंगली क्षेत्र होने का लाभ उठाकर हुए फरार • एक पिस्टल, दो लोडेड मैगजीन, 10 गोलियां, दो मोबाइल फोन, 10 उग्रवादी पर्चा सहित कई सामान बरामद

रांची के लोयोला मैदान में ईसाइयों

के मुख्य त्योहारों में से एक पास्का

पर्व (ईस्टर संडे) हर्षोल्लास के

साथ मनाया गया। महाधर्माध्यक्ष

विंसेंट ने पास्का रात्रि जागरण

धर्मविधि संपन्न किया। कैथोलिक

कलीसिया के हजारों विश्वासी

पास्का रात्रि जागरण धर्मविधि में

शामिल हुए। पास्का मोमबत्ती से

परा लोयोला मैदान जगमग हो उठा

और अल्लेलूया के नारों से गूंज

उठा। इस पास्का रात्रि जागरण के

अवसर पर रांची आर्चिबशप

विंसेंट आइंद के अलावा फादर

आनंद डेविड खलखो, फादर

अजय कुमार खलखो, फादर

अंजलस एक्का, फादर विनय

केरकेट्टा, फादर जॉर्ज मिंज, फादर

बिपिन तोपनो, फादर रेजीनाल्ड,

करीब 60 परोहितगण और हजारों

पवित्र आग से जलायी गयी

पास्का मोमबत्ती : रांची

आर्चिबशप विंसेंट आइंद ने पास्का

रात्रि जागरण धर्मविधि संपन्न

किया। पवित्र समारोह का आरंभ

आग की अशीष से शुरू हुआ।

उस पवित्र आग से पास्का

खीस्त विश्वासी मौजूद रहे।

• साल २०१९ से पीएलएफआई संगठन का सक्रिय सदस्य रहा



नशा कारोबार के खिलाफ रांची पुलिस की बडी कार्रवार्ड

ट्रक से साढ़े चार करोड़ का डोडा और भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद, पांच गिरफ्तार

RANCHI: लोकसभा चनाव को लेकर रांची पलिस के द्वारा मादक पदार्थ और अवैध हथियार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान रविवार को एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने जहां एक तरफ तमाड़ में कंटेनर ट्रक में लोड करीब साढ़े करोड़ रुपए का डोडा बरामद किया है, वहीं दूसरी तरफ सदर थाना क्षेत्र में 450 बोतल अवैध शराब बरामद किया है। नकली शराब बिहार भेजने योजना थी। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। रांची के एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी एक ट्रक में लोड कर भारी मात्रा में डोडा यूपी ले जाया जा रहा है। उन्होंने एसडीपीओ बुंडु के नेतृत्व में एक टीम गठित की। पुलिस टीम ने



तमाड़ के पास ट्रक को पकड़ा। ट्रक में कुल 172 बोरा डोडा लोड था। जिसकी कीमत साढ़े चार करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले में ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया है।

रहने वाला है। गिरफ्तार उग्रवादी ने पूछताछ में मुरैठा में आपराधिक सहयोगियों में कष्णा यादव उर्फ सुल्तान, रंजन महतो उर्फ रंजन

गोप, बब्लू गंझु के उपस्थित रहने की बात बतायी। उसने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि वह प्रतिबंधित

संगठन पीएलएफआई का सक्रिय

सदस्य है। वह एरिया कमांडर कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान के नेतत्व में उग्रवादी घटनाओं में

सीएम चम्पाई सोरेन को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की नसीहत, कहा

परीक्षा में घांधली पर करें करवाई, छात्रों की चिंता करें

PHOTON NEWS RANCHI:

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी ने सीएम चंपाई सोरेन को लेकर चिंता जाहिर की है। सोशल मीडिया के जरिए अपनी बात रखते उन्हें इंडी गठबंधन और सोरेन परिवार (पूर्व सीएम हेमंत सोरेन) के हाथों कठपुतली बनने से बचने को कहा है। कहा है कि इंडी ठगबंधन की रैली लोकतंत्र बचाने की नहीं, बल्कि परिवारवाद, भ्रष्ट तंत्र और भ्रष्टाचारियों को बचाने की मुहिम है। अफसोस है कि आप भी पारिवारिक अंदरूनी महाभारत के परिस्थितिवश सोरेन परिवार की अनुकंपा पर मजबूरी में मुख्यमंत्री बनाये गये हैं। इसके बाद से इनके हाथों की कठपुतली बने हुए हैं। दिल्ली में स्वांग रचने से बेहतर होता कि आप झारखंड के छात्रों की



समस्या का निदान करते। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली करने वाले लोगों के साथ सख्ती बरतते, उन्हें जेल भेजते, राज्य के मरणासन्न कानून व्यवस्था की समीक्षा कर उसे सुदृढ़ करते लेकिन आपने भी हेमंत सोरेन के नक्शेकदम पर चलने की कसम खा रखी है। यदि आपने क्रियाकलापों में सुधार नहीं किया और उसी राह पर चलते रहे तो वो दिन दूर नहीं जब आपको भी होटवार जाना पड़ सकता है।

कल्पना पर साधा निशाना, रैली में शामिल होने पर खड़े किए सवाल

बाबुलाल ने हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन को लेकर भी हमला बोला है। कहा है कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के शराब नीति घोटाले के केस में गिरफ्तार किया गया है। एक जमाना था, जब अरविंद केजरीवाल जो इन्हीं भ्रष्टाचारियों को चुन-चुन कर जेल भेजने की बात करते थे, और आज का दौर यह है कि अरविंद खुद उनकी जमात में शामिल हो गए हैं, और आज वही लोग जिन्हें अरविंद केजरीवाल चिल्ला चिल्ला कर भ्रष्टाचारी बोलते थे, वे रामलीला मैदान में अरविंद के लिए

विधवा विलाप करने के लिए जमा हो रहे हैं। सोरेन परिवार भी उनके समर्थन में खड़ा है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और शिबु सोरेन की बहू, कल्पना सोरेन भी उनके पक्ष में घड़ियाली आंसू बहाने रामलीला पहुंची। यहां पर एक रोचक तथ्य सामने आता है कि जिस सोरेन राज ने अपने कार्यकाल में भ्रष्टाचार के एक से बढ़कर एक नए आयाम स्थापित किए थे, अब खुद को दूसरों के भ्रष्टाचार के आरोपों के खिलाफ आवाज उठाते हुए देखे जा रहे हैं। यानी कि चोर चोर मौसेरा भाई।

आलोक हत्याकांड का खुलासा, तीन अरेस्ट

RANCHI: राजधानी की सदर थाना पुलिस ने आलोक कुमार उर्फ कान्हा हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में सुंदर हेंब्रम उर्फ एसटी, अमन कुमार पासवान और अनिल ओहदार शामिल हैं। इनकी निशानदेही पर हत्या करने में प्रयुक्त पत्थर, मृतक का एक मोबाइल, अपराधियों का तीन मोबाइल और एफएसएल टीम के जरिये जब्त किया गया सामान बरामद किया गया है। डीएसपी अमर कुमार पांडेय ने रविवार को बताया कि 28 मार्च को रांची नर्सिंग होम के पीछे से पुलिस ने आलोक कुमार उर्फ कान्हा का शव बरामद किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गढन किया गया। अनुसंधान के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ में बताया कि पूर्व में हुई मारपीट और शराब पीने के दौरान पैसे के लेन–देन के विवाद में हुई थी।

फिर बदलेगा झारखंड का मौसम तेज हवाओं के साथ होगी बारिश

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड का मौसम फिर करवट लेने वाला है। सुबह से तेज धूप थी, जिसकी वजह से लोगों को गर्मी का एहसास हो रहा था। लेकिन, रविवार को कुछ जगहों पर गरज के साथ हल्के दर्जे की बारिश हुई। वज्रपात भी हो सकता है। मौसम विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि पूर्वी बिहार से लेकर बंगाल की खाड़ी में एक ट्रफ बना हुआ है, जो झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर गुजर रहा है। इसके असर से झारखंड में सोमवार को भी तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है। शनिवार की देर रात को हुई

बारिश के बाद बोकारो को छोड़कर अधिकतर जिलों में अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट आई है। पिछले 24 घंटे की बात करें, तो राजधानी रांची के उच्चतम तापमान में 0.3 डिग्री सेंटीग्रेड की गिरावट आई है। जमशेदपुर और डालटेनगंज के उच्चतम तापमान में क्रमशः 0.5 और 0.6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, इन सभी जिलों में न्यूनतम तापमान में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है। रांची के मौसम की बात करें, तो यहां का न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। जमशेदपुर के न्यूनतम तापमान में 3.8 डिग्री, डालटेनगंज का 0.8 डिग्री, बोकारो का 4.6 डिग्री और चाईबासा का 2.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है।

O BRIEF NEWS

झारखंड स्टेट योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप सात को JAMSHEDPUR : वर्ल्ड फिटनेस फेडरेशन ऑफ योगासन स्पोर्ट्स इंडिया, झारखंड चैप्टर द्वारा ७ अप्रैल को बिष्टुपुर रिथत मिलानी हॉल में एक दिवसीय झारखंड स्टेट योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में वर्ल्ड फिटनेस फेडरेशन ऑफ योगासन स्पोर्ट्स इंडिया के अध्यक्ष सह सरकार योगा एकेडमी के संस्थापक योगगुरु अंशू सरकार ने बताया कि दिन भर चलने वाली उक्त प्रतियोगिता में कई इवेंट होंगे। सभी प्रतियोगिता अलग-अलग आयु वर्ग की श्रेणी (कुल 12) में होंगे, जिसमें बालक-बालिका व महिला-पुरुष भाग ले सकेंगे। सभी प्रतिभागियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है।

लोस चुनाव : जनता को घोषणा पत्र में किए जा रहे वादे का ब्लू प्रिंट भी बताएं JAMSHEDPUR : मानवाधिकार संगठन (जेएचआरसी) ने रविवार को साकची में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने कहा कि राजनीतिक दल एवं उम्मीदवार द्वारा हर चुनाव से पूर्व घोषणा पत्र जारी किया जाता है, जिसमें जनता से अनिगनत झूटे वादे किए जाते हैं, जिसका कोई ब्लू प्रिंट तक नहीं होता। वादे को पूरा करने के लिए फंड कहां से आएगा, उसे जमीन पर कैसे उतारा जाएगा, उस योजना का लाभ

हिंदू नववर्ष यात्रा आठ को बमार्माइंस से साकची तक

किस वर्ग को कैसे मिलेगा, इन सबकी

स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती है। उन्होंने

कहा कि बिना ब्लू प्रिंट के झूटे घोषणा पत्र

जारी करने वाले दल एवं नेता पर चुनाव

अयोग को कार्रवाई करनी चाहिए।

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर : वैत्र शुक्ल प्रतिपदा की पूर्व संध्या पर 8 अप्रैल को बमार्माइंस के डनलप मैदान से साकची स्थित सुभाष मैदान त हिंदू नववर्ष यात्रा निकलेगी। इसकी तैयारी बैठक रविवार को प्रेमनगर छठ घाट के प्रांगण में हुई। इसमें हिंदू जनजागरण मंच, जमशेदपुर के संयोजक अमित शर्मा ने बताया कि इस वर्ष यात्रा में तारापुर शक्तिपीठ की मां तारा की 21 फीट की प्रतिछवि आकर्षण का केंद्र रहेगी। बैठक में पप्पू राव, राकेश कंसारी, अमित राम, अमित सिंह, हरिनारायण राय, दुर्गा राव, बबलू सिंह सहित बस्ती निवासी उपस्थित थे। ज्ञात हो कि यह यात्रा २०१८ से निकल रही है।

हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर कदमा से निकलेगी शोभायात्रा

JAMSHEDPUR : हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर ८ अप्रैल को कदमा से शोभायात्रा निकलेगी। कदमा स्थित मंगल सिंह क्लब में रविवार को प्रेस वार्ता में हिंद एकता समिति के संरक्षक नीरज सिंह ने बताया कि यह यात्रा कदमा गणेश पूजा मैदान से दोपहर 2 बजे निकलेगी और साकची आमबगान मैदान पहुंच कर संपन्न होगी। अनुशासित अखाड़ा समितियों को सम्मानित करेंगी केंद्रीय अखाड़ा समिति

JAMSHEDPUR : केंद्रीय अखाडा समिति के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को हुई, जिसमें जमशेदपुर की अखाड़ा समितियों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें निम्नलिखित सुझाव पारित किए गए, जिसमें सबसे पहले कहा गया कि इस बार सबसे अनशासित अखाडा समितियों सम्मानित किया जाएगा। पांच अन्य अखाड़ा समिति को सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा। जिस अखाड़ा सिमतिय की कोई भी समस्या होगी, उसके निवारण के लिए पहल की जाएगी। जो भी कमजोर अखाड़ा समिति हैं, उन्हें हर तरह का सहयोग करते हुए उनके पूजा और अखाड़ा को सफल बनाया जाएगा। गीत-संगीत के साथ मनी सौरव की स्वर्ण जयंती

JAMSHEDPUR : शहर की सांस्कृतिक संस्था सौरव की स्वर्ण जयंती कॉलेज रोड, प्रमथनगर स्थित सौरव भवन में मनी, जिसमें संस्था के संस्था के प्रशिक्ष कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि शेखर दे ने किया। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के के अध्यक्ष सुजीत मुखर्जी व सचिव असीम मोइत्रा के सभी सदस्य सक्रिय रहे।

शिक्षिका विद्योत्तमा को भावभीनी विदाई



JAMSHEDPUR : बिरसानगर के जोन-८ स्थित प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका विद्योतमा कुमारी को भावभीनी विदाई दी गई। शनिवार को विद्यालय में हुए विदाई समारोह में उनकी 42 वर्ष की सेवा निष्ठा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ पूर्वी सिंहभूम के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, जमशेदपुर अध्यक्ष राजेंद्र कुमार कर्ण, संघ के वरीय सदस्य रामाकांत शुक्ला एवं शिक्षक-शिक्षिका, बच्चे, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

जमशेदपुर में बैडमिंटन खिलाड़ी हत्याकांड का खुलासा, दो धराए

आरोपी के पास से मृतक की कलाई घड़ी व घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: पर्वी सिंहभम (जमशेदपर) के अंतरराष्ट्रीय पारा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रशांत कुमार सिन्हा की हत्या के आरोप में पुलिस ने काजल सुमन और उसके आशिक रौनक कुमार को रविवार को जेल भेज दिया।

मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने रविवार को बताया कि काजल ने ही रौनक के साथ मिलकर प्रशांत की हत्या की और फिर शव को बोरे में भरकर हजारीबाग के छड़वा डैम से नीचे फेंक दिया। पलिस ने आरोपी रौनक के पास से प्रशांत की कलाई घडी और घटना में



मीडिया को जानकारी देते एसएसपी कौशल किशोर। 🏻 फोटोन न्यूज

प्रयुक्त स्कुटी बरामद की है। एसएसपी किशोर कौशल टेक्निकल टीम की सहायता से काजल और उसके साथी रौनक को हजारीबाग पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया। एसएसपी

बताया कि काजल ने पछताछ में पुलिस को बताया कि प्रशांत के साथ वर्ष 2019 से उसकी दोस्ती थी। बाद में लड़की प्रशांत से कटना चाह रही थी। यह बात प्रशांत को कबुल नहीं था।

काजल ने पुलिस को यह बताया कि प्रशांत उसे काफी लंबे समय से ब्लैकमेल कर रहा था। दोस्ती तोड़ लेने पर अंतरंग फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था। इससे तंग आकर उसे 11 मार्च को जमेशदपुर से बहला-फुसलाकर हजारीबाग शहर के शहीद निर्मल महतो पार्क के पास लायी थी। यहां पहले से मौजूद दोस्त रौनक के साथ मिलकर उसकी गला

एक स्कूटी से प्लास्टिक की बोरी में शव को बांधकर बीच में रखकर दोनों छड़वा डैम गए और शव को ठिकाना लगा दिया।

उल्लेखनीय है कि प्रशांत अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी था। वह वर्ष 2023 में थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन खेल में शामिल हुआ था और भारत का प्रतिनिधित्व किया था। प्रशांत कुमार सिन्हा 11 मार्च से लापता था। प्रशांत की मां ने अपहरण का आवेदन देकर 22 मार्च को प्राथमिकी संख्या 30/24 धारा 364 (ए) के

हर बूथ पर भाजपा के पक्ष में 10 फीसद मतदान कराने पर मंथन



बैठक में शामिल नागेंद्र नाथ त्रिपाटी व अन्य। 🛭 फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: लोकसभा चुनाव को लेकर रविवार को जमशेदपर पर्वी व जमशेदपर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र की संगठनात्मक बैठक हुई, जिसमें हर बुथ पर भाजपा के पक्ष में 10 प्रतिशत मतदान कराने पर मंथन किया गया। भालुबासा स्थित मां शीतला भवन सभागार में जमशेदपुर पूर्वी की बैठक को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी और बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने संबोधित किया।

दोनों नेताओं ने विद्यत वरण महतो को लगातार तीसरी बार सांसद बनाने के लिए कार्यकताओं से संपर्क, संवाद और समन्वय बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यकताओं को सांसद विद्युत वरण महतो ने भी संबोधित किया। बैठक में ब्रह्मदेव नारायण शर्मा, देवेंद्र सिंह, रामबाबू तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा, बिनोद सिंह, दिनेश कुमार, गुंजन यादव, रीता मिश्रा, कुलवंत सिंह बंटी, नीरज सिंह, विकास सिंह, डॉ राजीव, मनोज सिंह समेत सभी बुथों के अध्यक्ष एवं अन्य

नौ से २४ तक ३०० स्थानों पर मनेगा श्रीराम महोत्सव



सरस्वती शिशु मंदिर में उपस्थित विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ता। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: हिंदु नववर्ष 9 अप्रैल से 24 अप्रैल तक जमशेदपुर के 300 स्थानों पर श्रीराम महोत्सव मनाया जाएगा। कदमा के शास्त्रीनगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय भवन में रविवार को विहिप बजरंगदल जमशेदपुर महानगर की जिला बैठक हुई, जिसमें प्रांत, विभाग, जिला और प्रखंड से जुटे सैकड़ो कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2081 के दिन से प्रारंभ होकर 23 अप्रैल हनुमान जन्मोत्सव तक पूरे भारतवर्ष की

प्रखंडों के खंडों मे श्रीराम महोत्सव मनाएंगे। शहर के प्रमुख मंदिरों में पूजा पाठ, रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ कर स्थानीय समाज के बीच प्रभु श्रीराम के अलौकिक जीवन दर्शन, अयोध्या मे बने भव्य श्रीराम मंदिर के लिए 500 वर्षों तक के आंदोलन व बलिदान में विहिप बजरंगदल की भूमिका के बारे जन-जन तक बताया जाएगा। समस्त हिंदु समाज को एकजुट करने का कार्य विहिप बजरंगदल के कार्यकर्ता करेंगे और सनातन धर्म की रक्षा और प्रसार का कार्य करने के लिए संगठन के सदस्य

छूटे हुए योग्य मतदाता 26

अप्रैल तक जुड़वा सकते अपना नाम

JAMSHEDPUR : जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया है कि 01 अप्रैल, 2024 को जिन लोगों की उम्र 18 वर्ष हो गई हो या जिनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे अभी भी अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए आवेदन दे सकते हैं। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 09-जमशेदपुर के नामांकन की आखिरी तिथि ०६ मई २०२४ एवं फॉर्म ६ प्राप्त करने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल 2024 है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं । इसके लिए अपने मोबाइल में वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड करें या ल्ल५२स्र पोर्टल (नेशनल वोटर सर्विस पोर्टल) तथा 1950 टोल फ्री नंबर की मदद ले सकते हैं, साथ ही स्थानीय बीएलओ से भी संपर्क कर फॉर्म-6 भर सकते हैं। चुनाव के बारे में अथवा मतदाता सूची में अपना नाम, बूथ पता करना हो तो सीधे भारत निर्वाचन आयोग से 1950 पर डायल करके पूछिए। यह कॉल सेवा मुफ्त है, इसका कोई चार्ज नहीं लगता। ८५ वर्ष से अधिक आयु के मतदाता, गर्भवती महिलाओं एवं दिव्यांग मतदाताओं को बुथ तक लाने एवं वापस घर पहुंचाने की सुविधा भी दी जा रही। अपने घर-परिवार, आस-पड़ोस में ऐसे मतदाता हो तो अपने बीएलओ को सूचित करें।

ढुल्लू महतो ने सबसे ज्यादा अत्याचार ओबीसी पर ही किया है : सरयू राय

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा कि दुल्लु महतो स्वयं को ओबीसी श्रेणी का हितैषी बताते हैं। परंतु अपने पूरे विधायक काल में इन्होंने जितने अत्याचार किए हैं, वे सभी ओबीसी वर्ग के व्यक्तियों एवं परिवारों पर किया है। इसमें अशोक महतो का परिवार भी शामिल है, जिसने लंबी लड़ाई लड़कर इनके जुल्म का प्रतिकार किया। इसके अतिरिक्त अपने स्वजातीय करीब आधा दर्जन परिवारों का पानी, बिजली इन्होंने कटवा दिया। यह सभी परिवार 17 दिनों तक धनबाद के सार्वजनिक स्थल पर धरना देकर बैठे रहे, तब जाकर वर्तमान वरीय पुलिस अधीक्षक ने बीसीसीएल प्रबंधन से उनके घरों का पानी, बिजली कनेक्शन

पत्रकार वार्ता में सरयू राय ने कहा कि इसके अतिरिक्त बीसीसीएल के बाघमारा क्षेत्र के एरिया संख्या 1 से 5 तक के सैकड़ों मजदूरों का शोषण ये



प्रिस खान की नाराजगी स्वाभाविक

सरयू राय ने कहा कि कल (30 मार्च) को ह्यप्रिंस खानह्न नामक एक अपराधी का एक ऑडियो वॉयरल हुआ था, जिसमें वह मुझे और धनबाद के मेरे सहकर्मी कृष्णा अग्रवाल को धमकी दे रहाँ है। इसके दो दिन पूर्व भाजपा के घोषित लोकसभा उम्मीदवार ढुल्लू महतो ने भी कृष्णा अग्रवाल को धमकाया था, जिसका ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इन दोनों ऑडियो की स्क्रिप्ट में समानता है, केवल आवाज भिन्न है। पुलिस इसकी जांच करे। मुझसे और कृष्णा अग्रवाल से प्रिंस खान की नाराजगी स्वभाविक है, क्योंकि उसके रंगदारी और आपराधिक कार्यकलापों के खिलाफ मैंने झारखंड विधानसभा में गत 15 दिसंबर 2023 को एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाया था। इसका नतीजा हुआ कि झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने प्रिंस खान को विदेश से वापस लाने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय को लिखा है।

कमजोर वर्ग के है। वहां एक समूह पर कोयला उठाने वालों से प्रति टन

प्रतिदिन करते हैं, जो पिछड़े एवं उपयोग के लिए बीसीसीएल के आदेश

वसली पहले 200 रुपये प्रतिटन था। इसके विरूद्ध 2018 में कोकिंग कोल व्यवसासियों ने आंदोलन किया था। इसमें से मजदूरों को होने वाले भुगतान उनके बैंक खाता में नहीं जाता है, बल्कि इस समूह की जेब में जाता है। इस बारे में झारखंड विधानसभा की ध्यानाकर्षण समिति ने धनबाद के उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक को 5. फरवरी 2019 को विधानसभा में समिति की बैठक में बुलाया था।

यदि विधायक दुल्लू महतो वास्तव में मजदूरों के हितैषी होते तो उनके हित के लिए जो अधिकांश पिछड़े वर्गों के स्थानीय लोग है, वे उपायुक्त धनबाद के प्रतिवेदन को क्रियान्वित कराकर मजदूरों और स्थानीय पिछड़े वर्गों का कल्याण करते। परन्तु उन्होंने तत्कालीन सरकार की मिलीभगत से यह नहीं होने दिया और बीसीसीएल के एरिया 1 से 5 के बीच आज भी रंगदारी और असामाजिक तत्वों का बोलबाला पहले की तरह है, जिन्हें

बार एसोसिएशन के चुनाव में सदानंद अध्यक्ष और देबानद संपादक चुने गए

PHOTON NEWS ROURKELA: राउरकेला बार एसोसिएशन का चुनाव रविवार को हुआ। मतदान के बाद मतगणना हुई, इसके बाद नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। अध्यक्ष के रूप में सदानंद साहू, संपादक के रूप में देबानंद तांती, संयुक्त संपादक के रूप में लिंगम अंसुर हरि डोरा, सहायक संपादक के रूप में गुरु चरण खुंटिया और कार्यकारी सदस्य के रूप में अनंत नारायण साहु प्रमुख विजेता घोषित हुए हैं। सभी विजेताओं को

राउरकेला बार एसोसिएशन के संपन्न हुए चुनाव में त्रिशंकु मुकाबले में अध्यक्ष पद पर सदानंद साह ने बाजी मारी और 183 मत पाकर विजयी हुए। 784 वोटरों में कुल 623 लोगों ने अपने मत का उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि

शुभकामनाएँ और बधाइयाँ दी गई।



चुनाव के बाद विजेता प्रत्याशी। • फोटोन न्यूज

छह उम्मीदवार मैदान में थे. जिसमें कल छह उम्मीदवारों में विस्मय कमार दास, चंद्रमणि दास, दंडापाणी बौधरी, प्रदीप कुमार मिश्रा, रंग बहादुर बाग तथा सदानंद साह का नाम शामिल थे। उनमें से सर्वाधिक सदानंद साहू को 183 बोट, विस्मय कुमार दास को 144 वोट, दंडापानी चौधरी को 120 बीट, वतर्मान अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा को 35 वोट, रंग बहादर बाग की 53 वीट तो चंद्रमणि दास को मात्र 30 वोट मिले।

सचिव पद के लड़ रहे तीन उम्मीदवारों में से सर्वाधिक देवानंद तांती को 308 वोट मिले, अबनी कुमार प्रधान को 272 वोट, किरस्सों कराई को मात्र 26 वोट मिले। संयुक्त सचिव के आमने सामने रहे विनय जेना को 253 बोट तो लिंगम अनुसूरू हरि डोरा को 342 वोट प्राप्त हुए। सहायक सचिव के लिए गुरु चरण खुटिया को 367 वोट तो तापस परिडा को

राउरकेला पहुंचे जोएल



ROURKELA लोकसभा सदस्य व भाजपा प्रत्याशी जोएल ओराम का रविवार को राउरकेला पहुंचने पर पार्टी की ओर से रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। जोएल ओरा रविवार को राउरकेला पहुंचने के बाद जोएल ओराम ने कहा दीलिप तिर्की मेरा छोटा भाई है। वह एक अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टार हैं। मेरी शुभकामनाएं उसके साथ हैं। लेकिन राजनीति का क्षेत्र अलग है और हॉकी का क्षेत्र अलग है। राजनीति में उनका अनुभव दिलीप तिर्की से ज्यादा है, और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 9 साल की विकास कार्य को लेकर घर घर लोगो से वोट मांगेंगे।

सात वर्ष में भी पूरा नहीं हो सका बिसरा का लहडा-मिटकुदुरी ब्रिज

PHOTON NEWS ROURKELA: गांवों को जोड़ने के लिए राज्य और केंद्र दोनों सरकारों द्वारा कई योजनाओं के माध्यम से सड़कें, पुल बनाए जा रहा हैं। पर्याप्त अनदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है। लेकिन सरकारी अधिकारियों की लापरवाही के कारण सड़क-पुल का निर्माण नहीं हो पाता है। दरअसल, विभागीय अधिकारियों की

और निर्माण कार्य परा नहीं हो सका। इसका एक ज्वलंत उदाहरण बिसरा के निकट लहंडा-मिटकुंदुरी ब्रिज है। 2017-18 में राउरकेला के उपनगरीय इलाके में देव नदी पर 7.68 करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण शरू किया गया था। पिछले 7 साल से चल रहा है निर्माण कार्य अभी तक समाप्त नहीं हो पाया है।

निमार्णाधीन पुल पर स्लैब व एप्रोच

लगातार लापरवाही के कारण

परियोजना के लिए भिम अधिग्रहण



ब्रिज के कार्य में लगे मजदूर। 🛭 फोटोन न्यूज

रोड का निर्माण नहीं किया जा सके रह है। मिटकंडरी में 27 डिसमिल और खूंटगांव में 46 डिसमिल कुल 73 डिसमिल जमीन का अभी तक अधिग्रहण नहीं हो सका है।

एक ओर जमीन मालिक पर्याप्त मुआवजे की मांग कर निर्माण का विरोध कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण विकास विभाग अब तक पर्याप्त मुआवजा देने में विफल रहा है। जिससे अंकुरपाली,

कादीबहाल, सेमरता, बालीमंडा, बारीइगड़ा, सतारा, बंडराय, मेनमेना, रेंगालबेड़ा, रोकेडेगा, बलियापोश, राणकटा, कंदरकेला और रेनो, पसारा, बीजबांध, सियाल्योर, हरपाली, रामपर कुआरमुंडा और नुआगाओ ब्लॉक क्षेत्र में और कुआरमुंडा ब्लॉक में कचरू, संदलकी, झारबेडा, तंगरानी, लोहामाल, करिचपाल, करमबहाल और अन्य ग्रामीण तमाम तरह की समस्याओं से जुझ रहे हैं।

साकची स्थित भाजपा कार्यालय में प्रतुल शाहदेव ने विपक्षी दलों पर जमकर बोला हमला

दिल्ली में परिवार बचाओ, भ्रष्टाचार छुपाओ रैली : भाजपा

शाहदेव ने कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित रैली देश बचाओ, संविधान बचाओ की जगह परिवार बचाओ- भ्रष्टाचार छुपाओं के लिए थी। साकची

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल

स्थित भाजपा के जिला कार्यालय में रविवार को प्रेस वार्ता में प्रतुल शाहदेव ने विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कई ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जो रामलीला मैदान जय प्रकाश नारायण एवं अन्ना आंदोलन में कांग्रेस के भ्रष्टाचार, परिवारवाद तानाशाही के विरुद्ध आंदोलन का का अपमान है। उन्होंने कहा कि साक्षी रहा है। उसी ऐतिहासिक झारखंड की सरकार घोर भ्रष्टाचार



मैदान पर भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाने वाले एक मुख्यमंत्री और एक पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थन में कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों द्वारा रैली घोर विडंबना एवं जनता

में लिप्त हो गई है और इस सरकार पर 70000 करोड़ के घपले-घोटाले का आरोप लगा है। कमीशन वाली सरकार की चर्चा जोर-शोर से है। कुछ दिन पहले कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साहू के यहां करीब 350 करोड़

बेनामी संपत्ति पर आरोपियों के नाम नहीं होते

झामुमो द्वारा यह पुछे जाने पर कि जिस जमीन का गबन करने के आरोप में हेमंत सोरेन जेल गए हैं, उस पर उनका नाम ही नहीं। प्रतुल ने इसे हास्यास्पद बात बताते हुए कहा कि सभी जानते हैं की बेनामी संपत्ति पर आरोपियों के नाम नहीं होते। वह दूसरे के नाम पर जमीन और संपति को हड़पते हैं। जिस तरीके से हेमंत सोरेन के पहले समन के तुरंत बाद उस जमीन के तथाकथित मालिक ने जमीन वापसी का मुकदमा दर्ज किया और 29 जनवरी को ईडी की रेड के दिन सरकार ने जमीन वापस भी कर दी। इससे स्पष्ट है कि झामुमों के नेतृत्व वाली सरकार हेमंत सोरेन को बचाने के लिए कवर–अप ऑपरेशन चला रही है।

के आरोपियों ने भी खूब हल्ला मचाया था, लेकिन ईडी ने दुध का सवार हो गए हैं। प्रेस-वार्ता में दुध एवं पानी का पानी कर दिया। प्रतुल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो भाजपा, टॉलरेंस नीति का परिणाम है कि सारे भ्रष्टाचारी एवं परिवारवादी पार्टी मिलकर अपनी काली कमाई

जब्त होने पर भी इन सभी भ्रष्टाचार

एवं परिवार को बचाने के लिए एक डूबती हुई नाव पर एक साथ

लोकसभा के संयोजक नंदजी जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा एवं जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा भी मौजुद रहे।

राउरकेला में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप शुरू

राउरकेला तीन दिवसीय नेशनल फुल कॉन्टैक्ट कराटे चैंपियनशिप 2024 भंजभवन में शुरू हो गई है। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के मुख्य न्यायाधीश सेंसेई सुप्रीतम मित्रा की अध्यक्षता में किया गया और कार्यक्रम में विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार महानंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अतिथियों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष काजल डे, राष्ट्रीय खेल निदेशक सोनू पांडे और ज्योती महानंद तथा राष्ट्रीय स्तर के निर्णायक चंद्र देव, पंकज गुप्ता, बाल सुब्रमण्यम, राजू श्रीवास्तव, बिस्वाजीत, ऋतुपूर्ण दास प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

अतिथि महानंद, अध्यक्ष मित्रा ने



राष्ट्रीय स्तर के कराटे चैंपियनशिप के लिए बधाई दी और कहा कि इससे मानसिक और शारीरिक शक्ति और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलती है। संस्थान ने बताया कि इस चैंपियनशिप में काता, बेसिक, कुमाइट और डिमॉन्स्ट्रेशन में लाइट, मिडिल, हैवी वेट आदि में सफलता हासिल करने वाले प्रतियोगियों को अतिथि पुरस्कृत करेंगे। इसमें ओडिशा और नेपाल सहित 14 राज्यों के लगभग 2,000 प्रतियोगियों ने भाग लिया है, जिनकी उम्र 8 से 10, 10 से 12, 12 से 16 वर्ष है।

अप्रैल में होनी थी शादी, आरा के एश्ट वेयरहाउस की सुरक्षा में था तेनात

आरा(भोजपुर)। आरा में शनिवार की देर शाम VVPAT(EVM) वेअरहाउस के गार्ड रूम में एक सुरक्षाकर्मी ने सुसाइड कर लिया। अपने ही राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सुरक्षाकर्मी ने अपने लाइसेंसी इंसास राइफल से माथे के बीचो-बीच गोली मारी है। इससे उसकी ऑन द स्पॉट मौत हो गई। घटना को लेकर आसपास के इलाके और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। घटना शहर के नवादा थाना क्षेत्र के ब्लॉक रोड स्थित कृषि भवन की है। जवान की अगले महीने ही शादी होने वाली थी। साथी जवान ने बताया कि दो-तीन दिन से हेमंत



काफी गुमसुम और परेशान रहता था। घटना की सूचना मिलते ही डीएम राज कुमार, एसपी प्रमोद कुमार, एएसपी परिचय कुमार और नवादा थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह सहित पुलिस के कई अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच मामले की



छानबीन में जुट गए हैं। कार्यरत था। इधर, भोजपुर डीएम मृतक जवान मूल रूप से पटना राज कुमार ने बताया कि हमारे यहां जिला के घोषवारी थाना क्षेत्र के और ईवीएम वेयर हाउस में तीन शहरी गांव निवासी शिव पासवान सुरक्षाकर्मी तैनात थे। जो 24 घंटे का बेटा हेमंत कुमार(27) है। वह सुरक्षा में थे। उसमें से एक हेमंत बिहार पुलिस जवान था। नवंबर कुमार भी थे। जो जिला बाल 151 माह में वीवी पैट में उसकी पोस्टिंग

और सुरक्षा कर्मी भी थे, जो सब्जी लाने के लिए बाजार गए थे। जब वह बाजार से वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि रूम का दरवाजा अंदर से लॉक है। जब उसने खिड़की से झांक कर देखा तो हेमंत कुमार जमीन पर गिरे थे और खुन बह रहा था। इसके बाद उन्होंने अपने वरीय पदाधिकारी को इसकी सुचना दी। स्थानीय थाना प्रभारी, एएसपी और एसपी साहब मौके पर पहुंचे। इसके बाद वीडियोग्राफी की गई और हथौड़ी से तोड़कर दरवाजा को खोला गया। उन्होंने बताया कि जो इंसास राइफल उन्हें निर्गत की गई थी उसी राइफल से गोली चली प्रतिनियुक्ति में थे। उनके साथ एक है। अप्रैल में होनी थी शादी साथ में

की अप्रैल में ही शादी होनी थी। दो-की कोई संभावना नहीं है। जिसे वाले हैं। भोजपुर जिला बल के 2018 में इसके सिपाही हैं।

रह रहे सिपाही ने बताया कि हेमंत तीन दिन से हेमंत काफी गुमसुम और परेशान रहता था। कहीं से भी गेट खुलने और किसी की एंट्री होने देखते हुए प्रथम दृष्टया आत्महत्या करने का मामला लग रहा है। उनके आने के बाद ही सही जानकारी मिल पाएगी। एक खोखा भी बरामद एसपी प्रमोद कमार ने बताया कि नवादा थाना अंतर्गत कृषि भवन में रखे गए सुरक्षा में तैनात एक सिपाही संख्या-151 हेमंत कुमार मूलत मोकामा के रहने

संक्षिप्त डायरी

बिहार बीजेपी प्रभारी से हुई प्रिंस राज की मुलाकात; चाचा-भतीजे को पुराना ऑफर मंजूर

पटना। केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाले राष्ट्रीय लोजपा के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस के सिर्फ 12 दिनों में ही सुर बदल गए हैं। जिस ठऊअ पर अपने साथ नाइंसाफी किए जाने का गंभीर आरोप लगा रहे थे, अब फिर से अपनी पार्टी को इसी

गठबंधन का अभिन्न अंग बता रहे हैं। 19 मार्च को उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उसी दिन दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा चनाव को लेकर बिहार में उनकी पार्टी को एक भी सीट नहीं दिए जाने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। लेकिन, अब उन्होंने फिर य टर्न ले लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता बता रहे हैं। उनके निर्णय को सर्वोपरि बता रहे हैं। 30 मार्च को सोशल मीडिया पर अपने वेरिफाइड अकाउंट से लोकसभा चुनाव में ठउअ के 400 से अधिक सीटें जीतने का दावा किया हैं। प्रधानमंत्री के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर भी की। अब सवाल है कि आखिर कौन सी ऐसी बात हो गई कि जिससे पशुपित कुमार पारस हाजीपुर से खुद के चुनाव लड़ने की बात से पीछे हट गए? सीट शेयरिंग की घोषणा से पहले का फॉमुर्ला लगा सही सवाल का जवाब तलाशने के लिए दैनिक भास्कर रिपोर्टर ने राष्ट्रीय लोजपा से लेकर NDA में शामिल दूसरे दलों के नेताओं से बात की। पॉलिटिकल पार्टियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे लोगों से भी बात हुई। इन सब के बीच एक महत्वपूर्ण बात सामने आई कि पशुपति कुमार पारस और सांसद भतीजे प्रिंस राज ने भाजपा के तरफ से दिए गए पुराने फॉमुर्ले पर अपनी हामी भर दी है। मतलब, बिहार के 40 सीटों को लेकर NDA के आधिकारिक घोषणा से ठीक पहले भाजपा की तरफ से चुनाव बाद पशुपति कुमार पारस को किसी राज्य का राज्यपाल बनाए जाने और भतीजे प्रिंस राज को बिहार विधान परिषद का सदस्य बनाकर नीतीश सरकार में मंत्री बनाए जाने का ऑफर था। सुत्रों का दावा है कि अब इस ऑफर को चाचा-भतीजे ने मान लिया है। मुलाकात के बाद बनी बात सुत्र बताते हैं कि हाल ही में भाजपा के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े से प्रिंस राज की दिल्ली में मुलाकात हुई थी। इसी मुलाकात में दोनों के बीच कई महत्वपूर्ण बातें हुई। प्रिंस को अपने भविष्य की चिंता सता रही थी। सांसद होने के साथ ही वो पार्टी में बिहार के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। अपने चाचा पशुपित कुमार पारस के साथ ही खुद के लिए भी सम्मानजनक जगह NDA के अंदर चाह रहे थे। इसी कारण से भाजपा के दिए पुराने ऑफर को उन्होंने मान लिया। फिर इस पर चाचा ने भी अपनी हामी भर दी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बहुत जल्द इस मामले में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से पशुपति कुमार पारस की मुलाकात होने वाली है। इस मामले में आधिकारिक जानकारी के लिए राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल से बात की। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी की कहीं कोई डील नहीं हुई है। हमारी पार्टी NDA में ही है। इस गठबंधन से हम कभी अलग नहीं हुए हैं। अलग होने की बात भी कभी किसी ने नहीं की थी। पशुपति कुमार पारस हमेशा कहते रहे हैं कि जब तक जिंदा हूं, तब तक ठऊअ में ही रहूंगा। आज भी वो अपनी बातों पर कायम हैं। पशुपति कुमार पारस को राज्यपाल और प्रिंस राज को मंत्री बनाए जाने के प्रस्ताव की बात से श्रवण अग्रवाल ने साफ इनकार किया है। उनका दावा है कि कोई ऐसा प्रस्ताव आया ही नहीं। हमारी पार्टी बिहार में मजबूती के साथ NDA उम्मीदवारों को सभी 40 सीटों पर जीताने के लिए काम करेगी। जहां तक बात केंद्र में मंत्री पद से उनका इस्तीफा दिए जाने की बात है तो वो कार्यकताओं के गुस्से और दबाव की वजह से ऐसा किया था। क्योंकि, पार्टी को एक भी सीट नहीं मिलने से कार्यकर्ता बहुत गुस्से में थे।

दो ट्रक एक-दूसरे को कर रहे थे ओवरटेक, तेज रफ्तार के कारण बाइक में मार दी ठोकर 4 निवासी हरीकिशोर शाह अपने घर सुरसंड की ओर जा रहे थे। तभी गांव से कुछ दुर पहले ही

हाजीपुर (वैशाली)। होली के बाद यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे अतिरिक्त होली स्पेशल ट्रेनों की शुरूआत कर रही है। होली के बाद यात्रियों की लौटती भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेलवे ने यह फैसला लिया है। कई ट्रेन का परिचालन किया जाना है जो कि हाजीपुर स्टेशन होकर चलेगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जन

होली के बाद रेलवे दे रही यात्रियों को सुविधा,

समस्तीपुर-रक्सौल भी जाएगी; देखें लिस्ट

संपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने 19 कोच लगाए जाएंगे,4. गाड़ी सं. जानकारी दी है। देखें ट्रेनों की लिस्ट,1. 05531 रक्सौल-आनंद विहार टर्मिनल गाड़ी सं. 03243 पटना-आनंद विहार होली स्पेशल 03.04.24 को रक्सौल टर्मिनल सुपर फास्ट होली स्पेशल से 22.25 बजे प्रस्थान करेगी तथा दिनांक 01.04.24 को पटना से 15.00 सगौली, बेतिया, नरकटियागंज, बगहा, पनियहवा, गोरखपुर सहित विभिन्न बजे प्रस्थान करेगी तथा दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन जंक्शन सहित विभिन्न स्टेशनों पर 18.00 बजे आनंद विहार टर्मिनल रुकते हुए अगले दिन 07.00 बजे पहुंचेगी।,5. गाड़ी सं. 05561 आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। इस समस्तीपुर-आनंद विहार टर्मिनल होली होली स्पेशल ट्रेन में 20 स्लीपर क्लास स्पेशल दिनांक 02.04.24 को के कोच लगाए जाएंगे,2. गाड़ी सं. समस्तीपुर से 19.45 बजे प्रस्थान 05575 सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल करेगी तथा दरभंगा, सीतामढ़ी, होली स्पेशल दिनांक 01.04.24 को नरकटियागंज सहित विभिन्न स्टेशनों सहरसा से 09.30 बजे प्रस्थान करेगी पर रूकते हुए अगले दिन 17.30 बजे तथा खगड़िया, बेगूसराय, बरौनी, आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी । इस हाजीपुर छपरा सहित विभिन्न स्टेशनों होली स्पेशल ट्रेन में स्लीपर क्लास के पर रूकते हुए अगले दिन 06.30 बजे 20 कोच लगाए जाएंगे।,6. गाड़ी सं. आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी 3. गाड़ी 03435 मालदा टाउन-आनंद विहार सं. 05585 सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल होली स्पेशल दिनांक टर्मिनल होली स्पेशल 03.04.24 को 08.04.24 को मालदा टाउन से आनंद सहरसा से 09.30 बजे प्रस्थान करेगी विहार टर्मिनल के लिए प्रस्थान तथा खगड़िया, बेगूसराय, बरौनी, करेगी।,7. गाड़ी सं. 03483



रही एक 22 वर्षीय छात्रा की



कराया गया है। मृतका की पहचान

की 22वर्षीय पुत्री निभा कुमारी के रूप में की गई है। जख्मी हरीकिशोर शाह अपनी पुत्री को लेकर दरभंगा से लौट रहे थे।

यूनिवर्सिटी दरभंगा मे बीए का एग्जाम चल रहा था। शनिवार को परीक्षा समाप्त होने के बाद आज सुरसंड थाना क्षेत्र के बीररख वार्ड घर लौट रहे थे। पुपरी के रास्ते

2 अनियंत्रित ट्रक के चपेट में आ गए। दोनों ट्रक तेजी में ओवर टेक कर रहे थे।इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने एक ट्रक चालक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है। जबिक, दूसरा ट्रक चालक बाजपट्टी थाना क्षेत्र के रसलपुर बाजार के समीप गाड़ी छोड़कर

मामी बोली-देवर की गंदी नजर थी, संबंध बनाने कहता था; ससुराल वालों ने हत्या की

अररिया। अररिया में लव मैरिज के 11 महीने बाद विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। परिजनों का नजर थी। वह अपनी भाभी को संबंध बनाने के लिए फोर्स कर रहा था। मना करने पर ससुराल वालों ने मारपीट की फिर गला दबाकर हत्या कर दी। मामला रानीगंज थाना क्षेत्र की बरबन्ना पंचायत के बढावा गांव का है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल लाया, जिसके बाद मायके वालों को



सस्राल वाले घर छोड़कर फरार हो

के मायके वालों ने ससुराल पक्ष के देवर, सास, ससुर, जेठ, जेठानी को लेकर मामला दर्ज कराया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मानी तो देवर ने योजना बनाकर मिलकर की पीट-पीटकर हत्या कर दी

बीजेपी-जेडीयू ने उठाए सवाल, बचाव में उतरी कांग्रेस; सवाल- क्या कटेगा टिकट

मुलाकात के बाद पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा, हम भी

पटना। बिहार के बाहुबली नेता और पूर्व विधायक विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला ने दलितों को लेकर जाति सूचक बयान दिया है। शनिवार को राबड़ी आवास पहुंचे मुन्ना शुक्ला ने लालू यादव से



भमिहार ही हैं मन्ना शक्ला से सवाल पछा गया कि भमिहारों के वोट की बात हो रही है... सवाल बीच में ही काटते हुए मुन्ना शुक्ला ने दलितों को लेकर बयान दे दिया। मुन्ना शुक्ला शनिवार दोपहर राबड़ी आवास पहुंचे थे। अंदर जाते हुए उन्होंने कहा कि वो वैशाली से लोकसभा का टिकट और अपने नेता का आशीर्वाद लेने आए हैं। दरअसल चर्चा है कि मुन्ना शुक्ला या उनकी पत्नी अन्नू शुक्ला आरजेडी की टिकट पर वैशाली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। इस बयान पर राजनीति गरम है। बीजेपी और जेडीयू ने राजद को घेरा तो कांग्रेस मुन्ना शुक्ला का बचाव करती दिखी। इधर बवाल बढ़ता देख मुन्ना शुक्ला ने माफी मांगी है। शनिवार को लालू यादव और तेजस्वी यादव से मुलाकात करने के बाद बाहर निकले मुन्ना शुक्ला समर्थकों की नारेबाजी के बीच बेहद उत्साहित नजर आए। मीडिया के सवालों पर मुन्ना शुक्ला ने कहा- ह्यमेरा सिंबल तैयार हो रहा है, मेरा कुछ पेपर अप टू डेट नहीं है, उसको अपडेट करके लाएंगे और सिंबल ले जाएंगे। वैशाली से टिकट फाइनल हो गया है, उत्तर बिहार में सबसे ज्यादा वोट से जीतेंगे। वैशाली में कोई चुनौती नहीं है। हम भी भूमिहार ही हैं, थोड़े ही हैं। एकदम लालटेन जलेगा। लालू जी ने आशीर्वाद दिया, टिकट दिया। जो चुनौती आएगी, उसका सामना करने को तैयार हैं। कोई विवादित बयान नहीं दिया- आरजेडी मुन्ना शुक्ला के बयान पर आरजेडी प्रवक्ता ने नाम ना छापने की शर्त पर कहा कि मुन्ना शुक्ला ने कोई विवादित बयान नहीं दिया। उन्होंने यही कहा कि हम तो भूमिहार हैं, दलित थोड़े ही हैं। हम तो जनरल सीट की बात कर रहे हैं, कोई आरिक्षत सीट पर थोड़े ही कर रहे हैं। दलितों को अपमानित करने वाली बीजेपी इसमें आपत्तिजनक बात ढूंढ रही है।

मां करती है सिलाई-कढ़ाई, सेना में अफसर बनना इनका लक्ष्य

पूर्णिया। बिहार बोर्ड ने आज दोपहर 1:40 बजे 10वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। 82.91% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। पिछली बार से 1.87 फीसदी स्टूडेंट्स ज्यादा पास हुए हैं। पूर्णिया जिले के शिवांकर कुमार ने बिहार बोर्ड मैट्कि परीक्षा में टॉप किया है। इन्हें 500 में से 489 अंक मिले हैं, जबिक समस्तीपुर के आदर्श सेकेंड टॉपर (488) हैं। थर्ड टॉपर जमुई के आदित्य कुमार, मधुबनी के सुमन कुमार पूर्वे, सारण की पलक कुमारी और वैशाली की साजिया परवीन हैं। चारों को 486 नंबर मिले हैं। इस साल टॉप-ठि में रहे 51 बच्चों में 6 जमुई से सिमुलतला

हाजीपुर छपरा सहित विभिन्न स्टेशनों

पर रूकते हुए अगले दिन 05.15 बजे

आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। इस

होली स्पेशल ट्रेन में स्लीपर क्लास के



आवासीय स्कूल से हैं। इस बार 4 लाख से ज्यादा फर्स्ट डिवीजन से पास हुए हैं, जबकि पांच लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स सेकेंड डिवीजन। पिछले 6 सालों में इस बार का शिवांकर पूर्णिया के मधुबनी के शिवांकर है। बचपन से ही ये पढ़ाई

भागलपुर-नई दिल्ली होली स्पेशल

दिनांक 02.04.24 एवं 06.04.24 को

भागलपुर से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान

यादव टोली का रहने वाला है। उसके पिता प्राइवेट स्कूल शिक्षक और एलआईसी एजेंट हैं। मां कुमकुम देवी सिलाई कढ़ाई का काम करती हैं। शिवांकर के 2 भाई सबसे बेहतर रिजल्ट रहा है। और 2 बहनें हैं। सबसे छोटा

उसके पढ़ने का समय फिक्स नहीं था। वे तब तक पढ़ते थे जबकर उनकी पूरी पढ़ाई हो नहीं जाती थी। सर और घर वालों के सपोर्ट की वजह से आज उन्होंने ये हासिल की है। वे बचपन से ही पढ़ने में अच्छे थे। 10वीं में आने के बाद उनका था कि उन्हें कुछ हासिल करना है। वहीं, शिवांकर जिला स्कूल पूर्णिया से पढ़ाई किए हैं। उन्हें आगे चलकर ठऊअ क्लियर करना है। शिवांकर के घर में रिश्तेदारों की भीड़ जमा हो गई है। सब शिवांकर को मिठाई खिलाकर बधाई दे रहे हैं। वहीं, बेटे की इस उपलब्धि से माता-पिता में ख़ुशी का माहौल है।

में तेज है। शिवांकर ने बताया कि शांभवी अभी 25 साल 6 माह की हैं और लोकसभा 2024 में अपना

नाम की घोषणा होते पिता के पास दौड़ी पहुंची शांभवी

नवंबर में होनी थी शादी, मोतिहारी में महायज्ञ में लगा था मेला; एक लड़की घायल

जमुई। बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी को लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने समस्तीपुर से उम्मीदवार बनाया है। लोकसभा चुनाव के लिए नाम का ऐलान होते ही शांभवी दौड़ते हए अपने पिता अशोक चौधरी से मिलने पहुंची और दौड़ते हुए उनके गले लग गई। टिकट मिलने के बाद वो काफी भावुक हो गईं। इस पल का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें अशोक चौधरी कह रहे हैं कि ये तो तुम्हारा ड्रीम है.. रो क्यों रही हो। इसी दौरान पिता और बेटी दोनों खूब भावुक हो गए। शांभवी को जमुई से लड़ाना चाहते थे



भाग्य आजमा रहीं हैं। अशोक चौधरी शांभवी को जमुई लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाना चाहते थें, लेकिन जमुई से टिकट नहीं मिलने पर चिराग पासवान ने शांभवी चौधरी को समस्तीपुर से पार्टी का टिकट दिया है। लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बनना शांभवी का ड्रीम है। उन्होंने कहा कि उनके पिता महावीर चौधरी ने भी सांसद बनने के लिए 1977 और 1991 में प्रयास किया था, लेकिन सफलता

एक विदेशी महिला के लिए सरकार को बदलना पड़ा नियम

पटना। बिहार में एक विदेशी महिला के लिए सरकार को नियम बदलना पड़ा। रातों रात राज्य के सभी 38 जिलों में बिल्डिंग बनाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करने का आदेश जारी करना पड़ा है। यह महिला बांग्लादेश की है। जेल में बंद थी। वह सजा पूरी करने के बाद भी अपने देश नहीं जा पाई है। इस बार संडे बिग स्टोरी में पढ़िए बांग्लादेश की महिला कैदी रिया आफरीन रुपा की कहानी, जिसके लिए बिहार सरकार को क्यों करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ रहे.. जानिए कौन है रिया आफरीन रुपा 35 साल की रिया आफरीन रुपा बांग्लादेश के खुलना जिले के खालिसपुर के शाहजहां अली की पत्नी है। रिया को नालंदा की नूरसराय थाना की पुलिस ने 12 अक्टूबर 2019 की रात अहियापुर गांव के पास से गिरफ्तार किया था। विदेशी महिला के पास विदेश से



आने का कोई कागजात नहीं था। नालंदा पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद रिया के खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम के तहत केस दर्ज कर बिहारशरीफ जेल भेज दिया। फास्ट ट्रैक कोर्ट नालंदा ने सुनवाई करते हुए 16 जनवरी 2021 को सजा सुनाई। 22 जनवरी को रुपा ने सजा तो पूरी की ही साथ ही साथ 500 रुपए नहीं देने के कारण अतिरिक्त 7 माह की अतिरिक्त साधारण सजा को भी पुरा कर लिया। सजा पूरी करने के बाद भी रिया अपने वतन नहीं लौट पाई है। वह बिहार में अपने देश लौटने का इंतजार कर रही है।

मोतिहारी। मोतिहारी में ड्रैगन झूले से गिरकर एक युवती की मौत हो गई, जबकि एक लड़की गंभीर रूप से घायल है। हादसा कल्याणपुर थाना क्षेत्र के खटोलवा गांव में हुआ है। जहां महायज्ञ में मेला लगा है। इस मेले में दोनों लड़िकयां ड्रैगन झुले में बैठी थी। झुला स्पीड में था, तभी उसकी एक बोगी टूट गई, जिससे ये हादसा हुआ। मृतका की

पहचान गणवंद्री गांव के अजय सिंह की बेटी प्रिया कुमारी (19) के तौर पर हुई है। नवंबर में उसकी शादी होने वाली थी। घर में खुशी का माहौल था, जो मातम में बदल गया। वहीं, उसके साथ उसी बोगी में बैठी भोला सिंह की बेटी रूबी कुमारी (18) गंभीर रूप से घायल हो गई। इधर, सूचना मिलने के बाद मौके पर चिकया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह पहुंचे और मामले की जांच में जुटे हैं। सहेलियों के साथ घूमने



निकली थी प्रिया कल्याणपुर थाना क्षेत्र के खटोलवा गांव में महायज्ञ लगा है, जहां लोगों के मनोरंजन के लिए झूला लगाया गया है। प्रिया कुमारी भी अपनी सहेलियों के साथ मेला घूमने गई थी। जैसे ही ड्रैगन झूले ने अपनी रफ्तार पकड़ी तभी एक बोगी टूट कर गिर गया। इस दौरान प्रिया के सिर में गंभीर चोट

ही मौत हो गई। वहीं, उसके साथ उसी बोगी में बैठी भोला सिंह की बेटी रूबी कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई। आनन-फानन में घायल युवती को इलाज के लिए निजी डॉक्टर के यहां भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही। घायल रूबी बोली कि हम लोग झूले में बैठे थे। दूसरे या तीसरे आई, जिससे उसकी घटनास्थल पर राउंड में हादसा हुआ है। बोगी



लगभग फुल हो चुका था। गिरे थे लेकिन कुछ याद नहीं है। मेरे साथ बगल की दूसरी लड़की थी। उधर, जैसे ही झूला टूटा और युवती की मौत हुई, झूला वाला वहां से फरार हो गया। घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गई। प्रिया की शादी इसी साल नवंबर में होनी थी। घर में शादी की तैयारी चल रही थी। वह शनिवार की रात मेला देखने

सहेलियों के साथ गई थी तभी हादसे में उसकी जान चली गई। प्रिया के परिजनों का कहना है कि उसके पिता ओडिशा में रहते हैं। वहां से आने के बाद निर्णय लेंगे कि शव का पोस्टमॉर्टम कराना है या नहीं कराना है। घर में मां का रो-रोकर बुरा हाल है। आयोजक और संचालक की लापरवाही है-एसडीपीओ बताया जा रहा कि मेला

लगाने के लिए मेला समिति के लोगों ने चिकया एसडीओ से परमिशन ली थी। दो दिन पहले ही मेले की शुरूआत हुई थी और हादसा हो गया।

कल्याणपुर थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिन से मेला लगा हुआ था, मेरे पास आया तो हम बोल दिए कि धारा 144 लागू है। एसडीओ से परमिशन लेकर लगाइए, एसडीओ ने परमिशन दी थी तब मेला लगा। एसडीपीओ सतेंद्र सिंह ने कहा कि मेले में हादसा हुआ है। झूले की एक बोगी टूटकर नीचे गिर गई। एक बच्ची प्रिया की मौत हो गई जबकि दूसरी जख्मी है। दो अन्य लोगों के भी जख्मी होने की खबर मिली है लेकिन पता नहीं चल पाया है। आयोजक और संचालक की लापरवाही है। बाकी जांच की जा

मूर्ख दिवस का है दिलचस्प इतिहास

मूर्ख दिवस पर विशेष

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल को
'अप्रैल गोक' कहा जाता है, जिसका अर्थ है पपीहा और पपीहा को यहां बुद्धूपन का प्रतीक माना गया है। इस अवसर पर लोग यहां कई प्रकार की मनोरंजक व आश्चर्यजनक अफवाहें उड़ाते हैं, जिन पर लोगों को आसानी से विश्वास भी हो जाता है।

र्ख दिवस' मनाने की परम्परा कब, कैसे और कहां प्रचलित हुई, इस बारे में दावे के साथ तो कुछ 📭 नहीं कहाँ जा सकता पर माना यही जाता है कि इस परम्परा की शुरूआत फ्रांस में 16वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुई थी। माना जाता है कि एक अप्रैल 1564 को फ्रांस के राजा ने मनोरंजक बातों के जरिये एक-दूसरे के बीच मैत्री और प्रेम भाव की स्थापना के लिए एक सभा का आयोजन कराया था। उसके बाद निर्णय लिया गया कि अब से हर वर्ष इसी दिन ऐसी ही सभा का आयोजन होगा, जिसमें सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकतें करने वाले व्यक्ति को 'मास्टर ऑफ फुल' की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। इस सभा में शिरकत करने वाले व्यक्ति अनोखी और विचित्र वेशभूषाएं धारण करके अपनी अजीबोगरीब हरकतों से उपस्थित जनसमूह का मनोरंजन किया करते थे और सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकत करने वाले व्यक्ति को 'मूर्खों का अध्यक्ष' चुना जाता था, जिसे 'बिशप ऑफ फूल्स' की उपाधि से नवाजा जाता था। इस सभा के बाद 'गधा सम्मेलन' का भी आयोजन होता था, जो करीब एक सप्ताह चलता था। सम्मेलन में लोग अपने चेहरे पर गधे के मुंह की आकृति के मुखौटे लगाकर गधे की आवाज निकालते थे। इस दिन वहां कर्मचारी, अधिकारी सभी एक-दूसरे का मजाक उड़ाने को स्वतंत्र होते थे।

यह भी मान्यता है कि 1564 में फ्रांस के सम्राट चार्ल्स के आदेश पर लागू हुए ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 1 जनवरी से की जाने लगी जबिक उससे पूर्व चूंकि वर्ष में सिर्फ 9 ही महीने होते थे, अतः नया साल 1 अप्रैल से ही शुरू होता था लेकिन ग्रेगेरियन कैलेंडर लागू किए जाने के बाद भी जो लोग 1 अप्रैल को ही नव वर्ष के रूप में मनाते रहे, दूसरे लोगों ने उनका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया और इस तरह 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप



में मनाए जाने की परम्परा शुरू हो गई। कुछ पश्चिमी राष्ट्रों में वे लोग, जो जूलियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 25 मार्च से मानते हैं, वे वसंत के आगमन के साथ ही नए साल के आने की खुशियां मनाते हैं और एक सप्ताह तक चले इन मनोरंजक कार्यक्रमों का समापन वे 1 अप्रैल को ही करते हैं। 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ रिलीजन' तथा 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटानिका' के अनुसार भी एक अप्रैल को 'मुर्ख दिवस' मनाने का सीधा संबंध वसंत

के आगमन से ही है, जब प्रकृति मनुष्य को अपने अनियमित मौसम से मुर्ख बनाती है।

कुछ लोग अप्रैल फूल मनाने की परम्परा की शुरूआत इटली से हुई मानते हैं। प्राचीन समय से ही इटली में एक अप्रैल को एक मनोरंजन उत्सव मनाया जाता है, जिसमें स्त्री-पुरूष सभी जमकर शराब पीते हैं और नाच-गाकर खूब हुड़दंग मचाते हैं। रात के समय दावतों का आयोजन भी किया जाता है। यूरोप के कुछ देशों में भी प्राचीन काल से ही 'मूर्ख दिवस' मनाए जाने का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि इस दिन वहां मालिक नौकर की और नौकर मालिक की भूमिका अदा करता था और नौकर इस दिन मालिक से अपने मनचाहे काम कराते थे, जिन्हें मालिक भी बिना किसी विरोध के खुशी-खुशी किया करते थे।

यूनान में 'मूर्ख दिवस' की शुरूआत कैसे हुई, इस संबंध में कई किस्से प्रचलित हैं। ऐसे ही एक किस्से में कहा जाता है कि यूनान में एक व्यक्ति को खुद की बुद्धि और चतुराई पर बहुत घमंड था। वह बुद्धिमानी और चतुराई के मामले में अपने बराबर दुनिया में किसी को कुछ नहीं समझता था। एक बार उसके कुछ दोस्तों ने उसे सबक सिखाने का निश्चय किया और उससे कहा कि मध्य रात्रि के समय पहाड़ की चोटी पर आज देवता अवतरित होंगे और वहां जितने भी लोग उपस्थित होंगे, उन्हें वह मनचाहा वरदान देंगे। अपने दोस्तों की बात पर विश्वास करके वह अगले दिन सुबह होने तक पहाड़ की चोटी पर देवता के प्रकट होने का इंतजार करता रहा और जब निराश होकर वापस लौटा तो दोस्तों ने उसका खूब मजाक उड़ाया। जिस दिन यह घटना हुई, उस दिन पहली अप्रैल थी। माना जाता है कि तभी से यूनान में एक अप्रैल को लोगों को मूर्ख बनाने की परम्परा शरू हुई।

स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल को 'अप्रैल गोक' कहा जाता है, जिसका अर्थ है पपीहा और पपीहा को यहां बुद्धूपन का प्रतीक माना गया है। इस अवसर पर लोग यहां कई प्रकार की मनोरंजक व आश्चर्यजनक अफवाहें उड़ाते हैं, जिन पर लोगों को आसानी से विश्वास भी हो जाता है। आज तो दुनिया के बड़े-बड़े टी. वी. चैनल और प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाएं भी अपने दर्शकों व पाठकों के साथ 1 अप्रैल को ऐसी हंसी-ठिठौली करने में पीछे नहीं रहते।

संपादकीय

मजबूत बैंकिंग जरूरी

तकरीबन एक दशक तक फंसे कर्ज यानी गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में इजाफा होने तथा जोखिम आंकने, खासकर कॉपोर्रेट ऋण के जोखिम के अंकन में शिथिलता के बाद अब देश का बैंकिंग क्षेत्र अच्छी स्थिति में नजर आ रहा है। उसका मुनाफा बढ़ रहा है और निवेशकों का विश्वास नए सिरे से बहाल हो रहा है। हाल ही में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री तथा इंडिया बैंक्स एसोसिएशन के एक सर्वेक्षण में इसकी पुष्टि हुई है। सर्वेक्षण में 23 बैंकों को शामिल किया गया था और उसने दिखाया कि बैंकिंग क्षेत्र कई मानकों पर बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसमें परिसंपत्ति की गुणवत्ता तथा ऋण वृद्धि शामिल थी। सर्वे के निष्कर्षों में यह भी कहा गया कि बैंक अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) व्यवस्था को अपनाने को भी तैयार हैं और वे जलवायु अनुकूलन तथा उत्सर्जन में कमी की दिशा में भी कदम उठा रहे हैं। इसमें पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियां अपनाने को आर्थिक मदद देने, कागज का इस्तेमाल कम करने तथा तटीय इलाकों में जैव ईंधन का इस्तेमाल रोकने जैसे कदम शामिल हैं। ये पर्यावरण सामाजिक और संचालन (ईएसजी) पहलों का हिस्सा हैं। सर्वेक्षण में शामिल बैंकों में से 83 फीसदी ने कहा कि उनके ऋण मानक आसान हुए हैं या अपरिवर्तित रहे हैं। उन्होंने अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक वृद्धि का अनुमान दशार्या, एनपीए में कमी आने की बात कही और कहा कि क्षेत्रवार जोखिम में कमी आने की उम्मीद है। चुनिंदा क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक ऋण वितरण में इजाफा हुआ है। इसमें अधोसंरचना, लौह और इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण तथा औषधि क्षेत्र शामिल हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि ये वहीं क्षेत्र हैं जहां एनपीए का स्तर भी अधिक है। अगर इन क्षेत्रों की पहुंच आसान ऋण तक बनी रहती है तो इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। बैंकों को एक बार फिर फंसे हुए कर्ज के चक्र में फंसने से बचना चाहिए। आमतौर पर बैंक अपने बही खातों में संकटग्रस्त परिसंपत्तियों को लेकर संतष्ट हैं। सर्वेक्षण में शामिल 77 फीसदी बैंकों ने कहा कि बीते छह महीनों में उनके एनपीए में कमी आई है। आधे से अधिक बैंकों का मानना है कि अगले छह महीनों में सकल एनपीए 3-3.5 फीसदी के दायरे में रहेगा। यह आशावाद बेवजह नहीं है क्योंकि सकल एनपीए वित्त वर्ष 2018 के अंत के 11.6 फीसदी से कम होकर गत वर्ष सितंबर में 3.2 फीसदी रह गया था। फंसे हुए कर्ज में नया इजाफा भी कम हुआ है। स्वाभाविक सी बात है कि इससे बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार होगा। यह बहुत राहत की बात है क्योंकि सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के बैंक अच्छी हालत में हैं। बहरहाल भविष्य के मनाफे को लेकर चिंता बरकरार है। सर्वेक्षण में अधिक ब्याज दर वाले जमा की ओर स्पष्ट बदलाव देखने को मिला। करीब 70 फीसदी बैंकों ने कहा कि कुल जमा में करंट अकाउंट सेविंग्स अकाउंट (कासा) जमा की हिस्सेदारी कम हुई है।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतों की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भिक्त से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चिरित्रों और ह्थों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुखुख से पर रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चक्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सिम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चक्रों से आज्ञा चक्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चक्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार किलयुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं।

कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धि तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चक्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं। आज्ञा चक्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चक्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

भाजपा में शामिल होने वालों की हुयी किरकिरी



न दिनो बीजेपी में कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों से आने वाले नेताओं को शामिल करने का सिलसिला लगातार जारी है। दूसरे दलों के दागी नेताओं को भी

भाजपा में दनादन शामिल कर उन्हे दाग मुक्त किया जा रहा है। लेकिन हाल ही में भाजपा के जयपुर मुख्यालय पर एक अजीब ही नजारा देखने को मिला जिसे देखकर भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं की किरकिरी हो रही है।

भाजपा से निष्कासित नेताओं की घर वापसी मजाक का पात्र बन रही है। गत दिनो इसी तरह का नजारा भाजपा कार्यालय में देखने को मिला। जहां सीकर, झुंझुनू से आए नेता और कार्यकताओं को चार घंटे इंतजार के बाद भी भाजपा में ज्वाइनिंग नहीं हो पाई। उन्हें बैरंग ही अपने घर लौटना पड़ा। सीकर जिले के फतेहपुर से पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा टिकट नहीं मिलने पर निर्दिलिय चुनाव लड़ने वाने पूर्व विधायक नन्दिकशोर महरिया अपने समथकों को लेकर भाजपा कार्यालय में घर वापसी करने आये थे। उन्हीं की तरह फतेहपुर नगर पालिका के पूर्व चैयरमैन मधूसुदन भिंडा, झुंझुनू से निर्दिलिय चुनाव लड़ने वाले राजेन्द्र भाम्भ, पिलानी से निर्दलिय चनाव लंडने वाले कैलाश मेघवाल अपने काफी समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल होने आये थे। भाजपा कार्यालय में चार घंटे तक इंतजार करवाने के बाद भी उनको कियी ने पार्टी की सदस्यता नहीं दिलवायी तो मजबूरन उन्हे



भाजपा में शामिल हुये बिना ही बैरंग अपने घर लौटना पड़ा। इस घटना पर कई नेताओं ने अपने अपमान पर भाजपा नेताओं को खरी-खरी भी सुनाई।

चर्चा है कि इस घटनाक्रम से पहले सभी नेताओं ने चार घंटे तक नरेन्द्र मोदी के जयकारे भी लगवाये गये। मगर फिर भी इन्हें भाजपा में शामिल नहीं किया गया। मीडिया से बात करते हुए नंदिकशोर महरिया ने कहा कि छात्र जीवन से ही वह एबीवीपी से जुड़े रहें हैं। उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि भी भाजपा की रही है। उनके बड़े भाई सुभाष महरिया भी तीन बार भारतीय जनता पार्टी से सांसद व बाजपेयी सरकार में मंत्री रहे हैं। वो खुद भी 2013 में फतेहपुर से निर्दलीय विधायक बने और उसके बाद भी विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी की नीति के साथ रहे। उन्होंने बताया कि 2018 व 2023 में पार्टी से टिकट मांगा था लेकिन किसी कारण से नहीं मिला। भावनाओं में आकर निर्दलीय चुनाव लड़ा लेकिन अब भी पार्टी से जुड़ाव है। ऐसे में भाजपा का दमन थामने आए हैं। 2023 विधानसभा चुनाव में फतेहपुर सीट से नन्द किशोर महिरया ने जेजेपी पार्टी से ताल ठोकी थी। उनके प्रचार अभियान में जेजेपी और हिरयाणा के चौटाला परिवार के दिग्गज नेता भी शामिल हुए थे। लेकिन चुनाव नतीजों में वे तीसरे नंबर पर रहे थे। इससे पहले नन्द किशोर महिरया 2003 और 2008 में फतेहपुर से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। 2013 में टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनाव

लड़कर विधायक बने थे। झुंझुनू के राजेंद्र भांभू ने कहा कि विचारधारा से हम शुरू से ही संघ पृष्ठभूमि के लोग हैं। राष्ट्रवाद हमारे अंदर कूट-कूट कर भरा हुआ है. विधानसभा चुनाव में कुछ बातों को लेकर पार्टी से बगावत की थी। एक व्यक्ति विशेष को हमने स्वीकार नहीं किया। इसलिए निर्दलीय चुनाव लड़ने का कदम उठाना पड़ा। हालांकि वैचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी से रंगे बसे हैं इसलिए घर वापसी के लिए आए हैं। भाम्भू 2018 में भाजपा टिकट पर झुंझुनू से विधानसभा चुनाव लड़ कर हार चुके थे।

वहीं पिलानी के कैलाश मेघवाल ने कहा कि वो पार्टी

के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। काफी सालों से पार्टी से जुड़े हुए हैं। लेकिन किसी परिस्थितियों के चलते 2023 में विधानसभा से टिकट कट गया। इसके चलते निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ा लेकिन इस गलती को मैंने भी एहसास किया। अब फिर से पार्टी के साथ जुड़ने का फैसला किया। इस बात की खुशी है कि पार्टी ने 6 साल की बजाय 3 महीने में ही घर वापसी का मौका दिया है। कैलाश मेघवाल भाजपा से प्रधान रह चुके हैं तथा 2018 में भाजपा टिकट पर पिलानी सीट से चुनाव लड़ कर हार चुके हैं। इनके पिता सुन्दरलाल सूरजगढ़ व पिलानी से आठ बार विधायक व मंत्री रह चुके हैं। फतेहपुर से मधूसुदन भिंडा के पिता फूलचंद भिंडा भाजपा से विधायक रह चुके हैं।

दरअसल, राजेंद्र भांभू, कैलाश मेघवाल, मधूसुदन भिंडा और नंदिकशोर महिरया को 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिला था। इस पर चारों ने बगावती तेवर अपनाते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ा। नंदिकशोर महिरया व मधूसुदन भिंडा ने फतेहपुर से राजेंद्र भांभू ने झुंझुनू और कैलाश मेघवाल ने पिलानी सीट से भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा। पार्टी के खिलाफ जाकर चुनाव लड़ने वाले राजेंद्र भांभू और कैलाश मेघवाल को पार्टी ने 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था।

भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं को पार्टी में शामिल नहीं किये जाने के अलग-अलग कारण बताये जा रहें हैं। लोगों का कहना है कि जिन्होंने पार्टी टिकट पर चुनाव लड़ा था उनके विरोध के चलते इनकी घर वापसी नहीं हो पायी। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि भाजपा हर किसी को शामिल कर रही है। ऐसे में इनको इंतजार करवा कर खाली हाथ घर भेजने के पीछे पार्टी से जुड़े किसी बड़े नेता का हाथ बताया जा रहा है। बहरहाल इनके साथ चैबे जी छब्बे जी बनने के चक्कर में दुबे जी बन गये वाली कहावत चिरतार्थ हो रही है। इस घटना के बाद भाजपा में शामिल होने वाले विशेष सतर्कता बरतने लगे हैं कि कहीं उनके साथ भी ऐसा खेला ना हो जाये।

ईमानदारी पर सिर्फ हमारी ठेकेदारी



ष्ट्रीय राजनीति में दे दनादन चौके-छक्के मारकर तुरत-फुरत बड़ा स्कोर जुटाती हुई, देश के अनेक राज्यों में अपने मजबूत पांव फैलाती हुई और चारों तरफ मोदी विरोध का डंका बजाती हुई, आम आदमी पार्टी के कट्टर ईमानदार और पार्टी के पितृपुरुष सर्वेसर्वा ईमानी नेता को लेकर भाजपा सरकार के परम पुनीत प्रवर्तन निदेशालय ने अंततः अपना मनचाहा संकल्प पूरा किया और भाई को सलाखों के पीछे पहुंचाकर ही दम लिया।

एक तरफ कट्टर ईमानदार सरकारी प्रधान, दूसरी तरफ कट्टर ईमानदार आम पार्टी का ईमानी नेता। दो कट्टर ईमानदारों के बीच जानमारू प्रतिद्वंद्विता के उग्र स्वरूप को देखकर हमारे झल्लन का दिल भर आया और वह अपनी सहानुभृति का टोकरा लेकर फिल्मी तर्ज पर भृतिया वेश में ईमानी नेता को कैद में रखने वाली सलाखों के निकट चला आया। उसने अपनी आवाज में दर्द पिरोया, आंखों को आंसुओं से धोया, फिर बोला-हम अपनी पूरी हमदर्दी लेकर आये हैं और आपके लिए दो-चार ठो सवाल भी लाये हैं। तो भाईजान, आप पहले व्यक्ति हैं जो मुख्यमंत्री के पद को भी अपने साथ जेल में ले आये हैं, इसके लिए आपको बधाई कि आप एक नया विश्व कीर्तिमान बनाए हैं। अब आगे आपकी रणनीति क्या होगी, आप बाहर आएंगे या यहीं रहकर अपना चुनाव अभियान चलाएंगे? अब यहां आपको कैसी अनुभूति हो रही है,



कहीं आपकी हिम्मत तो जवाब नहीं दे रही है? ईमानी नेता-तुमने पूछा हिम्मत के बारे में, तो हमारा सीना भले 56 इंच का न हो लेकिन फौलाद का सीना है जो कभी हिम्मत नहीं हारता है, और जो हमें डराने की कोशिश करता है उसे ही डरा डालता है। मौजूदा सत्ता हमसे डर गयी है, उसे लगता है कि हम आ जाएंगे तो उनकी सरकार और उनकी पार्टी को खा जाएंगे। सो उन्होंने षड़यंत्र का चक्रव्यूह रचवाया है, हमें जेल भिजवाया है।

झल्लन-मतलब यह कि जो शराब घोटाला सामने आया है, जिसने इतना उत्पात मचाया है वो आपके हिसाब से हुआ ही नहीं, सब दारू में डूब गये मगर किसी ने दारू को छुआ नहीं?

ईमानी नेता-जाहिर हैं सब खेल हमें परेशान करने के लिए रचाया गया है, हमारे नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर जेल में डलवाया गया है। झल्लन-अच्छा, जब आप आरोप लगाते थे, भ्रष्ट और चोर नेताओं की सूची बनाकर मंच से सुनाते थे, उन्हें बार-बार जेल का हकदार बताते थे, तो तब उन पर आप किस आधार पर आरोप लगाते थे, किस बिना पर उन्हें चोर-भ्रष्टाचारी बताते थे?

ईमानी नेता-उनके कारनामे तो एजेंसियां उजागर करती थीं, हमें बताती थीं।

या, हम बताता था। झल्लन-यानी जब औरों पर एजेंसियां आरोप लगाएं तो वे सही होती हैं पर जब आपको आरोपित ठहराएं तो वे गलत और षड़यंत्रकारी होती हैं। खैर, अच्छी बात है कि आप अपने सही और न्यायनिष्ठ होने का फैसला स्वयं अपने हक में कर लेते हैं इसलिए किसी भी एजेंसी के सम्मन को दरिकनार कर देते हैं। लेकिन यह बताइए कि जिस कांग्रेस के भ्रष्ट नेताओं की आप सूची जारी किया करते थे और जिस कांग्रेस के नेता कुछ समय पहले तक आपको शराब घोटाले का सूत्रधार बताया करते थे, आपकी गिरफ्तारी की मांग किया करते थे, आप उसी कांग्रेस से हाथ मिला रहे हैं और अपनी जेल मुक्ति के लिए उसी से करुण गुहार लगा रहे हैं। क्या आपका जमीर आपको कोंचता नहीं है, आपसे कुछ पूछता नहीं है?

ईमानी नेता-हम कट्टर देशभक्त हैं, देश बचाना चाहते हैं, देश का संविधान बचाना चाहते हैं, अपने देश के लिए हम जमीर की कुबानीं दे सकते हैं और संविधान बचाने के लिए कांग्रेस तो क्या, भ्रष्ट से भ्रष्ट व्यक्ति का भी साथ ले सकते हैं।

झल्लन-तो आप कह रहे हैं कि भ्रष्ट लोगों से हाथ मिलाए बिना आप संविधान नहीं बचा सकते, या कहना चाहते हैं कि बिना उनके आप सत्ताधारी पार्टी को नहीं हरा सकते? या बिना इस भ्रष्ट कुनबे के आगे दंडवत किये आप अपनी महत्वाकांक्षानुसार प्रधानमंत्री पद की दौड़ में आगे नहीं आ सकते?

ईमानी नेता-ये सारे आरोप गलत हैं, हम संविधान बचाने आये थे, सो संविधान को हर हाल में बचाएंगे। संविधान बचाने में पूरी ईमानदारी दिखाएंगे और ईमानदारी पर अपनी ठेकेदारी किसी भी सूरत में नहीं

झल्लन-चिलए ठीक है, न खाता न बही जो आप कहें वही सही। पर ये तो बताइए, जब आप जेल आ रहे थे तो आपके मन में क्या खयाल आ रहे थे? आपने क्यों नहीं सोचा कि परंपरानुसार पद से इस्तीफा दे देते और नैतिकता के पालन का थोड़ा श्रेय ले लेते?

आर नीतकता के पालन का थोड़ा श्रेय ले लेत? ईमानी नेता-सुनो मियां झल्लन, जिस नैतिकता की तुम बात कर रहे हो वह प्रजाति अब विलुप्त है, राजनीति के कब्रगाह में सुप्त है। अब जो हम सोचें, जो हम कहें, जो हम करें वही नैतिक होता है इसके अलावा जो भी कुछ होता है वह अनैतिक होता है। कोई कुछ भी कहे हम किसी के झांसे में नहीं आएंगे, हम जेल में हैं तो जेल से ही प्रचार करेंगे और जेल से ही अपनी सरकार चलाएंगे, और अब अगली बातें अगले इंटरव्यू में बताएंगे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Wangchuk's fast, a national cause

THIS is the week of the Passion of Jesus Christ the etymological roots of the word 'passion' lie in the Latin term passio, which means suffering. Prayerful submission to suffering and death that enables resurrection and eternal life are leitmotifs of all civilisations and ritually re-enacted as spiritually cleansing acts. In politics, it gets re-enacted as martyrdom, the ultimate act of resistance. Manutana Gandhi's Satyagraha, for many, was the most successful re-enactment of this tapasya that inflicted maximum pain on the Satyagrahis themselves, who sought to break the shackles of slavery to walk into a new dawn of freedom.Earlier this week, renowned Ladakhi innovator, educationist and climate activist Sonam Wangchuk completed a 21-day fast to save the fragile Himalayas. The fast has immense symbolic significance at various socio-political and ritualistic levels. Gandhi's longest fast went on for 21 days, and Wangchuk is determined to keep that as the benchmark to pursue this path of resistance of the soul force against the Union Government and its bureaucracy. His demands need to be closely read, most importantly the one about 'nature representatives' in Parliament.

It might sound odd, but a 'nature representative' makes immense sense. For 60,000 square km of Ladakh's territory, there is just one Member of Parliament, whose voice is obviously not heard. Ladakh is being governed by bureaucrats since the bifurcation of Jammu and Kashmir on August 5, 2019. The promise made by the BJP in its 2019 manifesto to include the Union Territory in the Sixth Schedule of the Constitution remains a dead letter. There is a democratic vacuum in the crown of the Indian state; this is a sad and dangerous situation.By fasting and also sleeping outdoors with 300 other Satyagrahis in minus 12°C, Wangchuk inflicted immense pain on himself to make the rest of the country see the perilous path of development without participation that the government has undertaken in Ladakh. This is a global hotspot. Two of the biggest nuclear-armed armies of the world are in an eyeball-to-eyeball confrontation there. But it is also a climate flashpoint with its fragile ecology and the glaciers that ought to be protected for all times to come.

The fight for political representation in Ladakh is not for crumbs of power, but to protect the cold desert and allay the fears in the minds of the Ladakhis, who are the first line of defence against any Chinese design. Thus, Wangchuk's Satyagraha is a national cause. He is demanding full statehood and protection of the UT under the umbrella of the Sixth Schedule. The district and regional councils under the Schedule, obviously, can pose impediments to speedy implementation of decisions that need to be taken in the interests of national security. But that does not mean that the local population can be completely ignored by rolling out the Ladakh Industrial Land Allotment Policy 2023, which does not offer meaningful local representation in the crucial committees envisaged for single-window clearance for land allotment. The three single-window clearance committees at the district, department and state levels do not instil confidence in the minds of the local people that their concerns would be addressed. Wangchuk is obviously being romantic when he asks people of Mumbai and Delhi to live simply and not overexploit nature.

What Michael Douglas' character Gordon Gekko says in the Hollywood movie Wall Street —"greed is good" — is the basic mantra for 'development' as we understand it. But Wangchuk wants us to rethink this mantra looking at the glaciers, the valleys, the mountains, the grazing lands and a way of life that would get overwhelmed by investments, migrant workers and new owners. In short, can India replicate the Chinese model of infrastructure development on the border by creating new villages?India's with China are non-negotiable, but so is the democratic process of honouring the sentiments of the local population. India, of course, will not do to Ladakhis what China has done to Tibetans. But this assurance needs to be given at the highest levels of the Union Government, instead of making Wangchuk lead another round of protest, which will make the people more apprehensive and restive.

Bridge the skill gap

Despite affirmative measures taken by the government, there is scope for reconsideration of the public employment policy.

INITIATED over three decades ago, economic reforms are still being implemented vigorously. A key promise of these reforms was to free the manufacturing sector from the shackles of regulation for achieving higher levels of income and employment to fulfil the aspirations of the growing working-age population. The reforms have accelerated the pace of economic growth, raising the stature of the Indian economy. But higher income growth has not generated adequate employment opportunities as the main driver of growth has been the services sector rather than the manufacturing sector.

The India Employment Report 2024 has revealed a soaring unemployment rate over the past two decades. The rate has increased from 2.1 per cent in 2012 to 5.8 per cent in 2019, with a marginal decline to 4.1 per cent in 2022. From 2000 to 2022, the labour force participation has gone down from 61.6 per cent to 55.2 per cent. Similar trends were observed in the workforce participation rates. Consequently, the number of unemployed persons aged 15 or above, both in rural and urban areas, increased from 92 lakh in 2000 to 2.9 crore in 2019. A decadal comparison (2012 to 2022) shows that there was a rise of 1.25 crore unemployed people — from 1.04 crore in 2012 to 2.29 crore in 2022. On an annual basis, 70-80 lakh youth are added to the workforce; their productive engagement could help India reap the demographic dividend. The share of unemployed youth in the total unemployed population was 82.9 per cent in 2022. The proportion of educated unemployed youth among all jobless people increased from 54.2 per cent in 2000 to 65.7 per cent in 2022. Among the educated youth, the share of women with secondary education or above was 14.5 percentage points higher than that of the men. The level of education and unemployment rates are highly correlated — as the level of education increases, the rate of unemployment rises. This is usually described as a mismatch in terms of the skills that are required by the employer but the workforce does not possess. Even the Skill India Mission has not been able to address this burgeoning skill gap due to its focus on the supply side while ignoring the demand side.

The employment composition of the workforce in three categories — self-employed, regular and casual employment — shows that the self-employed ones account for a large proportion of the employed workers. When we compare youth with adult workforce in selfemployment, the former was of the order of 50 per cent in 2000 and declined marginally to 48 per cent in 2022. However, this went up from 54 per cent in 2000 to 58 per cent in 2022 in the case of the adult workforce. Young persons are more likely to be employed for unpaid family work in the self-employment category than adults. This is considered an inferior form of work because it does not lead to an independent income or an increase in participation, especially of women, in the



public sphere. Since the preference of the youth is to be employed in regular work, this does not necessarily mean an improvement in the quality of the job because of the absence of written contracts and non-availability of social security benefits.

The labour market discrimination, as indicated by the differences in the average monthly income of male and female workers (self-employed and casual work), shows that women are paid less than their male counterparts. However, in the category of self-employment (regular work), women are receiving higher monthly wages than men.An important feature of the structure of the workforce across sectors — agriculture, industry and services — has been the shift from agriculture to mainly services and somewhat in the industrial sector. These trends have been halted, as indicated by the 8.9 per cent growth of employment in the agriculture sector during 2019-22. This reversal, compared with the earlier trend, has been attributed to the distress reflected in the mass movements that originated in the countryside. A recent rise in participation of the female workforce in the countryside shows that distress has forced the workforce to take up low-quality, low-wage and low-productivity jobs.Despite the affirmative policy measures by the Union and state governments, there is scope for reconsideration of the public employment policy to tackle the grim employment situation. The 2024 report has proposed five sets of policy suggestions. First and foremost is the strategy to revive the manufacturing growth momentum while integrating macroeconomic and other policies to boost productive non-farm employment opportunities. Greater attention should be paid to MSMEs (micro, small and medium enterprises), especially by providing more support while following a decentralised approach. The second set of policies should focus on improving the quality of employment. For this, investment and regulation are required in the emerging employment-providing sectors such as the care sector and digital economy that employ young people. The third set should concentrate on boosting female participation in the workforce to reduce inequality, along with an improved quality of work and social safety net. The fourth set of policies is required to overcome skill mismatch. Public policy should tackle both demand and supply sides. Finally, it is suggested that the deficit in knowledge on labour market patterns and youth employment be bridged. There is a need to revamp the statistical system to provide reliable figures related to emerging forms of employment to shape effective policy measures. Thus, the government has to avoid adverse public policy measures and choose alternatives for ensuring sustainable growth.

Famine in Gaza

World must push Israel to obey ICJ order

ROUSED by the worsening famine and starvation among Palestinians in Gaza, the International Court of Justice (ICJ) on Thursday ordered Israel to take immediate measures to alleviate the humanitarian crisis. The ICJ's directive mandates Israel to open additional land crossings to facilitate the unimpeded entry of essentials into Gaza. This is critical in view of the shocking reports that 31 persons, including 27 children, have succumbed to malnutrition and dehydration. In January, the international court had

potentially contravening the Genocide Convention. Earlier this month, the WHO warned that over a million Gazans could face catastrophic hunger as they struggle to procure food. Aid agencies have been striving

to deliver essential supplies, but their efforts are often hampered by restrictions. The EU has accused Israel of



using starvation as a weapon of war, while the UN human rights office has raised concerns that aid curbs may constitute a war crime. However, the ICJ lacks an

enforcement mechanism, underscoring the need for Israel's voluntary compliance and cooperation with the UN to ensure the timely delivery of food, water, fuel and medical supplies. Meanwhile, there is no let-up in the hostilities, with Israel's military assault exacerbating the suffering of Palestinians. The war, which began last October, has claimed tens of thousands of lives and displaced a significant portion of Gaza's population. It is imperative for the international community to exert pressure on Israel's staunchest ally, the US, must do more than express frustration; it should provide military aid to Israel only on the condition of sparing civilians and prioritising the facilitation of aid. The world cannot afford to

remain a bystander while Gaza tragically sinks deeper into the mire.

Improve lives of poor

The gender gap in employment is glaring, and it belies the rhetoric of successive governments in the last two decades.

THE most telling response to the 'India Employment Report 2024: Youth employment, education and skills', brought out by the International Labour Organisation and the Institute for Human Development, came from Chief Economic Adviser V Anantha Nageswaran. He said while releasing the report that it was not for the government to keep creating jobs, and that private enterprises must do it. It might appear as a stark statement, which both hides and reveals the failure on the economic front of the NDA government, which boasts of a high growth rate, relatively speaking, and India getting to be among the top five economies in the world. India is heading to be a \$7-trillion economy by 2030. One would assume that a prosperous, vibrant and growing economy would also mean that most of the working people are employed. During the UPA rule, critics carped about jobless growth. The report says that the growth in employment from 2000 to 2019 was stagnant, and it was the Covid-19 pandemic and the post-pandemic period that saw an increase in employment. The paradox of an increase in employment during the pandemic years is obvious. Open unemployment — which is not a suitable indicator to measure the underutilisation of the labour force in developing countries like India as not many people can afford to remain unemployed has become rare. The key concern is underemployment, where people work for lower wages and in jobs for which they are overqualified. During the pandemic and post-pandemic years, there has been an increase in rural employment, especially in agriculture. More women were working as part of the rural resurgence in employment, whereas the general trend in the first

two decades of this century was a decrease in rural employment because people migrated to cities for jobs in construction and service sectors. And women's participation in the labour force has been lagging behind that of

In 2022, underemployment stood at 7.5 per cent compared to 8.1 per cent in 2012 and 9.1 per cent in 2019. The year 2022 stands out as an unusual period, as can be seen in the labour force participation rate (LFPR). There was a decline in the LFPR from 61.6 per cent in 2000 to 50.2 per cent in 2019. The LFPR climbed to 55.2 per cent in 2022. The trend is partly reflected in the figures for the labour force and the

workforce — the number of people who have the potential to be employed and the number of people employed. The labour force figure was 39.63 crore in 2000 and 49.5 crore in 2019. While the labour force grew by nearly 10 crore in the 19 years, the workforce increased by 7.94 crore, leaving 1.98 crore 'openly unemployed'. The number of those unemployed was steep at 1.86 crore between 2012 and 2019. The workforce increased from 46.65 crore in 2019 to 54.4 crore in 2022, an increase of 7.8 crore. The pandemic has been a major pivot in employment trends that need to be studied closely. It shows how the rural sector helped poor people more than any government intervention, something that Prime Minister Narendra Modi and his team would be reluctant to acknowledge.

The gender gap in employment is glaring, and it

contrasts with the rhetoric of successive governments in the last two decades. The labour force participation rate for men in 2000 was 83.6 per cent; it fell to 79.8 per cent in 2012 and further to 75.5 in 2019 before rising modestly to 77.2 in 2022. The figures for women were 38.9 per cent in 2000, 31.2 in 2012, 24.5 in 2019 and 32.8 in 2022. The gap is too wide. There are other aspects of the job challenges that India faces. From 2000 to 2022, employment decreased in rural areas and in agriculture. The pandemic reversed the trend temporarily, and employment increased in urban areas. This was in the services and construction sectors, not in manufacturing. Employment in the manufacturing sector remained stagnant in the two decades. And the report emphasises the fact that it is the manufacturing sector that creates the maximum number of jobs, despite the digitalisation of the

process. It also says that the majority of the younger segment of the youth are better educated than before, but they aspire to have white-collar jobs. Very few among the youth choose vocational training. The older youth with lower educational qualifications continue with low-paying, semiskilled jobs.An important finding of the report is that the informal economy and informal employment are predominant trends, and that even in the formal sector, it is informal employment that is the norm. It is a fact that wages in the informal sector are low compared to formal

employment. This is likely to be explained by progovernment economists as a social characteristic of the Indian economy because the GDP growth is good enough for the ruling class to thump its chest. The irony would be that India could become the third largest economy after the US and China, but it will remain a low middle-income country where people have to struggle to eke out a living. It may be impractical to expect that a growing economy will provide well-paid jobs for all. At the same time, it would be rather immoral to boast about national glory when most of the people are at the bottom of the heap. This is less about inequality and more about basic livelihood. The question remains: is a vibrant economy meant to improve the lives of people, or are the people there to make the economy grow while they remain on the margins?



Fourth quarter will also have...': Nirmala Sitharaman bets on 8% growth

NEW DELHI. Finance Minister Nirmala Sitharaman said India's gross domestic product (GDP) is on track to grow by 8% in the fourth quarter of FY24, maintaining the momentum from the previous three months.

India's GDP grew by 8.4% in the third quarter of FY24, much higher than the 7.6% growth record in the previous quarter. Sitharaman said the Indian economy is likely to see the same rate of year-on-year expansion for the entire financial year, highlighting the impact of improved inflation management and macroeconomic stability."Hopefully the fourth quarter ... will also have (growth) of 8% or above 8% resulting in 2023/24 having an average growth in GDP of 8% or over 8%, news agency Reuters quoted Sitharaman as saying during an event in the financial hub of Mumbai.

It may be noted that the GDP data for the fourth quarter will be released on May 31.Latest government estimates project the Indian economy to grow at 7.6%

HDFC Bank Proposes To Sell Its Subsidiary HDFC Education

New Delhi. HDFC Bank has decided to sell its 100 per cent stake in HDFC Education and Development Services Private Ltd. The transaction will be undertaken through the Swiss challenge method, HDFC Bank said in a regulatory filing on Saturday.

'In this regard, HDFC Bank has, on March 30, 2024, entered into a binding term sheet with an interested party, and the offer contained in such term sheet shall serve as the anchor/base bid to seek counter offers from other parties interested in participating in the aforesaid Swiss challenge process," it added. (Also Read: One New IPO This Week: Check Subscription Dates, Price Band, Lot Size, And More)

HDFC Bank will finalise the purchaser on the basis of the completion of the Swiss challenge process, it said, adding that after which the bank and successful bidder would enter into definitive documentation for the purposes. HDFC Education is engaged in providing services to three education schools, it said.

One New IPO This Week: Check Subscription Dates, Price Band, Lot Size, And More

New Delhi. After a bustling month of March, the IPO market gears up for a flurry of activity in the first month of the new financial year, 2024-25. Investors can expect several mainboard and SME IPOs to hit the subscription lane. There may be good opportunities for investment.

There is only one IPO set to hit Dalal Street next week i.e. Bharti Hexacom Limited IPO.Bharti Hexacom Limited IPOOne of the notable IPOs lined up for April is Bharti Hexacom Limited, a subsidiary of telecom giant Bharti Airtel Limited. The company operates primarily in Rajasthan and the North Eastern states. (Also Read: 'Why Aren't You Going On Holiday?': Boss's Bizarre Question To Fired Employee Goes Viral)

Bharti Hexacom Limited IPO: Subscription Dates Bharti Hexacom is set to launch its public offer on April 3, and the subscription window closes on April 5.

Bharti Hexacom Limited IPO: OFS The public offer amounts to Rs 4,275 crore and comprises entirely of an offer for sale (OFS) of 7.5 crore shares.

Bharti Hexacom Limited IPO: Price Band The IPO price band has been fixed at Rs 542 to Rs 570 per

Bharti Hexacom Limited IPO: Lot Size

The minimum lot size for the application is set at 26

Gold hits a new record, best month in over 3 yrs

HYDERABAD. A week after it vaulted over the \$2,200/oz mark in international markets for the first time, gold touched yet another life-high of \$2,236 in the wee hours of Friday. In March, it has gained 9.3%. logging its best month since July 2020 (see graphic).

Though MCX remained closed on account of Good Friday, prices of 24k gold were quoting above Rs 70,000 per 10gm (including import duty & GST) in the local market. With the yellow metal closing at an all-time high of \$2,233, Indian Bullion and Jewellers Association national secretary Surendra Mehta said it may well open \$30-40 higher on Monday.

'Gold has gone off the charts. If it keeps growing at this rate, it will become more of an investment commodity than a consumer item. Once that happens, it will only



go up higher," said Mehta, pointing out that the latest jump could be attributed to heavy buying by China in addition to buying by central banks of other countries. Avinash Gupta, former director of All India Gems & Jewellery Domestic Council, said prices are moving on technicals only as there is no change in fundamentals except for increased buying by central banks. "The technical support is so strong that now, we are looking at \$2,350." But the more gold dazzles, the more it loses its sheen for jewellery consumers. "Jewellery business is down everywhere to just 30% of normal levels due to rising prices," Gupta said.

Healthy, tough competition in Indian aviation market; price sensitive too: IndiGo CEO

NEW DELHI. There is healthy and tough competition in the Indian market, which is also price sensitive, the country's largest airline IndiGo's chief Pieter Elbers said and emphasised that there is an enormous demand for travel. At the helm of the airline having a domestic market share of little over 60 per cent and more than 360 aircraft in its fleet, Elbers also mentioned that overall price levels in India are "very very competitive", something that he thinks one should take "as part of the change in India itself and the diversity of India".

While air traffic continues to rise and airlines expand their operations by connecting new destinations, there are also concerns in certain quarters about airfares being higher, especially during peak seasons.

Air ticket prices in the country are deregulated, and fares are mostly a function of supply and demand. In a recent interview with PTI, Elbers said there is healthy and tough competition in the Indian market."Indian consumers are really eager to travel, but it is also a pricesensitive market. What I see is that whenever a new route is announced, there



is enormous demand from consumers to travel," the IndiGo CEO said. The country is one of the world's fastest-growing civil aviation markets.

On average, the number of daily domestic air traffic is around 4.3-4.5 lakh, and domestic airlines carried more than 15.20 crore passengers in 2023."India is indeed a price I think you should take it as part of the sensitive market, and we see some

fluctuations in the prices...the natural fluctuation of fares, we see it for hotels, we see it for other businesses and airlines as well."If you look at the overall price level in India, it is very very competitive, if not low, compared to some other parts of the

India," Elbers said. According to travel portal Cleartrip, airfares are likely to remain higher in the short term and up to 15 per cent higher till May compared to the year-ago period."Due to the ongoing supply chain and engine issues, there is a muted outlook on the capacity addition. This will lead to a high-fare environment for domestic travel. We're running at 15 per cent higher fares than last year in March. A similar trend is expected in April. Both are compared to last year," Cleartrip CEO Ayyappan Rajagopal said. Earlier this month, Akasa Air Founder and CEO Vinay Dube said that airfares in India are incredibly. airfares in India are incredibly affordable.In February this year, a Parliamentary panel proposed routespecific capping of airfares and setting up of a separate entity to exercise control over air ticket prices, amid concerns in various quarters about surging fares. After considering the responses from the Civil Aviation Ministry on airfares, the committee said that self-regulation of ticket prices by airlines has not been

Infosys to get refund of Rs 6,329 crore from the tax department

Infosys to receive Rs 6,329 crore refund from Income Tax

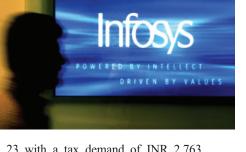
department Company discloses tax liability of Rs 2,763 crore for 2007-08 to

IT giant to release Q4FY24 results on April 18

2018-19

New Delhi Infosys is set to receive a refund of Rs 6,329 crore from the Income Tax department, the company announced in a recent stock exchange filing.It also disclosed a tax liability of Rs 2,763 crore in connection with assessment orders from 2007-08 to 2018-19."Infosys received orders under Section 250 & 254 of the Income Tax Act, 1961 from the Income Tax Department, Government of India for assessment years 07-08 to 15-16, 17-18

& 18-19 during the quarter. As per the orders the Company expects a refund of INR 6,329 crores (including interest)," said Infosys."The Company has also received an assessment order under Section 143(3) of the Income Tax Act, 1961 for assessment year 22-



23 with a tax demand of INR 2,763 crores (including interest) and under Section 201 & 201 (1A) of the Income Tax Act, 1961 for assessment year 11-12 with a tax demand of INR 4 crores (including interest)," read the exchange filing.Infosys stated that it is currently assessing the impact of these orders on

and fiscal year ending March 31, 2024. The company clarified that its income tax expense include current and deferred income tax and is contemplating filing appeals against these orders.

Furthermore, an Infosys subsidiary is expected to receive refund orders under various sections of the Income Tax Act, 1961, totaling Rs 14 crore for assessment years 2007-09 and 2016-17. The IT giant is scheduled to release its fourth-quarter results for fiscal 2024 and offer revenue guidance for fiscal 2025 on April 18 after market close. It may be noted that global brokerage firm Morgan Stanley reaffirmed its Overweight rating on Infoss,

setting a price target of Rs 1750, signaling a 17% upside potential from its previous closing price of Rs 1498.05 on March 28. The firm cited Infosys's robust execution and innovative service offerings as key factors behind its positive outlook.

Last day to file updated ITR: Here's all you need to know

New Delhi. The deadline for filing the updated income tax return (ITR) of March 31 is here, and missing this deadline could result in penalties of up to Rs 10,000. This deadline refers to filing the updated return for any of the assessment years 2021-22, 2022-23, and 2023-24.

So, if you haven't yet filed your updated ITR, now's the time to prioritise this task. However, rushing at the last minute may lead to errors, hence it requires attention. As per Section 139 (8A) of the I-T Act, ITR-U can be filed within two years from the conclusion of the concerned financial year.

What exactly is updated ITR (ITR-U)?

It was introduced in the Union Budget 2022 by the government. The concept of the updated ITR (ITR-U) aims to facilitate tax compliance without legal repercussions. It allows individuals to correct mistakes, under-reporting, or misreporting income in their original tax return. Those who missed the initial filing deadline can also utilise ITR-U. Failure to file or errors in filing can result in notices and penalties of up to 300% of the tax evaded.

When's the deadline to file updated ITR?

The updated ITR can be filed within 24 months from the end of the relevant financial year. For the assessment year 2021-22, the deadline to file updated returns is March 31, 2024. In the current



443 infra projects hit by cost overrun of Rs 4.92 lakh crore in Feb 2024

NEW DELHI. As many as 443 infrastructure projects, each entailing an investment of Rs 150 crore or above, were hit by a cost overrun of more than Rs 4.92 lakh crore in February 2024, an official report stated. According to the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI), which monitors infrastructure projects worth Rs 150 crore and above, out of 1,902 projects, 443 reported cost overruns and 764 projects were delayed.

'Total original cost of implementation of the 1,902 projects was Rs 27,08,030.44 crore, and their anticipated completion cost is likely to be Rs 32,00,507.55 crore, which reflects overall cost overruns of Rs 4,92,477.11 crore (18.19 per cent of original cost)," the ministry's latest report for February 2024 solid 2024 said.

ccording to the report, the expenditure incurred on these projects till February 2024 is Rs 16,76,739 crore, which is 52.39 per cent of the anticipated cost of

the projects. However, the number of delayed projects decreases to 568 if the The average time overrun in these 764 delay is calculated on the basis of the latest schedule of completion, it added.



Further, it said that for 389 projects, neither the year of commissioning nor the tentative gestation period has been reported.Out of the 764 delayed projects, 188 have overall delays in the range of 1-12 months, 185 have been delayed for 13-24 months, 275 projects for 25-60 months, and 116 projects have

been delayed for more than 60 months.

delayed projects is 36.27 months.Reasons for time overrun, as reported by various project implementing agencies, include delay in land acquisition, obtaining forest and environment clearances, and lack of infrastructure support and linkages.

Delays in tie-up for project financing, finalisation of detailed engineering, change in scope, tendering, ordering and equipment supply, and law and order problems are among other reasons. The report also cited state-wise lockdowns due to COVID-19 (imposed in 2020 and 2021) as a reason for the delay in the implementation of these projects. It has also been observed that project executing agencies are not reporting revised cost estimates and commissioning schedules for many projects, which suggests that time/cost overrun figures are under-reported, it

financial year, updated returns can be filed for AY 2021-22 (FY 2021) and AY 2022-23 (FY 2022).

What are the additional charges under ITR-U?As per Section 139 (8A) of the I-T Act, ITR-U can be filed within two years from the conclusion of the concerned financial year.

What exactly is updated ITR (ITR-U)?

It was introduced in the Union Budget 2022 by the government. The concept of the updated ITR (ITR-U) aims to facilitate tax compliance without legal repercussions. It allows individuals to correct mistakes, under-reporting, or misreporting income in their original tax return.

Those who missed the initial filing deadline can also utilise ITR-U. Failure to file or errors in filing can result in notices and penalties of up to 300% of the tax evaded. When's the deadline to file updated ITR?

The updated ITR can be filed within 24 months from the end of the relevant financial year. For the assessment year 2021-22, the deadline to file updated returns is March 31, 2024.

New income tax regime: Salaried individuals can claim these deductions

Although the new tax regime has become more appealing after the Union Budget 2023-24, it does not incorporate the standard deductions available under the old tax regime.

NEW DELHI. If you intend to choose the new tax regime for the financial year 2024-25, there are two deductions available specifically for salaried individuals. The new tax regime, which has zero tax liability for people with income up to Rs 7 lakh, has become the default regime for taxpayers.Although the new tax regime has become more appealing after the Union Budget 2023-24, it does not incorporate the standard deductions available under the old tax regime. However, there are some deductions that salaried deductions can

claim under the new regime. **Standard Deduction**

It is a straightforward benefit offered exclusively to salaried individuals and pensioners. When calculating the net taxable salary or pension income, employers automatically subtract Rs 50,000 as a standard deduction from the gross salary. No documentation is required to claim this deduction. This deduction is reflected in Part B of Form 16, the TDS certificate issued by the employer, detailing the taxes deducted from the salary throughout the financial year. When filing the income tax return (ITR), individuals can claim this deduction under the head "Income from salaries/pension" as per Section 16(ia) of the Income-tax Act.In addition, family pensioners are also eligible for the Private sector employees can claim up to standard deduction, albeit at a reduced rate of Rs 15,000 compared to the Rs 50,000 available for salaried individuals and pensioners. Family pension is taxed under

Section 80CCD (2) deduction under NPS This deduction has been available since the introduction of the new tax regime in the fiscal year 2020-21.It applies when an

the head "Income from other sources."

employer deposits funds into an employee's Tier-I NPS account. The income tax laws specify the maximum deduction allowed for both private and government employees.



10% of their salary as a deduction, while government employees can claim up to 14% of their salary under Section 80CCD (2). Salary, according to income tax laws, includes basic py plus dearness allowance.

Typically, the employer's contribution to an employee's Tier I NPS account forms part of the employee's cost to the company (CTC), which can reduce the employee's take-home pay. The employer's NPS

contribution is included in the gross salary payable by the employer. Employees must claim the deduction under Section 80CCD (2) when filing their income tax return (ITR). Part B of Form 16 will contain details of the employer's

contribution to the NPS account.Employees do not need to provide proof of NPS contribution to avoid higher TDS from salaries because the contribution is made directly by the employer to the NPS account, similar to how Employees' Provident Fund (EPF) contributions are made.

However, employees should check their employer's policy on proof submission.It's

important to note that if an employer's NPS contribution exceeds a certain limit, it may be taxable in the hands of the employee.According to income tax laws, if the total contributions by an employer to EPF, NPS, and Superannuation fund in a financial year exceed Rs 7.5 lakh, the excess amount will be taxable to the employee.Additionally, any interest, dividend, or return earned on the excess contribution will also be taxable.

www.thephotonnews.com Monday, 01 April 2024

Pawar vs Pawar In Maharashtra As Supriya Sule Takes On Rebel Cousin's Wife

Mumbai. In Maharashtra's Baramati, a historic showdown awaits as the splintered National Congress Party (NCP) gears up for a unique 'Pawar vs Pawar' contest in Supriya Sule, daughter of the party's patriarch Sharad Pawar, going up against Sunetra Pawar, wife of Deputy Chief Minister Ajit Pawar.Baramati, in Pune district, has evolved over the years from facing devastating famines into a thriving hub of agriculture, industry, and commerce. Decades of Pawar family dominance have shaped the political narrative of this region. The Pawar family's influence has been integral to this transformation, with Sharad Pawar's political career tracing back to the 1960s when he first won in this constituency.

Schism In The Family

The emergence of two factions within the NCP, led by Sharad Pawar and his nephew Ajit Pawar, has set the stage for a dramatic electoral showdown. The NCP's founding faction has nominated Supriya Sule, 54, while Sunetra Pawar, 60 and Ms Sule's sister-in-law, has entered the fray as the candidate representing the rival faction.On July 2 last year, Ajit Pawar, accompanied by eight NCP MLAs, aligned with the Eknath Shinde administration, prompting a fracture within the NCP party ranks. The division within the NCP has left voters and party workers with a choice between two Pawars."It will be a very tough choice for voters and party workers to choose between two Pawars. It is a contest they would never have imagined before July 2 last year," said Madan Devkate, a local leader, as quoted by news agency PTI. Since the 1960s, the

Baramati Lok Sabha constituency, encompassing Baramati, Indapur, Daund, Purandar, Bhor, and Khadakwasla assembly seats, has served as Sharad Pawar's stronghold.Ajit Pawar has represented Baramati as an MLA since 1991, and had registered a resounding victory in 2019 by



securing an astonishing 83 per cent of the

Supriya vs Sunetra

The Baramati Lok Sabha constituency consists of six assembly segments: Baramati town, Indapur, Daund, Purandar, Bhor, and Khadakwasla. Within these segments, the Congress holds sway over Bhor and

Purandar, while Baramati and Indapur have historically favoured the NCP (prior to its division). The BJP holds influence in Daund and Khadakwasala.In the 2019 elections, Supriya Sule clinched her third consecutive win in the Baramati constituency under the NCP banner.NCP (SP) - the Sharad Pawar faction, a member of the opposition Maha Vikas Aghadi (MVA), along with Shiv Sena (UBT) and Congress, will vie for 10 seats in Maharashtra, a state with 48 Lok Sabha seats. Baramati's polls are scheduled for the third phase on May 7.For

Sule, aged 54, this marks her debut in a Lok Sabha election where the NCP's support base will be divided between followers of her father and her cousin. While Sule relies on the allegiance of the Pawar Clan's supporters and her track record as a Lok Sabha representative, Ajit Pawar can garner additional backing from Shiv Sena cadres under Chief Minister Eknath Shinde's leadership, as well as the BJP.In the 2019 Lok Sabha elections, BJP candidate Kanchan Kul, wife of Daund MLA Rahul Kul, suffered defeat to Ms Sule by a margin of over 1.55 lakh votes.Ms Sule's victory margin in Baramati during her debut Lok Sabha contest in 2009 was 3,36,831 against BJP nominee Kanta Nalawade. This margin decreased to 69,719 in 2014 when Rashtriya Samaj Paksha leader Mahadev Jankar contested against her. In 2019, Ms Sule's vote tally surged to 6,86,714 with a vote share of 52.63%, securing victory by over 1.55 lakh votes.Sunetra Pawar is the second member of Ajit Pawar's family to contest Lok Sabha elections. In 2019, Ajit's son Parth contested from the Maval seat in Pune district but was defeated by Shiv Sena's Shrirang Barne.Sunetra Pawar hails from a politically active family in Marathwada. She is the sister of Padamsinh Patil, a former minister who initially belonged to the Congress but later joined.

'I Have To Go': Andhra Teen Dies By Suicide After Alleged Sex Assault; Leaves Heart-Wrenching Message To Family

New Delhi. A 17-year-old student has died by jumping from her college building in Vishakhapatnam. Shortly before her death, the victim alleged that she was sexually harassed at the college. In her heartwrenching final words, she expressed her inability to report the harassment to either the college authorities or the police. The student feared retaliation from her assaulters who possessed compromising photos of her and threatened to share them on social media. The girl also revealed that several of her peers at the college had also experienced sexual assault. Towards the end, the victim, addressed her elder sister, and expressed, "I'm sorry, Didi, but I have to leave."

Final Words

College authorities had informed the family about her disappearance around 10 PM on Thursday. Around 12:50 am on Friday, the girl responded to her family's messages, urging them not to worry. She wrote in Telugu, "Please don't worry. I can't explain why I am leaving, and even if I could, you wouldn't understand. Please forget about me. I am truly sorry. Mom and Dad, I am grateful for your love and upbringing. My journey is coming to an end."

In her final messages, she congratulated her expecting elder sister and advised her younger sister to focus on her studies and happiness, unlike herself. Addressing her father, she cited sexual harassment as the reason for her decision to take her own life. She further explained reporting it would be futile due to threats from her harassers. The reason I'm doing this is because if I'm gone, you'll grieve for a while but eventually move on. But if I stay, you'll constantly suffer," she wrote.

Lok Sabha Polls: BJP Candidate Sanjeev Balyan's Convoy Attacked In Muzaffarnagar, Union Minister Safe

New Delhi. Union Minister and BJP candidate from Muzaffarnagar Sanjeev Balyan's convoy was attacked on Saturday. Several individuals had allegedly pelted stones at his convoy during his campaign for the Lok Sabha Elections 2024. The supporters however rescued the BJP leader to safety.

The authorities had recieved reports of stone pelting around 8:30 pm in village Madkarimpur, which falls within the Khatauli police station's jurisdiction. Prajapat said, "After reaching the village, it came to light that today in the evening, a public meeting was being held in the village by the Bharatiya Janata Party candidate. During this public meeting, slogans were first raised by some anti-social elements and then stones were pelted at the convoy of vehicles parked

Sudhir Saini, District President of the Bharatiya Janata Party slammed the opposition. Saini said that the opposition fears Sanjeev Balyan's growing popularity. Saini provided details of the incident, mentioning at least two injuries and damage to 6-7 vehicles.

Muzaffarnagar Lok Sabha Seat

Balyan is eyeing a third-time win from the Muzaffarnagar seat. In 2019, Balyan won 569,535 votes and beat RLD's stalwart Ajit Singh by a margin of 3,782 votes. In 2014, Balyan had won the Muzaffarnagar seat by beating BSP's Kadir Rana by a margin of 398,410 votes. According to th Sunday Guardian, nearly 14.2% of the population in the constituency belongs to the Scheduled Castes and 40% are Muslim. Any possible division in Jat votes—out of a total 18 lakh or 18% of the population—may decide who the winner would be. Thakurs and Gujjars also constitute 10% of the population each.

The upcoming Lok Sabha elections in Uttar Pradesh are scheduled across seven phases, with Muzaffarnagar set for voting in the initial phase on April 19th.

Andhra forest officials hack into tree, water gushes out

New Delhi. Forest department authorities in Andhra Pradesh's Alluri Sitharama Raju district cut the bark of an Indian laurel tree, with water gushing out. A video of the incident has gone viral on social media and left everyone amazed. The forest officials cut the bark of the tree at Papikonda National Park to find that the tree stores water in the summer.

This knowledge was shared with the forest department by the Konda Reddi tribe, a particularly vulnerable tribal group inhabiting the Papikonda hill range in the Godavari region. The tribe is renowned for its indigenous knowledge of trees. The Indian Laurel tree, scientifically known as Ficus microcarpa, is a tropical or subtropical tree found primarily in several parts of



Asia, Western Pacific Islands and Australia.

As an ornamental tree, it provides a dense canopy and has a smooth lightgray bark, and shiny green lanceolate leaves. Its thick foliage creates excellent habitat for various bird secies, and its small round figs serve as food for birds. Meanwhile, the water

gushing out from the Indian laurel tree's bark comes at a time when there has been a water scarcity in several parts of India, including in Andhra Pradesh and neighbouring Karnataka, where its capital Bengaluru is facing a severe water crisis.Reservoirs in Andhra Pradesh have a water storage of 22 per cent, compared to 66 per cent last year.

Of the 21 major states where reservoir status is tracked, 15 have reservoir levels below the decade-average. In Tamil Nadu, Karnataka, and Andhra Pradesh, along with Bihar, Uttar Pradesh, and Chhattisgarh, reservoir levels are over 20 per cent less than the decade-average. At 49 per cent, the departure from the ten-year average is the highest in Andhra Pradesh.

"I Had To Dissent": Justice Nagarathna On Demonetisation Judgment

New Delhi. Supreme Court Judge BV Nagarathna has cautioned against instances of governors sitting indefinitely on bills passed by elected legislatures, referring to the case involving the Punjab Governor.

In her keynote address at the inaugural session of the fifth edition of Courts and the Constitution Conference, held at the NALSAR University of Law here on Saturday, Justice Nagarathna spoke about the Maharashtra Legislative Assembly case as another instance of gubernatorial overreach, where the governor lacked sufficient material to declare the floor test."This is not a healthy trend under the Constitution to bring the actions or omissions of the Governor of a state for consideration before constitutional courts," she said. 'I think I must appeal that the office of a governor, though it is called a gubernatorial post, the governor's post is a serious constitutional post, the governors must discharge their duties under the constitution in accordance with the Constitution so that this kind

of litigation before the law courts is



reduced," Justice Nagarathna added. She said it was quite embarrassing for the governors to be told to do or not to do a thing. So, a time has come where they would be now told to discharge their duties as per the Constitution, she said.Justice a three-judge bench headed by Chief Justice of India DY Chandrachud expressed "serious concern" over the conduct of Tamil Nadu Governor RN Ravi for his refusal to reinduct DMK leader K Ponmudi as a minister in the state cabinet.Justice Nagarathna also spoke on her dissent on the demonetisation case. She said she had

to dissent against the move by the central government as in 2016, when the decision was announced, the ? 500 and ? 1,000 notes comprised 86 per cent of the total currency notes in circulation, and 98 per cent of it came back after they were banned.In October 2016, the Indian government demonetised ? 500 and ? 1,000 banknotes, purportedly in a blow against the black money."I thought it was a way of converting money into white money by this demonetisation because firstly, 86 per cent of the currency was demonetised and 98 per cent of the currency came back and became white money. All the unaccounted money went back to the

Nagarthna's comments came days after Therefore, I thought it was a good way of getting unaccounted cash accounted. Therefore, this common man's predicament really stirred me. Therefore, I had to dissent," the judge said. The conference heard addresses from judges of the Supreme Courts of Nepal and Pakistan Justices Sapana Pradhan Malla and Syed Mansoor Ali

Who Is DM Aryaka Akhoury? Ghazipur **Collector Who Went Viral After Spat** With Mukhtar Ansari's Brother

New Delhi. Gangster-politician Mukhtar Ansari was cremated on Saturday in his hometown Ghazipur where thousands of people from a particular community gathered to attend the procession. While Section 144 was in force and any gathering was prohibited, the administration allowed people to march to the burial ground. However, after people tried to force enter the burial ground, tense moments prevailed leading to a verbal spat between Mukhtar Ansari's brother Afzal Ansari and Ghazipur DM Aryaka Akhoury. A video capturing a tense exchange between them regarding the funeral process of offering soil has become widely circulated on social media. Ansari was cremated at the Kali Bagh graveyard in Mohammadabad town for his final rites.

With Section 144 of the Criminal Procedure Code (CrPC) in effect, prohibiting gatherings of more than four individuals, Akhoury and other administrative personnel were overseeing the preparations at the cemetery and regulating access for mourners.

An administrative official in a statement to press, mentioned that the discussion revolved around a burial tradition involving attendees pouring soil onto the grave. Akhoury opposed the MP, stating that no advance permission had been requested for conducting the ritual. In response to the DM's statement, the MP asserted, "No restrictive orders can prevent people from joining the cremation ritual." To this, the DM responded that she would take legal action against the violators. The DM has gone viral for its strict stance to maintain law and order.

Who Is Aryaka Akhoury?

Akhoury garnered attention for her stringent actions against mafias and land sharks during her tenure since she joined the Indian Administrative Services. Born on December 14, 1985, Akhoury hails from the Patna district of Bihar. Holding an MSc in Biotechnology, she entered the Indian Administrative Services (IAS) in 2013. Commencing her career on September 2, 2013, after completing training in Mussoorie, she began as a Joint Magistrate in Varanasi.

Progressing through various roles, she served as the Chief Development Officer in Meerut district and later as the Special Secretary in the Secondary Education Department of the Government of Uttar Pradesh. On February 11, 2022, she assumed her first position as the Collector in Bhadohi district.

South Will Help Reach Modi Target Of 370; BJP Has Highest TRP In Country: Nitin Gadkari

NAGPUR. Avowing abiding confidence in from Nagpur, said. Prime Minister Narendra Modi's goal of Gadkari launched his campaign with 370 seats, BJP leader Nitin Gadkari says the additional seats to its current strength of 288 will come from gains in southern India in the upcoming Lok Sabha elections. In a wide ranging interview with PTI at his residence in Nagpur, Gadkari said there is "no doubt" in his mind that the BJP-led NDA alliance will cross 400 seats and that Modi will take over as prime minister for a third term because of the solid work done by the government in the last 10 years.He dismissed allegations that the Modi government is "weaponising" central probe agencies such as the Enforcement Directorate and CBI to weaken the opposition, saying BJP's rivals should make efforts to overcome adversity by winning the confidence of the people. "Is it our responsibility to make the opposition weak or strong? When we had just two MPs and were weak, we never got any package out of sympathy," Gadkari,

who is seeking a third Lok Sabha term

a massive road show on Saturday through Nagpur, his motorcade crawling through a sea of supporters who withstood 40 degrees Celsius temperature to welcome the local hero. The programme, which was to take two hours ended four hours later as supporters covered him with gulal and insisted on offering him snacks every time he stopped. Gadkari

said the BJP emerged stronger over the years due to the sheer hard work of its workers and the opposition too has to make efforts to earn the people's confidence."The nature of democracy is such that this keeps changing. Whatever role you play, you always have to make efforts and overcome adversity. This is important for any opposition party," he said. He was also asked to explain the arithmetic of 370 seats for BJP and more than 400 seats for the National Democratic Alliance, given that they have



already maxed out in their stronghold states."There is no need to make a statewise analysis. This time we will taste success in the South. The work we have done in the south and the northeast over the last 10 years under Prime Minister Modi's leadership... we have started getting results of the same," he said. "We have worked hard in Tamil Nadu, Kerala, Telangana, Andhra Pradesh and Karnataka. We had very little presence in these states. This time we will do well in Telangana and Andhra Pradesh. We have been performing well in north India. So, I

feel the BJP will alone get 370 seats and the NDA will cross 400," Gadkari said.

The senior BJP leader said the people of the country want to see development and have faith in the leadership of Modi, which will be reflected in the elections. To a question on the claims by certain quarters that the BJP will fall short of the majority mark, which in turn could trigger a race for the post of

the prime minister, Gadkari responded vehemently: "Not at all!" "We are completely confident that we will get a complete majority and will also cross the 400 mark and Narendra Modi ji will become the country's prime minister for the third consecutive term. There is no doubt about this in my mind," he said.Gadkari who won with a margin of more than two lakh seats in the 2019 elections said his goal this time is to win by a five lakh margin. He said he is confident of getting minority and Dalit votes this time.

Children among 8 killed, dozen injured in heavy rain in Pakistan

World. Heavy rains killed eight people, mostly children, and injured 12 in Pakistan's northwest, an official said Saturday. Downpours in different districts of Khyber Pakhtunkhwa province caused rooms to collapse, crushing the people inside, according to Anwar Shahzad, a spokesperson for the local disaster management authority. Shahzad said that three of the dead were siblings aged between 3 and 7 years old, from the same family. The casualties occurred in the past 24 hours, he added. Pakistan has this year experienced a delay in winter rains, which started in February instead of November. Monsoon and winter rains cause damage in Pakistan every year. Earlier this month, around 30 people died in rain-related incidents in the northwest. Across the border in Afghanistan, heavy rainfall on March 29 and 30 destroyed more than 1,500 acres of agricultural land, causing severe damage to hundreds of homes and critical infrastructure like bridges and roads in seven provinces, the UN Office for the Coordination of Humanitarian Affairs said Saturday. The provinces most affected are northern Faryab, eastern Nangarhar, and central Daikundi.It's the third time that the northern region has experienced flooding in less than a month, with seven people killed, and 384 families affected by heavy rains, the UN

Massive fire followed by explosions at Indonesian ammunition depot, no casualties

Bogor, Indonesia Indonesian firefighters were battling to put out a massive fire that broke out on Saturday (local time) at a military ammunition depot just outside the capital, causing a series of explosions and sending flames and smoke into the night sky. No one was reported to have died or been injured in the incident, military official Mohammad Hasan told reporters at the scene, saying the fire had started in a part of the facility that was used to store expired ammunition."We have checked the location and perimeters. There are no fatalities," Hasan told a press conference near the site in Bogor, on the outskirts of Jakarta."The expired ammunitions contain chemicals that can be unstable. There could have been some frictions that sparked the

Army official Kristomei Sianturi said authorities had started extinguishing the fire several hours after it started at 6:30 pm (local time).

Firefighters and paramedics were not initially able to reach the scene, according to local media reports.

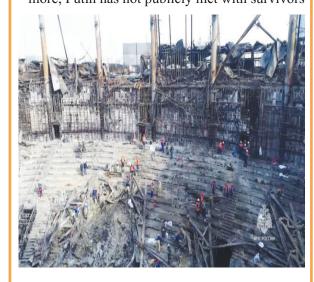
Footage broadcast by local network KompasTV showed orange flames and billowing clouds of smoke rising into the night sky, while loud explosions could be heard from several kilometres away.Local resident Arga Nanda told KompasTV he had heard a loud explosion that shook doors and windows. People ran out into the streets thinking it was an earthquake, he said.

Kristomei said authorities were evacuating people from nearby neighbourhoods. He also warned residents not to touch any objects that may be been blown outwards

Vladimir Putin 'in pain' over Moscow attack: 'No tears on his face, but...

Russian President Vladimir Putin was still pained by the March 22 terror attack at a concert hall near Moscow even if the emotions were outrightly not visible, Kremlin said.

Moscow The Kremlin said on Saturday (local time) that President Vladimir Putin was still pained by last week's massacre at a Moscow concert hall, even if this was not outwardly visible. More than one week after terrorists stormed Crocus City Hall on the outskirts of the capital, killing 144 people and injuring hundreds more, Putin has not publicly met with survivors



or visited the scene of the attack. This is despite Russian media reporting that Western diplomats, including those from the European Union and the US, visited a makeshift memorial for victims outside the venue on Saturday.Spokesman Dmitry Peskov told a state TV reporter that Putin was dealing with the tragedy in his own way.

Believe me, if you don't see tears on his face, it doesn't mean he's not in pain. And what he is going through, it is unlikely that anyone will ever recognise and understand," he said. The Kremlin gave no indication this week the Russian leader plans to visit the relatives of those killed in the attack, the country's deadliest in two decades.Instead, security agencies have shifted the focus on to who was responsible, detaining a dozen suspects, including the four suspects from Tajikistan. The Islamic State (IS) terror group has said several times since the March 22 attack that they were responsible, and IS-affiliated media channels have published graphic videos of the terrorists inside the venue. While Putin has acknowledged "radical Islamists" carried out the carnage, he has continued to allege arch-foe Ukraine was involved somehow, without providing any evidence.

Donald Trump 'hasn't got the brains' for dictatorship: Ex-adviser John Bolton

Adviser (NSA) John Bolton, in a sharp criticism of Donald Trump, said his exboss "hasn't got the brains" to become a dictator, while also questioning his professional background, commenting that "he's a property developer, for God's sake".In September 2019, the former President sacked Bolton after they significantly disagreed on Iran, Afghanistan and a myriad other global challenges. Bolton and Trump frequently clashed on foreign policy issues, with the latter accusing the former NSA of not getting along with others in the administration and being out of step with him on policy.In an exclusive interview with the French newspaper Le Figaro, the 75-year-old Bolton was asked if Trump, the lone remaining contender for the Republican nomination for this year's presidential election, had dictatorial tendencies. To this, he replied, "He hasn't got the brains! He's a property developer for God's sake."Bolton's remark came months after Trump, while addressing the New York Young Republican Club's 111th Annual Gala in December 2023, said he wanted to be a dictator for "one day"."You know why I wanted to be a



dictator? Because I want a wall, and I want to drill, drill," he said in reference to the wall along the southern border with Mexico and drilling in the US.In the past as well, the former President has praised autocratic leaders, including North Korea's Kim Jong Un, Chinese President Xi Jinping, and Hungarian Prime Minister Viktor Orban, who he met earlier this month, the Guardian newspaper reported.

uring the interview with Le Figaro, Bolton was also asked about what would be the consequences for American foreign



policy if Trump returned to the White House after the November election.He said it would be a mistake to consider Trump a "normal politician"."Donald Trump doesn't have a political philosophy, he doesn't get involved in policy analysis or decision-making in the way we normally use those terms. For him, everything is episodic, anecdotal, transactional. And everything is contingent on the question of how this will benefit âéŠDonald TrumpâéŠ -politically or personally," Bolton said.

"When people talk about his policies, they

are talking about something that does not exist. Trump made thousands of decisions during his presidency," he added.

The former NSA also said that if his former boss was re-elected for a second term, it was "very likely" that he would leave Nato. "Trump, when he has an idea, comes back to it again and again, then gets distracted, forgets, but eventually comes back to it and acts on it. That's why leaving Nato is a real possibility. A lot of people think it's just a negotiating tool, but I don't think so," Bolton was quoted as saying. When he was in office, Trump was a vocal critic of the military alliance, repeatedly threatening to pull out of it. He cut defence funding to Nato and frequently complained that the US was paying more than its fair share.In February, he faced widespread criticism after the former President complained about what he called "delinquent" payments by Nato members and recounted what he said was a past conversation with the head of "a big country" about a potential attack by Russia.No, I would not protect you. In fact I would encourage them (Russia) to do whatever the hell they want. You gotta

Top US general shares alternative to Israel's possible Rafah offensive: Report

World. A top US general has presented Washington's alternative to Israel's anticipated military offensive in Rafah, a city in southern Gaza where more than one million people have taken refuge after fleeing from other parts of the Strip due to the Israel-Hamas war.Israel has signalled its intention to attack Rafah, the last Hamas stronghold, and destroy four

battalions in the southern Gaza city. But, the US and other Western countries have expressed their concerns over the aftermath of the assault, including casualties.General Charles Q Brown Jr, the chairman of the US Joint Chiefs of Staff, called for the securing of Gaza's border with Egypt to prevent the smuggling of weapons, isolation of Rafah and the launch of targeted raids, and the



establishment of a joint control room to coordinate the targeted operations, The Times of Israel reported. The proposed plan also includes smooth and unhindered humanitarian assistance in Rafah and civilians can safely leave the area. According to the top general, the US would not "accept" mass civilian casualties in Rafah, given the high civilian deaths in north and central Gaza. This proposal came into the limelight after Israeli Defence

Minister Yoav Gallant visited Washington last week. Earlier, a visit by a senior Israeli delegation to Washington to discuss an alternative to the proposed Rafah offensive was cancelled by Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu after the US abstained from a UN Security Council vote on a resolution calling for a ceasefire in Gaza. A US official then said that both sides were working on a new date for the meeting, according to The Times of Israel.Israel has been facing international criticism over its deadly offensive in the Gaza Strip in response to a Hamas attack on southern Israel on October 7 last year. Over 32,000 people have died in Gaza so far, according to the Palestinian health ministry.US Secretary of State Antony Blinken has warned Netanyahu that Israel risked further global isolation if it attacked Rafah.

Texas woman charged with murder for self-induced abortion sues prosecutors

World A Texas woman who was charged with murder over selfmanaging an abortion and spent two nights in jail has sued prosecutors along the US-Mexico border who put

the criminal case in motion before it was later dropped. The lawsuit filed by Lizelle Gonzalez in federal court Thursday comes a month after the State Bar of Texas fined and disciplined the district attorney in rural Starr County over the case in 2022, when Gonzalez was charged with murder in "the death of an individual by selfinduced abortion."Under the abortion restrictions in Texas and other states, women who seek abortion are exempt

from criminal charges. The lawsuit argues Gonzalez suffered harm from the arrest and subsequent media coverage. She is seeking \$1 million in damages."The fallout from Defendants' illegal and unconstitutional actions has forever changed the Plaintiff's life," the lawsuit stated.Starr County District Attorney Gocha Ramirez said Friday

that he had not yet been served the lawsuit and declined comment. Starr County Judge Eloy Vera, the county's top elected official, also declined comment.According to the lawsuit,



Gonzalez was 19 weeks pregnant when she used misoprostol, one of two drugs in medication abortions. Misoprostol is also used to treat stomach ulcers. After taking the pills, Gonzalez received an obstetrical examination at the hospital emergency room and was discharged with abdominal pain. She returned with bleeding the next day and an exam

found no fetal heartbeat. Doctors performed a caesarian section to deliver a stillborn baby. The lawsuit argues that the hospital violated the patient's privacy rights when they

reported the abortion to the district attorney's office, which then carried out its own investigation and produced a murder charge against Gonzalez. ecilia Garza, an attorney for Gonzalez, said prosecutors pursued an indictment despite knowing that a woman receiving the abortion is exempted from a murder charge by state law.

Ramirez announced the charges would be dropped just days after the woman's arrest, but not before she'd spent two nights in jail and was identified by name as a

murder suspect.In February, Ramirez agreed to pay a \$1,250 fine and have his licence held in a probated suspension for 12 months in a settlement reached with the State Bar of Texas. He told The Associated Press at the time that he "made a mistake" and agreed to the punishment because it allows his office to keep running and him to keep prosecuting cases.

US official spends elderly woman's \$100,000 savings on facelift, new home

World An official in the US state of Florida has been arrested for defrauding a 96-year-old woman of her savings worth more than USD100,000 and spending the money on personal expenses, including a facelift, hotel stays, rental cars, and expensive perfumes from high-end retailers. Authorities said the accused fraudulently used the woman's power of attorney to buy a home in the latter's name. The accused, Orlando City Commissioner Regina Hill, was arrested on Thursday. She faces a total of seven, including three counts of exploitation of the elderly, mortgage fraud, scheme to defraud; and two counts of fraud, the Floridabased local WESH (channel 2) TV station

The 59-year-old who was first elected in 2013, has pleaded not guilty and posted USD40,000 bond following her arrest. She could face 180 years in prison if convicted on all counts. Hill, a Democrat, is also accused of racking up over USD10,000 in debt under the elderly woman's name.According to the Orlando Sentinel newspaper, the matter came to light earlier this month after a judge issued an injunction which barred Hill from accessing the elderly woman's bank accounts and homes, which the accused took control of.

She first met the woman in 2021.

According to authorities, Hill took advantage of the woman as she suffers from cognitive disabilities, age-related health issues, as well as her mental condition, which is already an issue in the civil case.Florida Department of Law Enforcement Special Agent in Charge John Vecchio told reporters that "Hill learnt of the woman living in poor conditions and the two were connected". She "became aware of this resident through her position as a city commissioner, and because of that, was able to lend what appeared to be benefit services" but used her influence over the elderly woman to 'fraudulently obtain a power of attorney", WESH 2 quoted Vecchio as saying.

According to law enforcement officers, the accused "repeatedly used the victim's finances to purchase rental cars, hotel stays, personal luxury items like expensive perfume from highend retailers". However, Hill, in a statement to the television station, called the matter "unfortunate" and said she "loved and cared" for the elderly woman "like my own family"

"After 10 years of service for the City of Orlando, I've illustrated my love and compassion for my constituents, my city and my family. I know the truth, I know I'm entitled to due process in which I trust, and I will await my day in court to prove my innocence," she added. A hearing has been scheduled for April 5.Meanwhile, Florida Governor Ron DeSantis has hinted that he

Turkey's Erdogan battles key rival in bid to reclaim control of Istanbul

Istanbul. Turks will vote on Sunday in nationwide municipal elections focused on President Tayyip Erdogan's bid to reclaim control of Istanbul from major rival Ekrem Imamoglu, who aims to reassert the opposition as a political force after bitter election defeats last year.

Istanbul Mayor Imamoglu dealt Erdogan and his AK Party the biggest electoral blow of two decades in power with his win in the 2019 vote. The President struck back in 2023 by securing reelection and a parliament majority with his nationalist allies.Sunday's votes could now reinforce Erdogan's control of Nato-member Turkey, or signal change in the major emerging economy's divided political landscape. An Imamoglu win is seen fuelling expectations of him becoming a future national leader. Polling stations open at 7 am (local time) in eastern Turkey, with voting elsewhere starting at 8 am and ending at 5 pm. Initial results are expected by 10 pm.Polls suggest a tight race in Istanbul, a city of 16 million people that drives Turkey's economy, where Imamoglu faces a challenge from AKP candidate Murat



Kurum, a former minister.

The results are likely to be shaped in part by economic woes driven by rampant inflation near 70 per cent, and by Kurdish and Islamist voters weighing up the government's performance and their hopes for political change.

While the main prize for Erdogan is Istanbul, he also seeks to win back the capital Ankara. Both cities were won by the opposition in 2019 after being under the rule of his AKP and Islamist predecessors for the previous 25 years. Erdogan's prospects have been helped by the collapse of the opposition alliance

that he defeated last year, though Imamoglu still appeals to voters beyond his main opposition Republican People's Party. Voters of the main pro-Kurdish party were crucial to Imamoglu's 2019 One factor working against Erdogan is a success. Their DEM party this time is rise in support for the Islamist New fielding its own candidate in Istanbul, but many Kurds are expected to put aside party loyalty and vote for him again. In the mainly Kurdish southeast, DEM is

looking to reaffirm its strength after the state unseated pro-Kurdish party mayors following previous elections over alleged ties to militants

Welfare Party due to its hardline stance against Israel over the Gaza conflict and dissatisfaction with the Islamist-rooted AKP's handling of the economy.

7 dead, 30 injured in car blast in Syrian border town

Amman. At least seven people were killed, and 30 others injured on Saturday in a car blast in a busy marketplace in the rebel-held Syrian town of Azaz near the Turkish border, residents and rescuers told Reuters. They said the blast occurred during peak late night shopping after breaking off the fast during the Muslim month of Ramadan."It's timing comes with heavy congestion by shoppers," said Yaseen Shalabi who was near the site of the explosion shopping with his family. There was no immediate claim of responsibility. The Arab-populated town run by Syrian rebel groups backed by Turkey opposed to Syrian President Bashar al-Assad has been relatively quiet since it was hit by a car blast over two years ago. Main towns in the northwestern border area have in recent years been frequently hit by bombings detonated in crowded civilian areas.

The civil defence forces said that at least thirty were wounded with some seriously injured transferred.

NEWS BOX

Miami Open: Danielle Collins wins maiden Masters 1000 after beating Elena Rybakina

Miami Open 2024: USA's Danielle Collins beat Kazakhstan's Elena Rybakina 7-5, 6-3 in the final to win her maiden Masters 1000 title.

New Delhi American Danielle Collins said she has achieved the goal she set herself for her final season on the WTA Tour by winning her first Masters 1000 title at the Miami Open on Saturday.

The 30-year-old overcame fourth seed Elena Rybakina in just over two hours to become the sixth American woman to claim the crown in Miami."I have always wanted to win every tournament that I have signed up for, but I do think that because it is my last year, I really wanted to try to win a Masters 1000 this year," Collins told reporters after winning the third WTA title of her career. That's really important to me. That's something that I talked a lot about with everybody close to me. I really wanted to make a push to be able to bring out my best tennis. "I'm so glad that I have been able to figure out some of the physical things I



have needed to do to peak at the right time and to feel like I'm ready to go. I certainly did that this tournament, but it has been a goal. So I got to tick it off the list."

The former Australian Open runner-up announced in January she would be quitting the sport in 2024 and that she hoped to start a family.

That's really important to me. That's something that I talked a lot about with everybody close to me. I really wanted to make a push to be able to bring out my best tennis."I'm so glad that I have been able to figure out some of the physical things I have needed to do to peak at the right time and to feel like I'm ready to go. I certainly did that this tournament, but it has been a goal. So I got to tick it off the list."

The former Australian Open runner-up announced in January she would be quitting the sport in 2024 and that she hoped to start a family.

Sweet Super Giants: LSG players sing their victory anthem after win vs PBKS

New Delhi. The LSG squad sang their victory anthem after an emphatic win against the PBKS in the IPL 2024 match at the Ekana Stadium, Lucknow. The KL Rahul-led side beat Punjab by 21 runs to register their first win of the season. Meanwhile, the Shikhar Dhawan-led side slumped to their 2nd straight loss of the IPL 2024. The official social media handle of LSG shared a special video, featuring the players, who enthusiastically sang their anthem titled 'Sweet Super Giants'. The LSG camp looked in a light mood as the players, coaches and the support staff collectively stood after the win. Even though the players were forgetting the lyrics of the song, they were still really enthusiastic and sang their anthem with pride.In fact, this has been a tradition followed by the franchise after their every win for 2 years. The team continued their tradition and such instances showcase the camaraderie and mutual love and respect the players have for each other. The entire team stood in a circle with hands on each other's shoulders as they recited their victory anthem. The LSG franchise captioned the post, "Living for the SWEET Super Giants smiles" IPL 2024, LSG VS PBKS: MATCH REPORTHOW LSG REGISTERED THEIR 1ST WIN OF IPL 2024?

The LSG team, continued the trend of home teams winning matches in their own backyard, after the streak was broken by KKR against RCB in Bengaluru. Lucknow got off the mark with an impressive win as they also unveiled a new fast-bowling sensation named Mayank Yadav, who was adjudged as the Player of the match.IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full ScheduleLucknow won the toss and, in an unfamiliar fashion, had opted to bat first. Lucknow introduced Nicholas Pooran as the stand-in captain as Rahul participated in the match as an Impact Sub. Rahul couldn't make much impact, but Krunal Pandya and Pooran ensured LSG reached the joint-highest total at Ekana Stadium, i.e. 199.

The opening pair of Shikhar Dhawan and Jonny Bairstow had taken PBKS off to a flying start. However, the introduction of 21-year-old debutant, Mayank, bent the game in favour of LSG. The youngster scalped 3 wickets as PBKS were restricted to 178.

Rohan Bopanna makes history as oldest ATP Masters 1000 champion with Miami Open victory

NEW DELHI. Ace Indian tennis player Rohan Bopanna added another chapter to his illustrious career by rewriting his own record as the oldest ATP Masters 1000 champion, alongside his Australian partner Matt Ebden, after clinching the men's doubles crown at the Miami Open.

In a thrilling final at the Hard Rock Stadium, the 44-year-old Bopanna and Ebden displayed their resilience and skill, rallying from a set down to secure a sensational 6-7(3), 6-3, 10-6 victory over Croatia's Ivan Dodig and American Austin Krajicek on Saturday. Surpassing his own record set last year at the Indian Wells title triumph, Bopanna's win at the Miami Open not only reclaimed the top spot in the doubles ranking but also marked his remarkable consistency and longevity in the sport. Reflecting on the victory, Bopanna expressed his delight, stating, "It's amazing. As long as you are doing well in these big events, it's what we play for. I want to do well in the Masters 1000s and the Grand Slams. It's good to keep that record going and keep giving everyone else a run for their money. "This triumph marked Bopanna's 14th ATP Masters 1000 final and his 63rd ATP Tour level final, further solidifying his status as one of the most accomplished doubles players in the game.

In addition to rewriting records, Bopanna also achieved a rare feat by becoming the second Indian, after Leander Paes, to reach the final of all nine ATP Masters events, showcasing his versatility and skill across different surfaces and tournaments.

Reflecting on the intense final, Ebden acknowledged the resilience of their opponents but highlighted their ability to reset and stage a comeback. "It's tough. These guys, they fight back in tough moments," said Ebden. "They played a great tiebreak, and then we just reset.



IPL 2024: Will Prithvi Shaw open for DC vs CSK Ricky Ponting reveals

New Delhi DC's head coach, Ricky Ponting, discussed the possibility of fielding Prithvi Shaw as their opener for the upcoming match against CSK at the Vizag stadium on March 31, Sunday. Shaw is yet to appear for Delhi as the franchise opted for the opening duo of David Warner and Mitchell Marsh in the initial two games of the season. Speaking to the media before DC's clash with CSK, Ponting voiced his support for Shaw, highlighting the effort he's been putting in. He also noted that the team's composition didn't accommodate Shaw in the initial two matches."Yeah, he's (Shaw) definitely pushing for it. He has worked hard in the last couple of weeks. Obviously, our team make-(Anrich) Nortje being in allowed us to play four overseas batsmen," Ponting said. So by doing that, we pushed Mitchell Marsh to the



top of the order, which pushed Prithvi out of the side." IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings

WILL SHAW GET A GAME FOR DC VS

up in the first game without obviously (Anrich) Nortje being in allowed us to play four overseas batsmen," Ponting said. So by doing that, we pushed Mitchell Marsh to the

look at Prithvi at training and see how well he plays in the nets. And if he impresses everybody today, we'll definitely consider him for selection."In fact, the head coach looked really confident for DC to finally be

able to register their first win of the season. "We feel that a really good game is just around the corner for us. In fact, I am sure we will have a more positive intent going into this game," Ponting added.DC, along with MI, remain to be the only 2 franchises who haven't won a single match in IPL 2024 yet. Delhi's move to keep Ricky Bhui at the top order hasn't paid any dividends so far as the batter has managed to score only 3 runs in 2 matches. Shaw will be eager to get a go and prove his credentials as a top-order batter for DC.Delhi will look to make full use of their home advantage and get some points in their tally as they face CSK.

IPL 2024, DC vs CSK: Pant's Delhi in for stiff task against rampaging Chennai

New Delhi. Delhi and Chennai are all set to be up against each other in the Indian Premier League (IPL) 2024 match on Sunday, March 31 at the Dr. Y.S. Rajasekhara Reddy ACA-VDCA Cricket Stadium in Visakhapatnam.

The two teams have had contrasting starts to their campaign. The Super Kings are the defending champions, and they have played like one. Under their new skipper, Ruturaj Gaikwad, they are comfortably placed on top of the table with 4 points and a net run rate of +1.979 thanks to wins in both their matches. They will go into the game after beating the Shubman Gill-led Gujarat by 63 runs. After starting with back-to-back wins at the MA Chidambaram Stadium in Chennai, CSK will be looking to carry the form in their away matches as well.

Delhi, on the other hand, have struggled to find their feet. After losing both their matches, they are languishing at ninth in the table with a net run rate of -0.528. In both their games against Punjab and Rajasthan, Delhi had their chance of winning, but somehow, they stuttered at the finishing hurdle.

Rishabh Pant, their skipper, has not had it easy

Rishabh Pant, their skipper, has not had it easy after returning to competitive cricket. It would need a Herculean task from them to take down the might of CSK in their next

encounter. DC vs CSK: Head-to-Head

They will go into the game after beating the Shubman Gill-led Gujarat by 63 runs. After starting with back-to-back wins at the MA Chidambaram Stadium in Chennai, CSK will be looking to carry the form in their away matches as well.

Delhi, on the other hand, have struggled to find their feet. After losing both their matches, they are languishing at ninth in the table with a net run rate of -0.528. In both their games against Punjab and Rajasthan, Delhi had their chance of winning, but somehow, they stuttered at the finishing hurdle.

Rishabh Pant, their skipper, has not had it easy after returning to competitive cricket. It would need a Herculean task from them to take down the might of CSK in their next encounter.DC vs CSK: Head-to-Head

DC vs CSK: Probable XIs

DC Predicted XI: David Warner, Mitchell Marsh, Ricky Bhui, Rishabh Pant (c & wk), Tristan Stubbs, Axar Patel, Sumit Kumar, Kuldeep Yadav, Anrich Nortje, Khaleel Ahmed, Mukesh Kumar

Impact Player: Abhishek Porel

CSK Predicted XI: Ruturaj Gaikwad (c), Rachin Ravindra, Ajinkya Rahane, Daryl Mitchell, Shivam Dube, Ravindra Jadeja, Sameer Rizvi, MS Dhoni (wk), Deepak Chahar, Tushar Deshpande, Mustafizur Rahman

IPL 2024: Mayank Yadav's 'thunderbolts' against PBKS leaves Shane Watson wowed



UPDATED. Former Australian cricketer, Shane Watson was amazed by LSG's new pace-bowling sensation, Mayank Yadav, for his heroics against PBKS at the Ekana Stadium, Lucknow on March 30, Saturday. LSG registered their first win of the season as they defeated PBKS by 21 runs. The 21-year-old debutant, Mayank, was adjudged as the player of the match for his impressive bowling figures of 3 for 27 in 4 overs. Mayank was introduced in the 10th over of the match, when the opening pair of Shikhar Dhawan and Jonny Bairstow were racing away in the 200-run chase. In his very first delivery, Mayank clocked 147.1 kmph

and went on to only build up from there. The bowler unleashed his raw pace as he clicked 155.8 kmph to deliver the fastest delivery of IPL 2024 so far. He managed to break the 102-run opening stand of PBKS by dismissing Bairstow. LSG vs PBKS - Scorecard | Report

year-old debutant, Mayank, was adjudged as the player of the match for his impressive bowling figures of 3 for 27 in 4 overs. Mayank was introduced in the 10th over of the match, when the opening pair of Shikhar Dhawan and Jonny Bairstow were racing away in the 200-run chase. In his very Watson, while speaking at Jio Cinema, expressed how impressed he was with Mayank's pace. He also mentioned that every team wanted to discover and scout such talents. IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full SchedulWHO IS MAYANK YADAV?

to discover. You bowl at that pace and get world-class batters jumping around. Jonny Bairstow after he faced one or two bowls, he really didn't have to face too much, he started moving around. It was great to watch those thunderbolts," Watson said.

'Mayank, wow, that's what every team wants

HOW LSG REGISTERED THEIR 1ST WIN OF IPL 2024?

Watson also heaped praise on the LSG batters, including Quinton de Kock, Nicholas Pooran and Krunal Pandya for their valiant effort to guide the team to the joint-highest total at Ekana Stadium, i.e. 199. He also mentioned that despite KL Rahul getting dismissed early on in the innings, the rest of the batters managed to step up.

"That was a really good all-round performance from LSG. You could see the intent that LSG had from the very first ball with Quinton de Kock and KL Rahul. KL Rahul might have got out for just 15 runs, but that came in just 8 balls, that is something that I want to see," Watson said.

"He might be disappointed because his numbers are not near the orange cap right now, but that's what his team needed to do. And they followed that all the way through with Nicholas Pooran, and then to finish off with Krunal Pandya, who got them up to 100." Water added.

Babar Azam returns as Pakistan ODI, T20I captain, Shaheen Shah Afridi loses role

UPDATED. Babar Azam has returned as the Pakistan ODI and T20I captain. The decision was taken after a unanimous recommendation from the Pakistan Cricket Board's (PCB) selection committee. PCB chairman Mohsin Naqvi re-appointed Babar as the national skipper in the limited-overs formats. Babar's appointment meant that Shaheen Shah Afridi would not remain the T20I skipper of the Pakistan team anymore.

Shaheen struggled as the captain in the series against New Zealand that Pakistan lost 1-4. Under him, Lahore Qalandars also could not qualify for the Pakistan Super League (PSL) 2024 playoffs. Babar will be in charge when Pakistan lock horns with the Black Caps in a 5-match T20I series to be played from April 18 to April 27 in Lahore and Rawalpindi. Earlier, it was learnt that Shaheen was contemplating quitting captaincy for Pakistan. As per reports, the speedster was disappointed after not being a part of discussions surrounding his future as



the skipper. A source close to Shaheen said

that the pacer was upset because neither

Mohsin Naqvi nor the national selectors

reached out to him. Big challenge ahead for Babar Azam

Last year, Babar stepped down as the skipper of the Pakistan team after the Men in Green failed to advance to the semifinal of the ODI World Cup on Indian soil. Babar was subjected to criticism after Pakistan could not finish in the top four despite starting their campaign with wins over the Netherlands and Sri Lanka.

Babar's own form with the bat was also not all that great, as he failed to score a single century. After the end of the mega event, he dropped a post on his social media handles, putting forth his decision to step down from his position across all three formats. While Babar returned to lead in ODIs and T20Is, Shan Masood stayed as skipper in Test cricket.

Babar happens to be amongst the most successful captains in T20Is, having won 42 out of 71 matches.

Title Poster Of Kannada TV Actor Sharath Padmanabh's **Debut Film Out**



harath Padmanabh is among the most popular actors in the Kannada television industry. The actor has been a part of some of the most popular shows and enjoys a great fan following. Sharath became a household name in Karnataka after showcasing his exceptional acting skills in the serial Paaru. The show was a big hit, and people loved seeing him on screen. Since the past year, there has been news that Sharath will soon make his debut on the silver screen. As per reports, it was also found that Sharath will make his debut in Vardhan MH's upcoming thriller project. Now, the name and poster of the film have been launched with the fans.Sharath Padmanabh is the next in line of actors who have made a successful transition from television serials to films. The actor will soon make his debut in Vardhan MH's film. The film has been titled Anima and is a suspense thriller. Sharath even shared the poster for the film on Instagram. In the poster, a red car can be seen on a road in the forest. The poster gives off a scary vibe and intrigues the audience. He captioned it, "Anima. Our cinema is now taking its first step to become your cinema. I am presenting to you the title poster of the movie. Coming soon to tell an exciting story. Please support our team."

Earlier in an interview, Vardhan MH spoke about the plot of the film. He said, "It is primarily a suspense thriller, the first half of the movie has a strong comic undertone. The film takes place in both the city and crucial portions set inside the forest. We have identified locations in Bengaluru, Sakleshpur and Madikeri,"Anima also stars Anoosha Krishna as the female lead. The film also has an ensemble cast of Sahana Shetty, Hemanth Kumar N, JV SUbbu, Pankaj, Yuvaa Shetty, Vani, Surya, and Suhmitha in important roles. The film is written and directed by Vardhan MH and produced by Sanju MH under the banner of A Dreamers Studio. The music will be composed by Ronada Bakkesh, while the cinematography will be handled by debutant MK Raj.

'We Should Respect Our Players': Sonu Sood Posts Amid Hardik Pandya's Trolling



he Indian Premier League (IPL) 2024 is currently underway. Fans are enthusiastically rooting for their favourite teams and players. Some of the fan wars, however, are also taking an ugly turn and they are mocking the other players in the most vulgar means possible. Actor Sonu Sood has shared his views on this matter. Without referring to anyone's name, he tweeted," We should respect our players. Players who made us proud, players who made our country proud. One day you cheer for them, next day you boo them. It's not they, it's us who fail. I love cricket. I love every cricketer who represents my country." hE wrote that it is insignificant whether the cricketer plays as a Captain or as the 15th man in a team. According to him, it is also insignificant for which franchises are playing. He said that these cricketers are their heroes.

Sonu Sood has not named anyone in this Twitter post, but his fans are assuming that this post is in support of cricketer Hardik Pandya. He was appointed as the captain of Mumbai Indians (MI), in place of Rohit Sharma for the 17th edition and has been facing backlash since then from the MI fans. They are trolling Hardik, especially after the team's loss to Sunrisers Hyderabad on March 27. Model and Hardik's wife Natasa Stankovic has also faced vicious trolling on her social media posts by the people. Sonu Sood is known for featuring in films like

Sreemantha, Jodhaa Akbar and Dabangg. After a successful stint at acting, he is now all set to make his debut in direction as well with the film Fateh. He will also play the lead role in this film complimented by the supporting star cast of Vijay Raaz, Jacqueline Fernandez, and others. This film was filmed in various locations including India, USA, Russia, and Poland. It has been backed by Shakti Sagar Productions and Zee Studios. Fateh is currently in the postproduction phase and is expected to release at the cinemas this year.



Turquoise Saree Is The Perfect Wedding Wear



ehreen Pirzada is a model-turned-actress who has, on multiple occasions, left her fans in a frenzy with her style statement. She is a known face in Telugu, . Tamil, Hindi and Punjabi movies. She marked her acting debut in the industry with Krishna Gaadi Veera Prema Gaadha in 2016. This movie paved the way for success for her as she was roped in the Hindi movie Phillauri and Tamil movie Nenjil Thunivirundhal in 2017. Recently, she dropped a few photos of herself in a gorgeous drape and we can't stop staring at her. If you ever need styling tips, you can always consider taking a look at Mehreen Pirzada's Instagram account which is filled with her outstanding and in-vogue fashion statements. Her look is always on point as she slays in every outfit. This time, she served ultra glam in a turquoise saree and the result was breathtaking. However, it was her intricately designed blouse that stole all the limelight. Mehreen Pirzada matched her saree with a copper-coloured blouse with turquoise threadwork. The sleeves had the mirror, embroidery and various other intricate eye-to-detail work that elevated her entire look and kicked up her fashion quotient by multiple notches. It also showcased a slightly V-neckline highlighting her decolletage. To further complement her look, she opted for chunky jewellery. She opted for a choker necklace, a statement ring, matching earrings and a chunky bangle. For makeup, she opted for an ultra-glam look with glowing skin. She chose slightly smokey eyes and nude lips and opted for beaming highlighter on her brow

commented, "Looking great sis." Another wrote, "Looking like an angel." One more wrote, "Uff, you are the prettiest." Mehreen Pirzada is known for her notable works in the Telugu industry like Mahanubhavudu Raja the Great and F2: Fun and Frustration. She made her Punjabi film debut with DSP Dev in 2019.

bone and cheeks. It comes as no surprise that Mehreen Pirzada's latest look had her fans floored. A fan Camannaah Bhatia

Is The Epitome Of Style In This Bridal **Couture Special Photo Sesh**

amannaah Bhatia is among the most popular actresses in the entertainment industry. Over the years, she has impressed the audience with her performances in South cinema as well as Bollywood. She has garnered a lot of love from the audience. Tamannaah never fails to impress her fans with her stunning looks, and she often makes style statements with her gorgeous sartorial picks. From effortlessly carrying traditional looks to gracefully pulling off stylish outfits, the actress has been able to garner a lot of fans for her fashion choices as well. Recently, Tamannaah Bhatia shared a post from her latest photoshoot on Instagram. She collaborated with popular designer Rahul Mishra for his upcoming exclusive bridal creation, 'Beginnings Made in Singapore.' In the photos, she was seen wearing



different outfits from the designer's latest collection. The collection included both traditional and western outfits. In one of the pictures, Tamannaah can be seen in a green coloured blouse with a beautifully embroidered long red skirt. One of the highlights of the collection was the actress donning the black and golden sequin lehenga. She was also seen in a gorgeous golden and brown transparent dress that was themed around fish.In the caption, Tamannaah Bhatia wrote a heartfelt note and described her experience of being a part of the photoshoot and launching the collection. Tamannaah was full of praise for Rahul Mishra. She wrote, "Rahul's designs carry so much meaning and character, yet slipping into any of his outfits always makes you feel comfortable." She also thanked iDiva for bringing together this shoot, and she loved

her experience in Singapore. She also gave credit to the list of all the crew members involved in making the shoot successful. Many of her fans commented on the post and praised her. One of her fans wrote, "Looking amazing and beautiful as always." Another user commented, "Wow, I love it.". Tamannaah has several intriguing projects in her pipeline. She will star in filmmaker Nikkhil Advani's

next action drama, Vedaa, opposite John Abraham and Sharvari Wagh.